गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

हिंदी दैनिक

# विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 13 | अंक : 95 | गुवाहाटी | शनिवार, 7 नवंबर, 2026 | मूल्य : 2 रुपए | पृष्ठ : 8

Viksit Bharat Samachar
Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

## धनतेरस पर सोना-चांदी हुआ सस्ता, माणिक चंद ज्वैलर्स पर खरीदारों की टूटी भीड़

**गुवाहाटी।** धनतेरस के शुभ मौके पर आज गुवाहाटी के सराफा बाजार में जबरदस्त रौनक देखने को मिली। सुबह त्रयोदशी तिथि शुरू होते ही फैंसी बाजार, जू रोड और जीएस रोड स्थित माणिक चंद ज्वैलर्स पर खरीदारों की लंबी कतार लग गई। लोगों में सोने के सिक्के, चांदी के सिक्के, लक्ष्मी-गणेश की मूर्ति, गिन्नी और हल्के गहनों की सबसे ज्यादा मांग रही। दुकान के बाहर सुबह 10:30 बजे से ही महिलाएं, परिवार और युवा जोड़े खरीदारी के लिए पहुंचने लगे। दुकानदारों का कहना है कि इस बार धनतेरस पर दाम गिरने से ग्राहकों को बड़ी राहत मिली है, इसलिए सुबह से ही भीड़ दोगुनी हो गई है। आज गुवाहाटी सराफा बाजार के भाव : 24 कैरेट सोना (10 ग्राम)1,46,03 रुपए, 22 कैरेट सोना (10 ग्राम) 1,33,860 रुपए, 18 कैरेट सोना (10 ग्राम)1,09,530 रुपए, चांदी (1 किलो)1,89,300 रुपए - 2,10,000 रुपए के बीच। वहीं गुवाहाटी और कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,46,030 रुपए और 22 कैरेट सोना 1,33,860 रुपए प्रति 10 ग्राम पर रहा। ये भाव जीएसटी और मेकिंग चार्ज के बिना हैं। -शेष पृष्ठ दो पर


जीएस रोड ब्रांच


जू रोड ब्रांच

**सुप्रभात**

*संयम विवेक देता है, ध्यान एकाग्रता प्रदान करता है। शांति, संतुष्टी और परोपकार मनुष्यता देती है।*

**- ईश्वर चंद्र विद्यासागर**

## मुख्यमंत्री के परिवार को जान का खतरा, करेंगे अदालत का रुख

**गुवाहाटी।** असम में गायक जुबीन गर्ग की मौत के मामले ने अब नया राजनीतिक और कानूनी मोड़ ले लिया है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को कहा कि अगर मामले के दो मुख्य आरोपियों को जमानत मिलती है तो उनके आवास का घेराव करने की धमकी दी गई है। उन्होंने इसे अपने परिवार की सुरक्षा के लिए खतरा बताया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार इस मामले को सुप्रीम कोर्ट और गौहाटी हाईकोर्ट के सामने उठाएगी। उन्होंने कानूनी विभाग को इस धमकी की जानकारी अदालतों तक पहुंचाने का निर्देश दिया है। शर्मा के मुताबिक, मुख्यमंत्री कार्यालय के बजाय उनके निजी आवास को घेरने की बात कही गई है, जो उनके परिवार के लिए गंभीर खतरा है। मुख्यमंत्री ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि अदालतें अपना काम कर रही हैं और राज्य सरकार न्यायिक आदेशों का सम्मान करती है। उन्होंने आरोप लगाया कि एक विधायक के नेतृत्व वाले समूह की ओर से दी गई धमकी से राज्य में अशांति पैदा करने की कोशिश हो रही है। यह धमकी जुबीन गर्ग न्याय समिति की ओर से दी गई है। समिति का नेतृत्व रायजोर दल के विधायक अखिल गोगोई कर रहे हैं। समिति ने गुरुवार को कहा था कि यदि श्यामकानु महंत और सिद्धार्थ शर्मा को जमानत मिलती है या राज्य सरकार उनकी जमानत का प्रभावी विरोध नहीं करती तो मुख्यमंत्री के आवास का घेराव किया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट में दोनों आरोपियों की जमानत याचिकाओं पर 30 नवंबर को सुनवाई होनी है। शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री आवास का घेराव करने की धमकी सामान्य विरोध प्रदर्शन से अलग है। उनके मुताबिक, प्रदर्शनकारी मुख्यमंत्री कार्यालय के बाहर नहीं, बल्कि उनके घर पहुंचने की बात कर रहे हैं। उन्होंने इसे परिवार के लिए खतरा और हत्या की सीधी कोशिश तक बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार अदालत के आदेशों का सम्मान करती है और किसी को भी न्यायिक प्रक्रिया में बाधा नहीं डालनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने विधानसभा में जो बातें कही थीं, उनका जिक्र आरोपपत्र में भी है। मुख्यमंत्री ने लोगों से अपील की कि वे अदालत के काम में हस्तक्षेप करने -शेष पृष्ठ दो पर



## एजल में पटाखों पर बैन नियम तोड़ने पर 6 महीने की जेल और एक लाख रुपए तक का जुर्माना

**एजल।** मिजोरम सरकार ने राज्य में पटाखों के इस्तेमाल, भंडारण और बिक्री को नियंत्रित करने के लिए नया कानून लागू किया है। *द मिजोरम रेगुलेशन ऑफ फायरवर्क्स एक्ट, 2026* के तहत नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का प्रावधान किया गया है। खास तौर पर सरकारी कर्मचारियों को नियम तोड़ने पर 6 महीने तक की जेल या 1 लाख रुपये तक का जुर्माना भुगतना पड़ सकता है। राज्य के गृह मंत्री के. सपदांगा ने शुक्रवार को एजल प्रेस क्लब में नए कानून के प्रावधानों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस कानून को अगस्त 2026 में राज्य विधानसभा ने पारित किया था और सितंबर में अधिसूचित किया गया। गृह मंत्री के मुताबिक, नए कानून के तहत मिजोरम में डिप्टी कमिश्नर की पूर्व अनुमति के बिना पटाखे जलाने, इस्तेमाल करने -शेष पृष्ठ दो पर

## जुबीन गर्ग मौत मामले पर सीएम ने मीडिया के एक वर्ग पर उठाए सवाल

**गुवाहाटी (हि.स.)।** असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने जुबीन गर्ग की मौत मामले की कवरेज को लेकर मीडिया के कुछ हिस्सों पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने खासकर उन रिपोर्टों पर सवाल किया है जिनमें आरोपितों को जमानत मिलने की संभावना जताई जा रही थी, साथ ही उन बयानों में अंतर की ओर इशारा किया है जो गवाहों ने टीवी इंटरव्यू में दिए और जो उन्होंने अदालत के सामने दर्ज कराए। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए मीडिया द्वारा जुबीन को लेकर पूछे गये सवाल पर मीडिया के नैरेटिव पर चिंता जताई। उन्होंने सवाल किया कि ऐसी रिपोर्टें क्यों आ रही थीं कि आरोपितों को जमानत मिल जाएगी, जबकि उच्चतम न्यायालय ने अभी तक उनकी याचिकाओं पर कोई फैसला भी नहीं लिया था। मुख्यमंत्री ने गौहाटी उच्च न्यायालय द्वारा अमृतप्रभा महंत को दी -शेष पृष्ठ दो पर

## पीएम मोदी 29 को उषा मंगेशकर को देंगे पहला भूपेन हजारिका राष्ट्रीय पुरस्कार



**गुवाहाटी।** असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को बताया कि दिग्गज पार्श्व गायिका उषा मंगेशकर को 29 नवंबर को नई दिल्ली में *डॉ. भूपेन हजारिका राष्ट्रीय पुरस्कार* दिया जाएगा। यह पुरस्कार उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा, महान गायक और संगीतकार भूपेन हजारिका की जन्म शताब्दी समारोह के समापन कार्यक्रम में प्रदान किया जाएगा। गुवाहाटी में पत्रकारों से बात करते हुए शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस समापन समारोह में शामिल होने के लिए अपनी सहमति दे दी है। गायिका उषा मंगेशकर ने भी यह पुरस्कार स्वीकार करने के लिए अपनी सहमति दे दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस कार्यक्रम में उषा मंगेशकर को यह पुरस्कार प्रदान करेंगे। भारत मंडपम में आयोजित होने वाला यह कार्यक्रम दो घंटे तक चलेगा, जिसमें राष्ट्रीय और राज्य स्तर के कलाकार एक साथ आएंगे। शर्मा ने बताया कि कई देशों के राजदूतों, राज्यों के राज्यपालों और मुख्यमंत्रियों, -शेष पृष्ठ दो पर

*भूपेन हजारिका शताब्दी समापन समारोह*

## असम सरकार ने लॉन्च किया पंजीकरण पोर्टल



**गुवाहाटी (हि.स.)।** असम सरकार ने डॉ. भूपेन हजारिका की जन्म शताब्दी समारोह के भव्य समापन कार्यक्रम में शामिल होने के इच्छुक लोगों के लिए एक ऑनलाइन पंजीकरण पोर्टल लॉन्च किया है। यह कार्यक्रम आगामी 29 नवंबर को नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को दिसपुर स्थित लोक सेवा भवन में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान *डॉ. भूपेन हजारिका शताब्दी समारोह* पोर्टल को लॉन्च किया। पंजीकरण की प्रक्रिया 28 नवंबर तक खुली रहेगी, जबकि आवेदक 12 नवंबर से अपने पंजीकरण पास डाउनलोड कर सकेंगे। घोषित व्यवस्थाओं के -शेष पृष्ठ दो पर

## मुख्यमंत्री हिमंत ने धनतेरस पर दी शुभकामनाएं

**गुवाहाटी (हि.स.)।** असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को धनतेरस के पावन अवसर पर राज्यवासियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कामना की कि प्रत्येक असमवासी का जीवन धन-वैभव, सुख-समृद्धि और अच्छे स्वास्थ्य से परिपूर्ण हो। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर अपने संदेश में कहा कि मां लक्ष्मी और भगवान धन्वंतरि का आशीर्वाद प्रत्येक परिवार के जीवन में शांति, आनंद और मंगल लेकर आए। उन्होंने कामना की कि सभी के जीवन में समृद्धि का स्वर्णिम प्रकाश फैले और हर दिन नई आशाओं तथा खुशहाली से भरपूर हो।

## डिब्रूगढ़ में ऑयल के टैंक फार्म में धमाका, एक की मौत, छह घायल



**डिब्रूगढ़।** असम के डिब्रूगढ़ जिले के तेंगाखत में शुक्रवार सुबह ऑयल इंडिया लिमिटेड के इंटरमीडिएट टैंक फार्म (आईटीएफ) में आग लगने और विस्फोट होने से एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि 6 लोग घायल हो गए। यह घटना वहां तकनीकी काम के दौरान हुई। शुरुआती रिपोर्टों के अनुसार, विस्फोट कच्चे तेल (क्रूड ऑयल) के स्टोरेज सेक्शन में तब हुआ जब एक वाल्व को ऑपरेट किया जा रहा था। इससे पहले स्पेक्ट्रॉन इंजीनियर्स प्राइवेट लिमिटेड के एरिया मैनेजर कमल फुकन ने बताया कि तकनीकी काम के दौरान आग लग गई, -शेष पृष्ठ दो पर

## राष्ट्र निर्माण की गतिविधियों में विद्यार्थियों को शामिल करने का एनसीसी का प्रयास सराहनीय : डॉ. शर्मा



**गुवाहाटी (हि.स.)।** असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को गुवाहाटी के पांडु बंदरगाह पर आयोजित ब्रह्मपुत्र नौकायन अभियान-2026 के समापन समारोह में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने अभियान में शामिल राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के कैडेटों का स्वागत किया और उनसे बातचीत की। मुख्यमंत्री ने एक नौका पर सवार होकर कैडेटों के साथ चप्पू भी चलाया और उनकी सफलता का उत्साहवर्धन किया। एनसीसी के पूर्वोत्तर क्षेत्र निदेशालय की ओर से आयोजित यह 10 दिवसीय अभियान 28 अक्तूबर को बिश्वनाथ घाट से शुरू हुआ था। अभियान के दौरान 100 वरिष्ठ डिवीजन और वरिष्ठ विंग के कैडेटों ने ब्रह्मपुत्र नदी में लगभग 248 किलोमीटर की दूरी तय की। इस दौरान अभियान बिश्वनाथ, शोणितपुर, नगांव, दरंग, मोरीगांव और कामरूप महानगर सहित छह जिलों से होकर गुजरा। इसमें 48वीं और 49वीं असम नौसेना इकाइयों के कैडेटों ने छह डीके व्हेलर नौकाओं के माध्यम से हिस्सा लिया। नौकायन और -शेष पृष्ठ दो पर




## असम में मेडिकल शिक्षा को बड़ा बढ़ावा, पीजी की 43 नई सीटों को मंजूरी



**गुवाहाटी (हि.स.)।** असम में चिकित्सा शिक्षा और विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूती देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) ने राज्य के लखीमपुर मेडिकल कॉलेज और डिफू मेडिकल कॉलेज में स्नातकोत्तर चिकित्सा पाठ्यक्रमों की 43 अतिरिक्त सीटों को मंजूरी दी है। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने दीपावली की पूर्व संध्या पर इसकी घोषणा करते हुए कहा कि यह स्वीकृति राज्य में चिकित्सा शिक्षा के विस्तार और मजबूत स्वास्थ्य सेवा व्यवस्था विकसित करने के सरकार के प्रयासों को नई गति प्रदान करेगी। इन 43 नई सीटों के जुड़ने के साथ ही असम में स्नातकोत्तर चिकित्सा (पीजी) की कुल सीटों की संख्या बढ़कर 839 हो गई है। इससे राज्य के युवा डॉक्टरों को विशेषज्ञ चिकित्सा प्रशिक्षण के लिए दूसरे राज्यों का रुख करने की आवश्यकता कम होगी। विशेष बात यह है कि सभी 43 नई सीटें क्लिनिकल विषयों में स्वीकृत की गई हैं। इनमें एमडी जनरल मेडिसिन, एमडी एनेस्थीसियोलॉजी, एमडी पीडियाट्रिक्स, एमडी पैथोलॉजी, एमडी रेडियो डायग्नोसिस, एमएस जनरल सर्जरी तथा एमएस ऑब्स्टेट्रिक्स एंड -शेष पृष्ठ दो पर

## प्रणब दोले को बड़ी राहत हाईकोर्ट ने एनएसए के तहत रद्द की हिरासत

**गुवाहाटी।** असम में आदिवासी अधिकारों के लिए आवाज उठाने वाले कार्यकर्ता प्रणब दोले को गौहाटी हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। अदालत ने राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत उनकी हिरासत को रद्द कर दिया है। इसके साथ ही इस कानून के तहत तीन महीने से अधिक समय से जेल में बंद दोले की रिहाई का रास्ता साफ हो गया है। अदालत ने हिरासत को रद्द करने के पीछे कुछ कानूनी आधार बताए हैं। उनके वकील के मुताबिक, जरूरी औपचारिकताएं -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
94350-14771

# संविधान से ऊपर कोई पार्टी नहीं...

## एससी ने केरल कांग्रेस को जारी किया अवमानना नोटिस

**नई दिल्ली।** सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के पदाधिकारियों, जिनमें अध्यक्ष और सचिव भी शामिल हैं, को नोटिस जारी कर यह पूछा है कि भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत को निशाना बनाकर किए गए सोशल मीडिया पोस्ट (जिसे अब हटा दिया गया है) के संबंध में उनके खिलाफ अवमानना की कार्यवाही क्यों शुरू नहीं की जानी चाहिए। न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और विपुल एम पंचोली की पीठ अधिवक्ता विनीत जिंदल द्वारा दायर एक रिट याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की केरल इकाई के आधिकारिक अकाउंट पर प्रकाशित एक पोस्ट के संबंध में स्वत: संज्ञान लेने की मांग की गई थी। 12 अक्तूबर 2026 को सामने आई यह पोस्ट सीजेआई सूर्य कांत को संबोधित थी, जिसमें लिखा था कि प्रिय सूर्य कांत, अगर कानून-व्यवस्था आपके अधिकार क्षेत्र में नहीं आती है, तो अभी इस्तीफा दे दें। हम आपकी जगह किसी ऐसे व्यक्ति को ले आएंगे जो इसे संभाल सके। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए, सुप्रीम कोर्ट ने संविधान की सर्वोच्चता और न्यायपालिका की स्वतंत्रता पर जोर दिया। कोर्ट ने कहा कि कोई भी व्यक्ति या राजनीतिक संगठन यह दावा नहीं कर सकता कि वह संवैधानिक ढांचे से ऊपर है। पीठ ने कहा संविधान सर्वोच्च है; कोई भी व्यक्ति या राजनीतिक संगठन इससे ऊपर नहीं है। न्यायपालिका की स्वतंत्रता राजनीतिक सुविधा का विषय नहीं है। अदालत ने आगे कहा कि हालांकि न्यायिक फैसलों की आलोचना की जा सकती है, लेकिन अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का इस्तेमाल न्यायपालिका को डराने-धमकाने या न्याय प्रक्रिया में दखल देने के लिए एक ढाल के रूप में नहीं किया जा सकता। पीठ ने कहा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, डराने-धमकाने या न्याय प्रक्रिया में दखल देने के लिए ढाल नहीं बन सकती। अदालत ने यह भी चेतावनी दी कि अदालतों के अधिकार को कमजोर करने की किसी भी कोशिश से सख्ती से निपटा जाएगा, चाहे इसमें शामिल व्यक्ति कितने भी प्रभावशाली क्यों न हों। पीठ ने कहा अदालत की ताकत कानून के शासन में होती है, न कि राजनीतिक समर्थन में। साथ ही यह भी जोड़ा कि न्यायिक संयम को संस्थागत कमजोरी नहीं समझना चाहिए। अदालत ने कहा न्यायिक संयम को कभी भी संस्थागत कमजोरी नहीं समझना चाहिए।

# अमृतसर से पश्चिम बंगाल जा रही कर्मभूमि एक्सप्रेस के चार कोच में लगी आग



**चंडीगढ़ (हि.स.)।** पंजाब के अमृतसर से पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी जा रही कर्मभूमि एक्सप्रेस के चार कोच में शुक्रवार को आग लग गई। गाड़ी को आपात स्थिति में पटियाला जिले के राजपुरा रेलवे स्टेशन पर रोका गया। आग लगने से यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। इसके चलते रेलवे ने 8 ट्रेनों के रूट डायवर्ट किए हैं। रेलवे के अनुसार ट्रेन नंबर 12508 कर्मभूमि एक्सप्रेस के चार जनरल कोच में आग लगने की सूचना मिली। ट्रेन दोपहर 12:58 बजे फतेहगढ़ साहिब के साधूगढ़ रेलवे स्टेशन से निकली थी। इसके कुछ देर बाद इंजन से पांचवें कोच नंबर 265287 जीएस तक आग लगने की जानकारी मिली। ट्रेन के इंजन से पांचवें कोच तक आग फैलने की सूचना मिलते ही रेलवे प्रशासन, दमकल विभाग और राहत टीमों ने मौके पर पहुंचकर यात्रियों को सकुशल निकाला और स्थिति को काबू किया। रेलवे ने इस घटना की जांच शुरू कर दी है। शुरुआती तौर पर शॉर्ट सर्किट से आग लगने का अंदेशा जताया जा रहा है। कर्मभूमि एक्सप्रेस में आग लगने की घटना के बाद रेल यातायात प्रभावित हुआ है। इसके चलते रेलवे ने 8 ट्रेनों के रूट डायवर्ट किए हैं। अंबाला मंडल की ओर से जारी डायवर्जन प्लान के अनुसार डाउन दिशा की 5 और अप दिशा की 3 ट्रेनों को वैकल्पिक मार्ग से चलाया गया। अंबाला रेलवे मंडल के पीआरओ नीरज ने बताया कि अमृतसर से बंगाल जा रही कर्मभूमि एक्सप्रेस में आग लगने की सूचना के बाद अंबाला रेलवे मंडल की मेडिकल टीम घटनास्थल पर पहुंची है।

## झारखंड में भीषण सड़क हादसा, सात की मौत, एक घायल

**खूंटी (हि.स.)।** कर्रा थाना क्षेत्र के कर्रा-तोरपा मुख्य मार्ग पर जोने-लुदरू मोड़ के समीप गुरुवार देर रात भीषण सड़क हादसा हुआ। हादसे में सात लोगों की मौत होने की सूचना है, जबकि कई अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और पूरे क्षेत्र में मातम छा गया। जानकारी के अनुसार, कर्रा रेलवे स्टेशन से तोरपा जाने वाली सड़क पर कॉलोनी के समीप तोरपा की ओर से आ रहा तेज रफ्तार अनियंत्रित 18 चक्का ट्रक (जेएच 02 एजे 1377) सड़क पर मौजूद लोगों को अपनी चपेट में लेते हुए पुलिया तोड़कर गड्ढे में जा गिरा। हादसे के बाद ट्रक चालक और खलासी मौके से फरार हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, गुरुवार रात करीब 9:30 बजे घटनास्थल के पास एक स्कूटी दुर्घटनाग्रस्त हुई थी। उसकी आवाज सुनकर जोने-लुदरू मोड़ के समीप कॉलोनी के कुछ लोग दुर्घटना देखने के लिए सड़क पर पहुंचे थे। इसी दौरान तोरपा की ओर से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने सड़क पर मौजूद लोगों को रौंद दिया। घटना की सूचना मिलते ही कर्रा थाना प्रभारी राजू कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। सीएचसी कर्रा के स्वास्थ्यकर्मी भी घटनास्थल पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। वहीं, हादसे की जानकारी मिलने पर तोरपा थाना प्रभारी मनीष कुमार भी घटनास्थल पहुंचे और घायलों को अस्पताल पहुंचाने में सहयोग किया। उन्होंने सात लोगों की मौत की पुष्टि की है। जबकि एक घायल है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में कर रही है।

## गुवाहाटी में 148 ग्राम संदिग्ध हेरोइन के साथ तीन गिरफ्तार

**गुवाहाटी (हिंस)।** गुवाहाटी के अहोमगांव इलाके में पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ अभियान चलाकर तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। गरचुक थाना पुलिस और पश्चिम गुवाहाटी पुलिस जिला (डब्ल्यूजीपीडी) की एसओजी टीम ने विश्वसनीय सूचना के आधार पर संयुक्त अभियान चलाकर तीनों को पकड़ा। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान मणिपुर के काकचिंग जिले के थौबल थाना क्षेत्र के सोरा निवासी हिम्मत खान (30), मणिपुर के बिष्णुपुर जिले के मोइरांग थाना क्षेत्र के क्राकता निवासी मोहम्मद अचौबा (35) और कामरूप जिले के हाजो थाना क्षेत्र के मुस्लिमपट्टी निवासी मन्नान अहमद (32) के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से संदिग्ध हेरोइन से भरे चार साबुनदानी बरामद किए। इनका कुल वजन पैकिंग सामग्री सहित 166.05 ग्राम और साबुनदानी को छोड़कर पैकिंग सामग्री सहित 148 ग्राम पाया गया। इसके अलावा, पुलिस ने क्षतिग्रस्त अगले हिस्से वाली सफेद रंग की एक ऑल्टो 800 कार (एएस-01-एचसी-2899) और चार मोबाइल फोन भी जब्त किए हैं।

## मसौदा मतदाता सूची में नाम नहीं होने पर दिल्ली समेत सात राज्यों को फिर से एक मौका

**नई दिल्ली (हि.स.)।** चुनाव आयोग दिल्ली, महाराष्ट्र, हरियाणा, आंध्र प्रदेश, झारखंड, तेलंगाना और नगालैंड में मसौदा मतदाता सूची में शामिल नहीं होने वाले मतदाताओं को एक बार फिर अपना नाम अंतिम मतदाता सूची में शामिल करने का अवसर प्रदान कर रहा है। इस संबंध में चुनाव आयोग की ओर से इन राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को पत्र लिखा गया है। इसमें कहा गया है कि अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत और दो जगह पर सूचीबद्ध होने के चलते जिन मतदाताओं का नाम काटा है उन्हें फिर से नाम जुड़वाने का अवसर मिलेगा। आयोग ने कहा है कि संबंधित बूथ स्तर के अधिकारी बूथ स्तर के राजनीतिक दलों के एजेंट के साथ मिलकर एक बार फिर छूटे मतदाताओं को फिर से शामिल करने के लिए प्रयास करेंगे। आयोग ने कहा है कि छूट गए मतदाताओं को दोबारा ईआरओ डैशबोर्ड पर उनके गणना प्रपत्र उपलब्ध कराए जाएंगे। बीएलओ भी घर-घर जाकर संपर्क करेंगे। मतदाता ईसीआईनेट वेबसाइट और ऐप से भी प्रपत्र डाउनलोड और जमा कर सकेंगे। पता नहीं बदलने पर कारण बताते हुए घोषणा पत्र देना होगा। वहीं राज्य के भीतर पता बदलने पर नए पते का प्रमाण और घोषणा पत्र देना होगा। फॉर्म-8 जरूरी नहीं होगा। स्वीकृत आवेदनों को अंतिम मतदाता सूची में शामिल किया जाएगा और पुराना ईपीआईसी नंबर बहाल होगा। पहले से फॉर्म-6 जमा करने वालों को दोबारा आवेदन नहीं करना होगा।

## सीएसआर के क्षेत्र में बंगाईगांव रिफाइनरी को मिला उत्कृष्टत सम्मान

**बंगाईगांव (हिंस)।** इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड की बंगाईगांव रिफाइनरी ने कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) के क्षेत्र में अपनी उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए वित्त वर्ष 2025-26 का प्रतिष्ठित सीएसआर उत्कृष्टता पुरस्कार प्राप्त कर एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि अपने नाम की है। रिफाइनरी प्रभाग के अंतर्गत प्रदान किया गया यह सम्मान बंगाईगांव रिफाइनरी द्वारा सामाजिक विकास, जनकल्याण और सामुदायिक सशक्तीकरण के क्षेत्र में किए जा रहे उल्लेखनीय कार्यों की पहचान है। रिफाइनरी की ओर से आज बताया गया है कि बंगाईगांव रिफाइनरी अपने परिचालन क्षेत्र के आसपास के समुदायों के जीवन स्तर में सुधार लाने के उद्देश्य से निरंतर विभिन्न सीएसआर गतिविधियों का संचालन कर रही है। विशेष रूप से बंगाईगांव, चिरांग और कोकराझाड़ जिलों में स्वास्थ्य, शिक्षा, ग्रामीण विकास, स्वच्छता, आधारभूत सुविधाओं तथा जनकल्याण से जुड़ी अनेक पहलें की गई हैं। रिफाइनरी की सीएसआर गतिविधियों का प्रमुख उद्देश्य समाज के जरूरतमंद और वंचित वर्गों तक विकास का लाभ पहुंचाना तथा स्थानीय समुदायों को बेहतर अवसर एवं सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

# राहुल गांधी की वोट बचाओ यात्रा नहीं घुसपैठिया बचाओ यात्रा है : अमित शाह

**देहरादून (हि.स.)।** उत्तराखंड राज्य स्थापना की 26वीं वर्षगांठ पर शुक्रवार को देहरादून के परेड ग्राउंड में आयोजित राज्योत्सव समारोह में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की *वोट बचाओ यात्रा* को *घुसपैठिया बचाओ यात्रा* करार दिया। उन्होंने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के जरिए घुसपैठियों को बाहर करने का काम किया जा रहा है, जबकि राहुल गांधी यात्रा निकालकर इसका विरोध कर रहे हैं। देश में घुसपैठ किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। शाह ने कांग्रेस पर तुष्टीकरण की राजनीति करने, शुक्रवार की नमाज के लिए छुट्टी का प्रस्ताव लाने और राम मंदिर निर्माण का विरोध करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा के लिए 65 पार का लक्ष्य निर्धारित करते हुए कहा कि पार्टी उत्तराखंड में लगातार तीसरी बार सरकार बनाएगी। शाह ने कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए कहा कि उसने उत्तराखंड राज्य के गठन को रोकने का काम किया, जबकि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने नौ नवंबर, 2000 को अलग राज्य बनाकर वर्षों पुराने सपने को साकार किया। उन्होंने कहा कि अटल जी ने उत्तराखंड बनाया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इसे संवारने का काम किया है। उत्तराखंड केवल एक राज्य नहीं, बल्कि देश की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक चेतना का प्रमुख केंद्र है। बाबा केदारनाथ, बदरी विशाल, मां गंगा और यमुना के उद्गम स्थल, हेमकुंड साहिब और हरिद्वार जैसे पवित्र तीर्थ इस देवभूमि को विशिष्ट पहचान देते हैं। उन्होंने कहा कि पूरा देश मोक्ष की कामना लेकर देवभूमि की ओर आता है और वह इस पवित्र भूमि को बार-बार प्रणाम करते हैं। गृह मंत्री ने राज्य निर्माण आंदोलन के दौरान रामपुर तिराहा सहित विभिन्न स्थानों पर संघर्ष करने वाले आंदोलनकारियों के साथ ही माधो सिंह भंडारी, तीलू रौतेली, गबर सिंह नेगी, दरबान सिंह नेगी और जनरल बिपिन रावत सहित अनेक विभूतियों को याद कर श्रद्धांजलि भी अर्पित की। शाह ने राज्योत्सव को गौरव, सिद्धि और संकल्प का अवसर बताते हुए कहा कि उत्तराखंड की देवभूमि और राज्य निर्माण का गौरव सभी को महसूस करना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री धामी के नेतृत्व में विकास की दिशा में हासिल उपलब्धियां सिद्धि हैं। अब संकल्प है कि वर्ष 2045 तक विकसित भारत के निर्माण की यात्रा में उत्तराखंड देश का सबसे पहले विकसित होने वाला राज्य बने। गृह मंत्री ने कहा कि वर्ष 2022 से अब तक उत्तराखंड के सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) में 50 प्रतिशत वृद्धि हुई है और प्रति व्यक्ति आय में 40 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। उन्होंने कहा कि राज्य के आर्थिक विकास के साथ आम नागरिक की समृद्धि भी सरकार का लक्ष्य है। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि उत्तराखंड देश का पहला राज्य है जिसने समान नागरिक संहिता यूसीसी को लागू किया। उन्होंने कहा कि राज्य में लागू यूसीसी के माध्यम से विवाह और तलाक से जुड़े मामलों में समान कानूनी व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। उन्होंने दावा किया कि उत्तराखंड के उदाहरण के बाद देश के 15 राज्य यूसीसी लागू करने की दिशा में आगे बढ़े हैं और भाजपा सभी राज्यों में इसे लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है।

## पृष्ठ एक का शेष

### धनतेरस पर सोना-चांदी ...

दुकान पर फाइनल बिल में जीएसटी + मेकिंग चार्ज जुड़कर भाव थोड़ा ज्यादा होगा। धनतेरस के दिन ही वायदा बाजार एमसीएक्स पर सोना करीब 2,054 रुपए टूटकर 1,42,061 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गया, जबकि चांदी 3,106 रुपए टूटकर 1,84,035 रुपए प्रति किलो पर आ गई। इसी गिरावट का फायदा उठाने के लिए लोग सुबह से ही ज्वैलर्स की दुकानों पर पहुंच गए। आज खरीदारी करने आई एक महिला ने बताया कि पिछले हफ्ते दाम बहुत ज्यादा थे, आज धनतेरस पर थोड़ा सस्ता हुआ तो सोचा एक छोटा सिक्का ले ही लें। शुभ मुहूर्त भी है। इस बार लोगों ने भारी गहनों की जगह 1 ग्राम, 2 ग्राम, 5 ग्राम के सोने के सिक्के और चांदी के बर्तन ज्यादा लिए हैं। बजट में खरीदारी हो रही है।

### मुख्यमंत्री के परिवार ...

के बजाय मामले के गवाहों से सवाल करें। शर्मा ने इस मामले में पहले जमानत पा चुके आरोपियों का भी जिक्र किया। गौहाटी हाईकोर्ट ने 9 अक्तूबर को गायिका अमृतप्रभा महंत को 50 हजार रुपये के मुचलके और इतनी ही रकम की दो जमानतदारियों पर जमानत दी थी। अदालत ने संदीपन गर्ग को भी जमानत दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अमृतप्रभा की जमानत के आदेश में उल्लेख है कि सुनवाई के दौरान 160 गवाहों ने उनका नाम नहीं लिया, जबकि विशेष जांच दल की जांच के दौरान उनके नाम का जिक्र किया गया था। शर्मा ने कहा कि इस अंतर को लेकर सवाल गवाहों से पूछे जाने चाहिए, न कि मुख्यमंत्री से। गायक जुबीन गर्ग की 19 सितंबर 2025 को सिंगापुर में समुद्र में तैरते समय मौत हो गई थी। वह नॉर्थ ईस्ट इंडिया फेस्टिवल के चौथे संस्करण में शामिल होने सिंगापुर गए थे। सिंगापुर पुलिस ने कहा था कि उनकी मौत में किसी तरह की साजिश नहीं थी। हालांकि, असम में इस मामले की जांच जारी है। मामले में नॉर्थ ईस्ट इंडिया फेस्टिवल के मुख्य आयोजक श्यामकानु महंत, गायक के मैनेजर सिद्धार्थ शर्मा, अमृतप्रभा महंत, शेखर ज्योति गोस्वामी, उनके चचेरे भाई और निलंबित पुलिस उपाधीक्षक संदीपन गर्ग तथा निजी सुरक्षा अधिकारी नंदेश्वर बोरा और प्रबीन बैश्य आरोपी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्यामकानु और सिद्धार्थ की जमानत याचिकाओं पर 30 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट सुनवाई करेगा।

### जुबीन गर्ग मौत मामले ...

गई जमानत का भी जिक्र किया, जिसका आदेश जस्टिस प्रांजल दास ने दिया था। उन्होंने गवाहों के बयानों की व्याख्या पर सवाल उठाए और कहा कि न्यायिक कार्यवाही के दौरान पेश किए गए सबूतों की बारीकी से जांच होनी चाहिए। डॉ. शर्मा ने इस बात पर भी जोर दिया कि कुछ गवाहों ने मीडिया इंटरव्यू में जो कहा और अदालत की कार्यवाही के दौरान जो बयान दिए, उनमें साफ तौर पर अंतर है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक रूप से दिए गए बयानों और अदालत में दर्ज कराए गए बयानों की अलग-अलग जांच होनी चाहिए। इस मामले में गवाहों की बड़ी संख्या का जिक्र करते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि कई गवाहों को अभी अदालत के सामने गवाही देनी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि उन्हें बिना किसी दबाव के गवाही देने का मौका मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार गवाहों पर दबाव नहीं डाल सकती। साथ ही, उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि इस मामले की रिपोर्टिंग करते समय असम की भावनाओं और मूल्यों को समझना जरूरी है। उन्होंने एक ऐसे गवाह का भी जिक्र किया, जिसने एक विरोध प्रदर्शन में जुबीन गर्ग की भूमिका को लेकर बयान दिया था, जिस पर मीडिया का काफी ध्यान गया। डॉ. शर्मा ने सवाल उठाया कि इस तरह की बातों को किस तरह पेश किया जा रहा है और उनकी क्या व्याख्या की जा रही है। इस बीच, उच्चतम न्यायालय ने इस मामले में जमानत से जुड़ी कार्यवाही को 30 नवंबर तक के लिए टाल दिया है। इसमें श्यामकानु महंत और सिद्धार्थ शर्मा की जमानत याचिकाओं के साथ-साथ, गौहाटी हाई कोर्ट द्वारा अमृतप्रभा महंत और संदीपन गर्ग को दी गई जमानत के खिलाफ असम सरकार की चुनौतियां शामिल हैं। इस मामले की सुनवाई एक फास्ट-ट्रैक कोर्ट में चल रही है, जिसमें गवाहों से पूछताछ इस पूरी प्रक्रिया का एक अहम हिस्सा है।

### पीएम मोदी 29 को उषा...

केंद्रीय मंत्रियों, सांसदों और हजारीका के साथ काम कर चुके लोगों को निमंत्रण भेजा जाएगा। उन्होंने पहले ही कहा था कि इस कार्यक्रम में लगभग 5,000 लोगों के शामिल होने की उम्मीद है। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण गीतों के माध्यम से दी जाने वाली श्रद्धांजलि होगी। शर्मा ने कहा कि इस कार्यक्रम में 1,000 कलाकार और आमंत्रित कलाकार *मानुहे मानुहोर बाबे* गीत प्रस्तुत करेंगे। इस गीत का अर्थ है *इंसान के लिए इंसान,* और यह हजारीका के सबसे प्रसिद्ध गीतों में से एक है, जो उनके मानवतावादी संदेश को दर्शाता है। इस पुरस्कार में 10 लाख रुपये की नकद राशि और एक प्रशस्ति-पत्र दिया जाता है, और यह हर तीन साल में एक बार प्रदान किया जाएगा। असम सरकार ने इस साल इसे शुरू किया है, ताकि उन गायकों, संगीतकारों, रचनाकारों, निर्देशकों, अभिनेताओं और अन्य लोगों को सम्मानित किया जा सके, जो हजारिका की कलात्मक विरासत से जुड़े क्षेत्रों में असाधारण दक्षता दिखाते हैं। भारतीय संगीत में उनके योगदान और हजारिका की कृतियों के साथ उनके जुड़ाव को देखते हुए, 23 अक्तूबर को मंगेशकर को इस पुरस्कार का पहला प्राप्तकर्ता घोषित किया गया। *सुधाकंठ* और *ब्रह्मपुत्र के कवि* (बार्ड ऑफ द ब्रह्मपुत्र) के रूप में जाने जाने वाले हजारिका का जन्म 8 सितंबर, 1926 को असम के तिनसुकिया जिले के सादिया में हुआ था। वे एक गायक, संगीतकार, गीतकार और फिल्म निर्माता थे, जिनके संगीत, कविताओं और मानवतावादी दर्शन ने पूर्वोत्तर की संस्कृति को भारत के बाकी हिस्सों और उसके बाहर तक पहुंचाया। 5 नवंबर, 2011 को 85 वर्ष की आयु में मुंबई में उनका निधन हो गया और उन्हें मरणोपरांत *भारत रत्न* से सम्मानित किया गया।

### असम सरकार ने लॉन्च...

अनुसार, पंजीकरण प्रक्रिया के हिस्से के रूप में आवेदकों का पृष्ठभूमि सत्यापन किया जाएगा। इस समापन समारोह का आयोजन भारत सरकार और असम सरकार द्वारा संयुक्त रूप से किया जाएगा, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। समारोह के दौरान, प्रसिद्ध गायिका उषा मंगेशकर को *डॉ. भूपेन हजारिका पुरस्कार* से सम्मानित किया जाएगा। इस कार्यक्रम में श्रेया घोषाल, शंकर महादेवन, अंगराग पापोन महंत, कविता कृष्णमूर्ति, एल. सुब्रमण्यम और महालक्ष्मी अय्यर सहित कई जाने-माने कलाकार अपनी प्रस्तुतियां देंगे। इसके अलावा, असम के प्रमुख कलाकार भी इसमें हिस्सा लेंगे, जिनमें तराली शर्मा, मौसुमी सहारिया, आनंदिता पॉल, जुबली बरुवा, नाहिद आफरीन, शंकुराज कोंवर, रूपम भुइयां, दिक्शु शर्मा, डावर हजारिका, मयूर हजारिका और अचूर्य बोरपात्रा शामिल हैं। एक अन्य महत्वपूर्ण पहल के तहत, असम सरकार राज्य के लगभग 1,000 छात्रों की भागीदारी सुनिश्चित करेगी। नई दिल्ली में होने वाले इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए, असम के विभिन्न कॉलेजों से सांस्कृतिक गतिविधियों में रुचि रखने वाले छात्रों का चयन किया जाएगा। 29 नवंबर को होने वाला यह समारोह, डॉ. भूपेन हजारिका और संगीत, संस्कृति तथा समाज में उनके अमूल्य योगदान के सम्मान में आयोजित शताब्दी समारोहों का समापन कार्यक्रम होगा।

### डिब्रूगढ़ में ऑयल के ...

जिसमें लगभग पांच लोग घायल हो गए। उन्हें यहां असम मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल लाया गया है। मुझे किसी की मौत के बारे में कोई जानकारी नहीं है। बाद में एक बयान में फुकन ने बताया कि यह घटना मशीनों के रूटीन मेंटेनेंस के दौरान हुई, जिनकी सर्विसिंग हर महीने या हर तिमाही (तीन महीने में) की जाती थी। उन्होंने कहा कि आज एक नियमित काम चल रहा था, जो हमें करना ही होता है। वहां एक मशीन थी जिसकी सर्विसिंग हर महीने या हर तिमाही की जाती है। उसी दौरान यह हादसा हो गया। पांच लोग असम मेडिकल कॉलेज में हैं, एक व्यक्ति ऑयल मेडिकल कॉलेज में है और एक व्यक्ति अभी तक नहीं मिला है। हमारी विशेष टीम उसे खोजने के लिए काम कर रही है। घायल कर्मचारियों की पहचान मिलन नगर, डिब्रूगढ़ के रहने वाले तापस गोगोई (40) और तेंगाखत के रहने वाले शैलेन गोगोई (45), कुमुद गोगोई (38), गोलाप दत्ता (58) तथा इंद्र गोगोई (40) के रूप में हुई है। पांच घायल कर्मचारियों को एएमसीएच में भर्ती कराया गया, जबकि एक अन्य व्यक्ति को इलाज के लिए ऑयल इंडिया अस्पताल ले जाया गया। विस्फोट के बाद एक कर्मचारी लापता है। शुरुआती जानकारी के अनुसार, धमाके की तीव्रता के कारण वह दूर जा गिरा था। उसे खोजने के प्रयास जारी हैं। बताया जा रहा है कि ये घायल कर्मचारी मुंबई की स्पेक्ट्रॉन इंजीनियर्स प्राइवेट लिमिटेड के हैं। इस कंपनी को ऑयल इंडिया लिमिटेड ने वहां काम करने के लिए नियुक्त किया था। आग और विस्फोट के सटीक कारणों और इससे प्रभावित लोगों की कुल संख्या की अभी तक आधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं हुई है।

### राष्ट्र निर्माण की गतिविधियों ...

साहसिक गतिविधियों के अलावा अभियान के दौरान सामाजिक सेवा, स्वच्छता, नशा विरोधी जागरूकता तथा वीर लाचित बरफुकन की विरासत को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया गया। इस अभियान ने कैडेटों में अनुशासन, सामूहिक कार्य और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को भी प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वीर लाचित बरफुकन के साहस और वीरता से प्रेरित होकर 48वीं और 49वीं असम नौसेना इकाइयों के कैडेटों ने सफलतापूर्वक अभियान पूरा किया है। उन्होंने कैडेटों के साहस और दृढ़ संकल्प की सराहना करते हुए कहा कि विद्यार्थियों को राष्ट्र निर्माण की गतिविधियों से जोड़ने में एनसीसी की भूमिका सराहनीय है। मुख्यमंत्री ने असम के विद्यार्थियों को राष्ट्र निर्माण से जुड़ी गतिविधियों में शामिल करने के लिए एनसीसी के पूर्वोत्तर क्षेत्र निदेशालय के प्रयासों की भी प्रशंसा की। समारोह में एनसीसी के पूर्वोत्तर क्षेत्र निदेशालय के अतिरिक्त महानिदेशक मेजर जनरल अनुराग विज, असम सरकार के अतिरिक्त मुख्य सचिव बी. कल्याण चक्रवर्ती तथा एनसीसी के कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

### असम में मेडिकल शिक्षा ...

गायनेकोलॉजी शामिल हैं। इससे विभिन्न चिकित्सा क्षेत्रों में विशेषज्ञ डॉक्टरों की उपलब्धता बढ़ने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पीजी चिकित्सा शिक्षा का विस्तार असम को पूर्वोत्तर में गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा शिक्षा और उन्नत स्वास्थ्य सेवाओं का प्रमुख केंद्र बनाने की सरकार की व्यापक परिकल्पना का महत्वपूर्ण हिस्सा है। राज्य में ही विशेषज्ञ प्रशिक्षण के अधिक अवसर उपलब्ध होने से युवा चिकित्सकों को लाभ मिलेगा और स्वास्थ्य सेवाओं के लिए योग्य विशेषज्ञों की संख्या भी बढ़ेगी। डॉ. शर्मा ने कहा कि सरकार चिकित्सा शिक्षा के बुनियादी ढांचे के विस्तार, संस्थागत क्षमता बढ़ाने तथा स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और पहुंच में सुधार के लिए लगातार प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य विश्वस्तरीय चिकित्सा शिक्षा का अनुकूल वातावरण तैयार करना और राज्य के लोगों को अपने घर के नजदीक गुणवत्तापूर्ण एवं विशेषज्ञ चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराना है। उल्लेखनीय है कि देश की आजादी के बाद शुरुआती पांच दशकों में असम में केवल तीन मेडिकल कॉलेज स्थापित किए गए थे। वर्ष 2000 से 2020 के बीच पांच नए मेडिकल कॉलेजों की स्थापना के बाद इनकी संख्या आठ हो गई। इसके बाद वर्ष 2021 से 2025 के बीच केवल पांच वर्षों में राज्य सरकार ने छह नए मेडिकल कॉलेज जनता को समर्पित किए। वर्ष 2023 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुवाहाटी के चांगसारी में पूर्वोत्तर के पहले अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) का उद्घाटन किया था। इसी अवधि में केंद्र सरकार ने गुवाहाटी में ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल का भी निर्माण कर उसे जनता के लिए खोल दिया। बंगाईगांव मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के उद्घाटन के साथ ही असम में मेडिकल कॉलेजों की संख्या बढ़कर 17 हो गई है। इसके अतिरिक्त राज्य में नौ अन्य मेडिकल कॉलेजों का निर्माण कार्य जारी है। बाजाली, हैलाकांडी और माजुली में भी मेडिकल कॉलेज स्थापित करने का निर्णय लिया गया है। सरकार का लक्ष्य राज्य के प्रत्येक जिले में एक मेडिकल कॉलेज स्थापित करना है। मेडिकल कॉलेजों की संख्या बढ़ने से राज्य में एमबीबीएस सीटों की कुल संख्या भी 2,000 से अधिक हो गई है। निर्माणाधीन सभी मेडिकल कॉलेजों के पूरा होने के बाद एमबीबीएस सीटों की संख्या 3,000 से अधिक होने की उम्मीद है। राज्य सरकार ने चिकित्सा शिक्षा के विस्तार के साथ सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत करने में भी उल्लेखनीय प्रगति की है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, असम में मातृ मृत्यु दर वर्ष 2018-19 के 195 से घटकर 2021-23 में 110 रह गई है। इसी तरह शिशु मृत्यु दर वर्ष 2020 के 36 से घटकर 2023 में 30 हो गई है। वर्तमान में संस्थागत प्रसव की दर 98 प्रतिशत से अधिक तथा बच्चों के टीकाकरण की दर 95 प्रतिशत से अधिक है।

### प्रणब दोले को बड़ी...

पूरी होने के बाद दोले को शुक्रवार को ही रिहा किया जा सकता है। न्यायमूर्ति कल्याण राय सुराना और न्यायमूर्ति सुस्मिता फूकन खाउंद की खंडपीठ ने शुक्रवार को यह फैसला सुनाया। दोले के वकील शांतनु बोर्थाकुर ने बताया कि मामले की सुनवाई पहले ही पूरी हो चुकी थी और अदालत ने शुक्रवार को अपना फैसला सुनाया। उन्होंने कहा कि अदालत ने हिरासत रद्द करने के कुछ आधार बताए हैं, लेकिन पूरे आदेश की प्रति मिलने के बाद ही उनकी विस्तृत जानकारी सामने आएगी। वकील के अनुसार, अदालत ने माना कि दोले के खिलाफ लगाए गए आरोप तत्काल या हाल की घटनाओं से जुड़े नहीं थे। साथ ही, हिरासत में लेने के लिए जिन दस्तावेजों और सामग्री पर भरोसा किया गया, वे उन्हें उपलब्ध नहीं कराए गए। दोले के वकील के मुताबिक, अदालत ने हिरासत के दौरान उनके संवैधानिक अधिकारों के उल्लंघन को भी अहम माना। हिरासत में लिए गए व्यक्ति को उसके खिलाफ इस्तेमाल की गई सामग्री की जानकारी देना जरूरी है, ताकि वह अपना पक्ष रख सके। लेकिन दोले को संबंधित सामग्री उपलब्ध नहीं कराई गई थी। इसके अलावा, उनकी ओर से दी गई अपील या प्रतिनिधित्व पर भी तेजी से फैसला नहीं लिया गया। वकील ने बताया कि इन बातों को हिरासत रद्द करने के आधारों में शामिल किया गया है। हालांकि, अदालत के पूरे आदेश के बाद ही सभी कारण स्पष्ट होंगे। दोले को 13 जुलाई को गुवाहाटी में गिरफ्तार किया गया था। यह मामला काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान के पास प्रस्तावित पांच सितारा होटल के खिलाफ हुए विरोध-प्रदर्शनों से जुड़ा था। उन्हें गोलाघाट जिला जेल में रखा गया

## असम की ऐतिहासिक और पुरातात्विक विरासत के संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी : विश्वजीत दैमारी

**नलबाड़ी ( हिंस )।** असम के स्वदेशी एवं जनजातीय आस्था एवं संस्कृति तथा हथकरघा, वस्त्र एवं रेशम उत्पादन मंत्री विश्वजीत दैमारी ने शुक्रवार को राज्य की समृद्ध ऐतिहासिक और पुरातात्विक विरासत के संरक्षण के लिए सरकार, शैक्षणिक संस्थानों और स्थानीय समुदायों से सामूहिक प्रयास करने का आह्वान किया। दैमारी नलबाड़ी जिले के नमती स्थित कुमार भास्कर वर्मा संस्कृत एवं प्राचीन अध्ययन विश्वविद्यालय (केबीवीएसएएसयू) में आयोजित राज्य स्तरीय विरासत जागरूकता कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। अपने संबोधन में मंत्री ने असम की ऐतिहासिक विरासत और सभ्यतागत जड़ों को संरक्षित करने के महत्व पर जोर दिया।



उन्होंने कहा कि विरासत संरक्षण का दायरा केवल ऐतिहासिक स्मारकों की सुरक्षा तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि इसे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी के रूप में विकसित किया जाना चाहिए। उन्होंने युवा पीढ़ी से असम के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व को गहराई से समझने तथा भावी पीढ़ियों के लिए इस विरासत को संरक्षित करने में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की। इस कार्यक्रम का संयुक्त आयोजन असम सरकार के स्वदेशी एवं जनजातीय आस्था एवं संस्कृति विभाग के अधीन पुरातत्व निदेशालय तथा कुमार भास्कर वर्मा संस्कृत एवं प्राचीन अध्ययन विश्वविद्यालय ने किया। इसका उद्देश्य राज्य की समृद्ध पुरातात्विक विरासत के संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना और आम लोगों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना था। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इसके बाद पुरातत्व निदेशालय, असम के प्रभारी निदेशक डॉ. नवजीत देउरी ने स्वागत भाषण दिया। इस अवसर पर बरखेत्री के विधायक नारायण डेका, नलबाड़ी के जिला आयुक्त निवेदन दास पटवारी, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. प्रह्लाद आर जोशी, कुलसचिव डॉ. मनोज कुमार शर्मा और नलबाड़ी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. कमल नयन पटवारी सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

## असम में व्यापक और मरीज-केंद्रित कैंसर देखभाल व्यवस्था विकसित करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री

**गुवाहाटी ( हिंस )।** असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को राज्य में व्यापक और मरीज-केंद्रित कैंसर देखभाल व्यवस्था विकसित करने के प्रति राज्य सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के माध्यम से कहा कि कैंसर के उपचार के लिए आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं के साथ-साथ मरीजों को भावनात्मक सहयोग और समग्र देखभाल उपलब्ध कराना भी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार कैंसर मरीजों के उपचार और देखभाल के लिए एक ऐसी व्यवस्था विकसित करने की दिशा में काम कर रही है, जिसमें उन्नत चिकित्सा सुविधाओं, संवेदनशील मरीज सहायता और उनके समग्र स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने राज्यभर में कैंसर देखभाल सेवाओं को मजबूत बनाने और मरीजों को व्यापक उपचार एवं सहयोग उपलब्ध कराने के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

## असम के प्राकृतिक जलाशयों में मखाना की खेती को मिलेगा बढ़ावा, 30 हजार हेक्टेयर का लक्ष्य निर्धारित

**गुवाहाटी ( हिंस )।** असम सरकार राज्य के प्राकृतिक जलाशयों और बीलों में मखाना (फॉक्स नट) की खेती को बढ़ावा देने के लिए पायलट परियोजना शुरू करने जा रही है। कृषि मंत्री पीयूष हजारिका ने शुक्रवार को इसकी घोषणा करते हुए कहा कि कृषि विभाग ने राज्य में 30 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में मखाना की खेती का लक्ष्य निर्धारित किया है। गुवाहाटी स्थित असम प्रशासनिक कर्मचारी महाविद्यालय (एएएसकी) में मत्स्य विभाग के सहयोग से आयोजित प्राकृतिक जलाशयों के पट्टाधारकों की उच्चस्तरीय संयुक्त बैठक की अध्यक्षता करते हुए मंत्री ने यह घोषणा की। हजारिका ने बताया कि राज्य के सात से आठ बीलों में पहले से ही मखाना की खेती की जा रही है। अब इस पहल को अन्य जलाशयों तक विस्तारित करने की योजना है, ताकि पारंपरिक मछुआरा समुदायों की आय में वृद्धि हो सके। प्रारंभिक चरण में असम मत्स्य विकास निगम लिमिटेड (एएफडीसी) के अधीन संचालित 186 मत्स्य जलाशयों में से 30 प्रतिशत में मखाना की प्रायोगिक खेती की जाएगी। उन्होंने जलाशयों से जलकुंभी हटाने पर जोर देते हुए कहा कि मछली उत्पादन और मखाना की खेती, दोनों के लिए जलाशयों का स्वच्छ रहना



आवश्यक है। उन्होंने कहा कि राज्य के प्राकृतिक जलाशयों के संरक्षण और सुरक्षा की जिम्मेदारी जल संसाधन विभाग को भी सौंपी गई है। मंत्री ने मखाना की खेती की आर्थिक संभावनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि 25 बीघा के एक बील से मखाना उत्पादन के जरिए सालाना 25 लाख रुपये तक की आय अर्जित की जा सकती है। उन्होंने इस पहल में रुचि रखने वाले किसानों और मछुआरा समुदायों को सरकार की ओर से पूरा सहयोग तथा विशेष प्रशिक्षण उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। हजारिका ने कहा कि मखाना एक उभरता हुआ वैश्विक सुपरफूड है और पश्चिमी देशों के बाजारों में इसकी मांग तेजी से बढ़ रही है। उन्होंने किसानों की आय को टिकाऊ बनाने के लिए कृषि गतिविधियों में विविधता लाने की आवश्यकता पर भी बल दिया।

## 13 से 15 नवंबर तक आयोजित होगा चौथा प्रागज्योतिषपुर साहित्य महोत्सव

**गुवाहाटी ( हिंस )।** चौथा प्रागज्योतिषपुर साहित्य महोत्सव आगामी 13 से 15 नवंबर तक गौहाटी विश्वविद्यालय परिसर स्थित फणीधर दत्त सभागार में आयोजित किया जाएगा। शंकरदेव शिक्षा एवं अनुसंधान न्यास की ओर से आयोजित इस तीन दिवसीय साहित्य महोत्सव में मुख्य व्याख्यान, परिचर्चा सत्र, कार्यशाला, पुस्तक मेला और बहुभाषी कवि सम्मेलन सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। महोत्सव के सचिव विक्रम कलिता ने बताया कि पहले दिन गौहाटी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर ननी गोपाल महंत मुख्य विषय पर व्याख्यान देंगे। उद्घाटन सत्र में प्रागज्योतिषपुर विश्वविद्यालय के आचार्य एवं सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल राणा प्रताप कलिता स्वागत भाषण देंगे। इस अवसर पर डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय की सेवानिवृत्त प्रोफेसर एवं प्रख्यात साहित्यकार करबी डेका हजारिका मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी। उद्घाटन और समापन सत्र के अलावा समाज, इतिहास, पर्यावरण, साहित्य और सिनेमा सहित विभिन्न विषयों पर छह परिचर्चा सत्र आयोजित किए जाएंगे।

## कोकराझाड़ में कमतापुर स्टेट डिमांड काउंसिल की 15 नवंबर को जनसभा

**कोकराझाड़ ( हिंस )।** अलग कमतापुर राज्य के पुनर्गठन, कोच-राजवंशी समुदाय को अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा प्रदान करने तथा कोच-राजवंशी भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने सहित विभिन्न मांगों के समर्थन में आगामी 15 नवंबर को कोकराझाड़ में कमतापुर स्टेट डिमांड काउंसिल (केएसडीसी) की ओर से एक जनसभा आयोजित की जाएगी। इस जनसभा में एक लाख से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने का लक्ष्य रखा गया है। इस संबंध में कोकराझाड़ शहर के डिमलगांव स्थित चिलाराय भवन में आज कमतापुर स्टेट डिमांड काउंसिल तथा कोच-राजवंशी समुदाय के विभिन्न राष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधियों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में अलग कमतापुर राज्य के पुनर्गठन, कोच-राजवंशी समुदाय को जनजाति का दर्जा देने, कोच-राजवंशी भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने, केएलओ प्रमुख जीवन सिंह से संबंधित शांति समझौते की प्रक्रिया में तेजी लाने तथा उनकी शीघ्र रिहाई सहित विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में उपस्थित कोच-राजवंशी राष्ट्रीय संगठनों के नेताओं ने 15 नवंबर को कोकराझाड़ में प्रस्तावित विशाल जनसभा के आयोजन का समर्थन करते हुए समुदाय के लोगों से बड़ी संख्या में शामिल होने की अपील की। नेताओं ने स्पष्ट किया कि यदि सरकार इन मांगों पर शीघ्र ठोस एवं प्रभावी कदम नहीं उठाती है, तो आने वाले दिनों में और अधिक व्यापक एवं कड़ा आंदोलन शुरू किया जाएगा। बैठक में आगामी शीतकालीन विधानसभा सत्र के दौरान ही कोच-राजवंशी भाषा को संवैधानिक मान्यता प्रदान करने की मांग भी प्रमुखता से उठाई गई। इसके साथ ही केएलओ प्रमुख जीवन सिंह को पिछले चार वर्षों से अज्ञात स्थान पर रखे जाने के आरोपों पर गहरी नाराजगी व्यक्त की गई। नेताओं ने इस स्थिति की कड़ी निंदा करते हुए उनकी तत्काल रिहाई की मांग की। बैठक में केएसडीसी के सचिव लक्षींद्र राय, केएलओ के उप सेनाध्यक्ष धनंजय बर्मन, अखिल कोच-राजवंशी सम्मेलन के कार्यकारी अध्यक्ष रघुरंजन बेपारी, आक्रासू के केंद्रीय सचिव सोनाधर राय, अविभाजित गोवालपाड़ा जिला आक्रासू के अध्यक्ष जुगल राय तथा बीटीसी कोच-राजवंशी सम्मेलन के कार्यकारी अध्यक्ष अपूर्व बर्मन सहित विभिन्न संगठनों के कई वरिष्ठ नेता उपस्थित थे।

## बिहाली में एक ही परिवार के तीन सदस्यों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, जहरीली शराब पीने की आशंका

**बिश्वनाथ ( हिंस )।** असम के बिहाली के सेरेलिया गांव में एक ही परिवार के तीन सदस्यों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत होने से इलाके में सनसनी फैल गई है। आज मिली प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, तीनों ने कथित तौर पर चुलाई (स्थानीय रूप से तैयार देशी शराब) का सेवन किया था, जिसके बाद उनकी तबीयत बिगड़ गई। इसके बाद तीनों की मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में चिंता और शोक का माहौल है। आशंका जताई जा रही है कि जहरीली शराब के सेवन से उनकी मौत हुई होगी। हालांकि, मौत के वास्तविक कारणों की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। मृतकों की पहचान और घटना से जुड़े अन्य पहलुओं की जानकारी जुटाई जा रही है। मामले में विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा है।

## संक्रमण से होने वाली मातृ मृत्यु दर में असम में उल्लेखनीय गिरावट



**गुवाहाटी ( हिंस )।** माताओं और नवजात शिशुओं की सुरक्षा के क्षेत्र में असम ने उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है। राज्य में संक्रमण के कारण होने वाली मातृ मृत्यु का प्रतिशत जुलाई के 21 प्रतिशत से घटकर अक्तूबर में आठ प्रतिशत रह गया है। इस उपलब्धि को मान्यता देते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने असम को अन्य राज्यों के समक्ष संक्रमण रोकथाम एवं नियंत्रण का अपना मॉडल प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया है। राज्य सरकार मातृ एवं नवजात शिशुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए स्वास्थ्य सेवाओं को और मजबूत बनाने पर जोर दे रही है। स्वास्थ्य मंत्री अशोक सिंघल ने कहा कि प्रत्येक मां की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए संक्रमण की रोकथाम, बीमारियों की समय पर पहचान और प्रभावी उपचार व्यवस्था को और सुदृढ़ करने के प्रयास जारी रहेंगे। उन्होंने मातृ स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार और राज्यभर में बेहतर स्वास्थ्य परिणाम सुनिश्चित करने के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई।

## कलंग नदी में डूबे व्यक्ति का शव बरामद

**नगांव ( हिंस )।** नगांव जिले के कलंग नदी से लापता रोहा निवासी भार्गव डेका का शव बरामद किया गया है। मृतक बुधवार को कलंग नदी के ऊपर बने पूल से नदी में छलांग लगाया था। जिसके बाद से ही पुलिस और एसडीआरएफ की टीम लगातार उसकी तलाश कर रही थी। रोहा के मूलानकाटा कलंग पास समीप से शव बरामद किया गया। पुलिस शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है । पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

## एसएसबी ने बालिका शिक्षा, महिला सशक्तीकरण और अर्द्धसैनिक बलों में महिलाओं की भागीदारी को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया

**गुवाहाटी ( हिंस )।** सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की सोनापुर स्थित प्रथम वाहिनी की डी कंपनी ने शुक्रवार को मोरीगांव मजलिया विद्यालय में *बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ* और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) में महिलाओं के लिए रोजगार के अवसरों को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। प्रथम वाहिनी के कमांडेंट सुनील कौशिक के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य बाल लिंगानुपात में सुधार, बालिकाओं की सुरक्षा एवं शिक्षा को बढ़ावा देने के साथ महिला सशक्तीकरण के प्रति जागरूकता पैदा करना था। इस अवसर पर डी कंपनी, मोरीगांव के सहायक कमांडेंट एवं कंपनी कमांडर विद्या प्रकाश ने शिक्षकों और विद्यार्थियों को कार्यक्रम के उद्देश्यों तथा महत्व की जानकारी दी। उन्होंने बालिका शिक्षा, समान अधिकार, सुरक्षा और महिला सशक्तीकरण पर जोर देते हुए बाल लिंगानुपात में सुधार के लिए सामूहिक प्रयास करने की अपील की।




उन्होंने छात्राओं और युवतियों को केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों में महिलाओं के लिए उपलब्ध भर्ती अवसरों, शैक्षणिक योग्यता, पात्रता मानदंड, भर्ती प्रक्रिया और करियर की संभावनाओं के बारे में भी विस्तार से बताया। उन्होंने युवतियों को सुरक्षा बलों में शामिल होकर राष्ट्रसेवा करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में एसएसबी के सात जवानों, छह शिक्षकों और 40 विद्यार्थियों सहित कुल 53 लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का समापन बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने, महिला सशक्तीकरण और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के संदेश के साथ हुआ।

## मुख्यमंत्री ने पांडु बंदरगाह पर ब्रह्मपुत्र में छह नौकाओं को दिखाई हरी झंडी

**गुवाहाटी ( हिंस )।** असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को गुवाहाटी के पांडु बंदरगाह पर आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में ब्रह्मपुत्र नदी में छह नौकाओं को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान उन्होंने विश्वनाथ से पांडु बंदरगाह तक आयोजित एनसीसी कैडेटों के नौकायन अभियान का फ्लैग-इन भी किया। 48 असम नेवल यूनिट एनसीसी के कैडेटों ने इस अभियान में हिस्सा लेते हुए अपनी यात्रा सफलतापूर्वक पूरी की। मुख्यमंत्री ने कहा कि कैडेटों ने अहोम सेनापति लाचित बरफूकन के शौर्य और पराक्रम से प्रेरित होकर इस साहसिक अभियान में हिस्सा लिया।

## लोक भवन के अधिकारियों, कर्मचारियों और बच्चों के साथ राज्यपाल ने मनाई दीपावली



**गुवाहाटी ( हिंस )।** असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने शुक्रवार को लोक भवन में अधिकारियों, कर्मचारियों और उनके बच्चों के साथ दीपावली पूर्व समारोह मनाया। इस अवसर पर राज्यपाल ने सभी को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि रोशनी का यह त्योहार अंधकार पर प्रकाश और बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि भारत की प्राचीन सभ्यतागत परंपराओं में गहराई से जुड़ा दीपावली का पर्व हमें याद दिलाता है कि जीवन में वास्तविक प्रकाश केवल घरों में दीप जलाने से नहीं, बल्कि अपने हृदय में सत्य, करुणा, धर्मनिष्ठा और निःस्वार्थ सेवा जैसे मूल्यों को अपनाने से आता है। समारोह के तहत लोक भवन के बच्चों के लिए *लोक भवन असम के पहल-नवदीप विकसित भारत के निर्माण में* विषय के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। राज्यपाल ने प्रतियोगिताओं के विजेताओं को उनकी भागीदारी और उपलब्धियों के लिए पुरस्कार प्रदान किए। कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों और कर्मचारियों के बीच मिठाइयां भी वितरित की गईं। इससे उत्सव का माहौल और उल्लासपूर्ण हो गया। समारोह के माध्यम से दीपावली से जुड़े आपसी स्नेह, सहयोग, साझेदारी और एकजुटता के संदेश को भी प्रोत्साहित किया गया।

## गोरेश्वर राजस्व चक्र में शामिल करने के प्रस्ताव के खिलाफ रंगिया में जोरदार प्रदर्शन

**रंगिया ( विभास )।** रंगिया विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले चिराखुंदी राजस्व गांव को रंगिया राजस्व चक्र (रंगिया रेवेन्यू सर्कल) से हटाकर गोरेश्वर राजस्व चक्र में शामिल करने के प्रस्ताव के खिलाफ आज रंगिया में उग्र विरोध प्रदर्शन किया गया। पावर हाउस चौक पर हजारों की संख्या में स्थानीय लोग इकट्ठा हुए और इस प्रस्ताव को तत्काल रद्द करने की मांग उठाई। रंगिया नगरपालिका के संशोधित दायरे से वार्ड नंबर 10 को बाहर करके संबंधित क्षेत्र को बीटीआर के अधीन करने के प्रस्ताव को लेकर स्थानीय जनता में भारी आक्रोश है। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि यदि यह प्रस्ताव लागू हुआ तो वार्ड नंबर 10 की वर्तमान पहचान पूरी तरह से समाप्त हो जाएगी। विरोध



प्रदर्शन में शामिल लोगों ने मांग की कि वार्ड नंबर 10 की अपनी विशिष्ट पहचान और प्रशासनिक अधिकारों को पहले की तरह ही बरकरार रखा जाए। इसके साथ ही उन्होंने सरकार और प्रशासन से चिराखुंदी राजस्व गांव को रंगिया राजस्व चक्र के अधीन ही बनाए रखने की अपील की। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी है कि यदि यह प्रस्ताव रद्द नहीं किया गया, तो आने वाले दिनों में और अधिक व्यापक लोकतांत्रिक आंदोलन शुरू किया जाएगा। स्थानीय लोगों के इस तीखे विरोध को देखते हुए क्या प्रशासन अपने फैसले पर पुनर्विचार करेगा, इस पर अब सभी की निगाहें टिकी हुई हैं।

## जेल में बंद पीटीआईएनडीपीएस के तहत गिरफ्तार युवक की इलाज के दौरान मौत

**धुबड़ी ( विभास )।** धुबड़ी जिला जेल में बंद पीटीआईएनडीपीएस अधिनियम के तहत हिरासत में लिए गए एक व्यक्ति की धुबड़ी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में इलाज के दौरान मौत होने की जानकारी मिली है। खबरों के अनुसार बीते 3 सितंबर को दक्षिण सलमाड़ा- मनकाचार जिले के मनकाचार थाना के अंतर्गत काजिमारा नंबर दो पूरब गांव के निवासी नूर महालन इस्लाम नाम के युवक को धुबड़ी जिला जेल में रखा गया था, लेकिन बीते रात अचानक गंभीर रूप से बीमार होने के कारण उसे तुरंत धुबड़ी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान युवक का मृत्यु हो गया।

## धुबड़ी : एंटी ड्रग्स तस्कर ऑपरेशन में याबा टैबलेट समेत तस्कर गिरफ्तार



**धुबड़ी ( विभास )।** असम-पश्चिम बंगाल सीमा के पास धुबड़ी जिले के छागोलिया तीन आलि इलाके में धुबड़ी और छागोलीया पुलिस ने मिलकर इस एंटी ड्रग्स तस्कर ऑपरेशन को अंजाम दिया। पुलिस ने जब संदिग्ध ड्रग तस्करों को रुकने के लिए कहा तो वह बाइक से भागने लगे, उन्हें रोकने के लिए पुलिस ने हवा और जमीन पर गोलियां चलाई और अंत में उन्हें खदेरकर आरोपियों को धर-दबोचा। इस कार्रवाई में किसी को चोट नहीं आई है और पुलिस ने उनके पास से भारी मात्रा में नशीले दवाई (याबा टैबलेट ) और ब्राउन शुगर बरामद किया।

## रंगिया में हजारों बीघा कृषि भूमि हड़पने का गंभीर आरोप

### 169 फर्जी मुहरों के साथ भूमि दलाल की गिरफ्तारी के बाद भी विस्फोटक खुलासे जारी

**रंगिया ( विभास )।** असम के रंगिया में भूमि धोखाधड़ी के एक बड़े और चौंकाने वाले मामले ने पूरे क्षेत्र में सनसनी फैला दी है। गरीब किसानों की हजारों बीघा मूल्यवान कृषि भूमि को फर्जी दस्तावेजों और धोखाधड़ी के सहारे व्यावसायिक समूहों को सौंपे जाने का गंभीर आरोप लगा है। कामरूप और नलबाड़ी जिले की सीमा पर स्थित उदियाना-भातकुची पठाड़ की इस भूमि धोखाधड़ी की घटना ने क्षेत्र के किसानों में भारी आक्रोश और चिंता पैदा कर दी है। उल्लेखनीय है कि कुछ दिन पहले रंगिया पुलिस ने एक अभियान चलाकर 169 फर्जी मुहरों और जाली दस्तावेजों के साथ आइडुल इस्लाम नामक एक कुख्यात भूमि दलाल को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तार आरोपी के इकबालिया बयान के आधार पर पुलिस ने कुछ अन्य लोगों को भी हिरासत में लिया है, लेकिन इस धोखाधड़ी के इस जाल की जड़ें कितनी गहरी हैं, यह अब तक पूरी तरह स्पष्ट नहीं हो पाया है। इस पूरी स्थिति को लेकर आज रंगिया के सेवानिवृत्त प्राध्यापक पबिन कलिता ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की और इस भूमि घोटाले में शामिल गिरोह के खिलाफ कई गंभीर आरोप लगाए। प्राध्यापक ने अपनी ही भूमि धोखाधड़ी के जरिए बेचे जाने का आरोप लगाते हुए इस पूरी घटना की उच्चस्तरीय और निष्पक्ष जांच की मांग की है। स्थानीय जनता के मन में यह सवाल उठ रहा है कि क्या यह केवल एक-दो दलालों का व्यक्तिगत कारनामा है, या इसके पीछे कोई शक्तिशाली और सुनियोजित बड़ा गिरोह सक्रिय है? हजारों बीघा कृषि भूमि का मालिकाना हक बदलने के नाम पर चल रही इस धोखाधड़ी में क्या कोई प्रभावशाली व्यक्ति या भ्रष्ट सरकारी अधिकारी-कर्मचारी भी शामिल है? इस गंभीर स्थिति को देखते हुए आम किसानों में अपनी पुश्तैनी जमीन के दस्तावेज सुरक्षित रखने को लेकर गहरी चिंता व्याप्त हो गई है। वर्तमान में हर तरफ से यही मांग उठ रही है कि प्रशासन इस भूमि घोटाले की गहराई से जांच करे, असली दोषियों को जल्द बेनकाब करे और पीड़ित परिवारों के कानूनी अधिकारों की पूरी रक्षा करे। पुलिस की आगामी जांच में इस बड़े गिरोह के अन्य चेहरों से पर्दा उठता है या नहीं, इस पर पूरे रंगिया वासियों की निगाहें टिकी हुई हैं।

## धनतेरस के पवित्र अवसर पर विश्वनाथ के बाजारों में ग्राहकों की भारी भीड़

**विश्वनाथ चारिआलि ( विभास )।** धनतेरस के उपलक्ष्य में विश्वनाथ की सोने-चांदी की दुकानों में ग्राहकों की भारी भीड़ देखी जा रही है। मान्यता और परंपरा के अनुसार, आज के दिन गहने, सोने-चांदी के सिक्के या नए बर्तन खरीदने से घर में देवी लक्ष्मी की कृपा बनी रहती है। विश्वनाथ शहर में आज हर कोई अपने घर के लिए कोई न कोई सामान खरीदने के लिए बाहर निकला है। विश्वनाथ की ज्वेलरी दुकानों पर भी आज ग्राहकों की जबरदस्त भीड़ देखने को मिल रही है।

संपादकीय

# गिरफ्तारी में पारदर्शिता

किसी भी व्यक्ति को हिरासत में लेने और उसकी गिरफ्तारी को दर्शाने के समय को लेकर पुलिसिया कार्रवाई के बारे में अक्सर सवाल उठते रहे हैं। दरअसल, यह व्यक्ति का संवैधानिक अधिकार होने के बावजूद, इसकी अनदेखी की जाती रही है। यही वजह है कि अब इस मामले मे देश की शीर्ष अदालत को हस्तक्षेप करना पड़ा है। शीर्ष अदालत का फैसला कहता है कि किसी भी हिरासत में लिए गए व्यक्ति को मजिस्ट्रेट के सामने पेश करने की 24 घंटे की समय-सीमा, गिरफ्तारी के औपचारिक रिकॉर्ड से नहीं, बल्कि हिरासत में लिए जाने वाले पल से ही शुरू हो जाती है। सही मायने में, यह निर्णय आम भारतीय की संवैधानिक स्वतंत्रता की समयोचित पुष्टि ही है। दूसरे शब्दों में कहें तो यह फैसला एक स्पष्ट संदेश देता है कि पुलिस मौलिक अधिकारों से बचने के लिये प्रक्रियाओं में हेरफेर नहीं कर सकती है। संविधान के अनुच्छेद 22(2) के उद्देश्य से हिरासत और गिरफ्तारी के बीच किए गए बनावटी अंतर को खारिज करते हुए, सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने एक गंभीर खामी को दूर किया है। इस खामी का लाभ उठाकर ही जांच व प्रवर्तन एजेंसियां लोगों को बिना किसी त्वरित न्यायिक निगरानी के हिरासत में रख सकती थीं। दरअसल, नशीले पदार्थों से जुड़े एक मामले में हिरासत में लिए गए चार लोगों से जुड़े इस प्रकरण ने, हिरासत में लेने और औपचारिक गिरफ्तारी के बीच 18 घंटे के अंतराल की विसंगति को उजागर किया है। जिसका कोई स्पष्ट कारण भी नहीं बताया गया था। वास्तव में गिरफ्तारी दिखाने में की गई यह देरी पुलिस को मनमाने ढंग से ताकत के इस्तेमाल और हिरासत में दुर्व्यवहार का मौका देती है। इसमें दो राय नहीं कि अक्सर आरोप लगते हैं कि गिरफ्तार व्यक्ति से मारपीट की गई और लंबी पूछताछ की गई। निस्संदेह, यह स्थिति भारत की आपराधिक न्याय प्रणाली की छवि पर एक सवालिया निशान लगाती है। हमारा संविधान किसी भी व्यक्ति को न्यायिक जांच के बगैर हिरासत में रखे जाने के खिलाफ सुरक्षा की गारंटी तो देता है, लेकिन यह सुरक्षा जांच अधिकारियों के रहमो-करम के भरोसे नहीं रह सकती है। यही वजह है कि देश की शीर्ष अदालत को दो टूक शब्दों में कहना पड़ा कि किसी को हिरासत में लिये जाने की 24 घंटे की समय सीमा में केवल मजिस्ट्रेट की अदालत तक पहुंचने में लगने वाले उचित समय को ही घटाया जा सकता है। यहां उल्लेखनीय है कि मजिस्ट्रेटों को भी स्पष्ट निर्देश दिया गया है कि वे हिरासत में लिए जाने के वास्तविक समय को ही दर्ज करें। साथ ही यह भी कि वे स्वतंत्र रूप से इस बात की जांच करें कि क्या किसी व्यक्ति को हिरासत में लिए जाने की प्रक्रिया में संवैधानिक सुरक्षा उपायों का पालन वास्तविक रूप से किया गया है। इसके साथ ही जरूरी है कि बंदी प्रत्यक्षीकरण भी स्वतंत्रता के गैर-कानूनी हनन के खिलाफ एक कानूनी प्रभावी उपाय बना ही रहना चाहिए। सही मायने में सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला, विशेष रूप से जम्मू-कश्मीर में भी न्याय व्यवस्था के लिये एक मार्गदर्शक का कार्य करेगा। जहां अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद के लगभग चार वर्षों में प्रिवेंटिव डिटेंशन को चुनौती देने वाली दो हजार से अधिक बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिकाएं दायर की गई थीं। इस बात में दो राय नहीं हो सकती हैं कि जब कानूनी प्रावधान के क्रियान्वयन में देरी होती है, अथवा जवाबदेही पर्याप्त नहीं होती है, तो संवैधानिक स्वतंत्रता प्रभावहीन होकर रह जाती है। निस्संदेह, किसी भी तरह के अपराध के खिलाफ मजबूत लड़ाई लड़ी जानी चाहिए, ताकि समाज में कानून का राज्य स्थापित हो सके। लेकिन इसका अर्थ मौलिक अधिकारों को कमजोर करना कदापि नहीं होना चाहिए। बहरहाल, अदालत के निर्देश का सार यह भी है कि पुलिस को कानून के दायरे में रहकर ही कोई भी जांच करनी चाहिए। साथ ही इस मामले में अदालतों को भी सतर्क रहना चाहिए। यह सर्वमान्य सत्य है कि स्वतंत्रता महज प्रक्रियात्मक औपचारिकता भर नहीं है। सही मायने में यह किसी भी लोकतंत्र की बुनियाद है।

> नशीले पदार्थों से जुड़े एक मामले में हिरासत में लिए गए चार लोगों से जुड़े इस प्रकरण ने, हिरासत में लेने और औपचारिक गिरफ्तारी के बीच 18 घंटे के अंतराल की विसंगति को उजागर किया है। जिसका कोई स्पष्ट कारण भी नहीं बताया गया था। वास्तव में गिरफ्तारी दिखाने में की गई यह देरी पुलिस को मनमाने ढंग से ताकत के इस्तेमाल और हिरासत में दुर्व्यवहार का मौका देती है। इसमें दो राय नहीं कि अक्सर आरोप लगते हैं कि गिरफ्तार व्यक्ति से मारपीट की गई और लंबी पूछताछ की गई। निस्संदेह, यह स्थिति भारत की आपराधिक न्याय प्रणाली की छवि पर एक सवालिया निशान लगाती है। हमारा संविधान किसी भी व्यक्ति को न्यायिक जांच के बगैर हिरासत में रखे जाने के खिलाफ सुरक्षा की गारंटी तो देता है, लेकिन यह सुरक्षा जांच अधिकारियों के रहमो-करम के भरोसे नहीं रह सकती है। यही वजह है कि देश की शीर्ष अदालत को दो टूक शब्दों में कहना पड़ा कि किसी को हिरासत में लिये जाने की 24 घंटे की समय सीमा में केवल मजिस्ट्रेट की अदालत तक पहुंचने में लगने वाले उचित समय को ही घटाया जा सकता है। यहां उल्लेखनीय है कि मजिस्ट्रेटों को भी स्पष्ट निर्देश दिया गया है कि वे हिरासत में लिए जाने के वास्तविक समय को ही दर्ज करें। साथ ही यह भी कि वे स्वतंत्र रूप से इस बात की जांच करें कि क्या किसी व्यक्ति को हिरासत में लिए जाने की प्रक्रिया में संवैधानिक सुरक्षा उपायों का पालन वास्तविक रूप से किया गया है। इसके साथ ही जरूरी है कि बंदी प्रत्यक्षीकरण भी स्वतंत्रता के गैर-कानूनी हनन के खिलाफ एक कानूनी प्रभावी उपाय बना ही रहना चाहिए। सही मायने में सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला, विशेष रूप से जम्मू-कश्मीर में भी न्याय व्यवस्था के लिये एक मार्गदर्शक का कार्य करेगा।

पर्यावरण की इस भयानक समस्या के चलते यह क्षेत्र गैस चैंबर की स्थिति में परिवर्तित हो जाता है

# गैस चैंबर बनती देश की राजधानी

> सांस रोग अथवा फेफड़े संबंधी किसी प्रकार की बीमारी वाले लोगों के साथ-साथ हृदय रोगी भी कई प्रकार की समस्याओं से जूझते हुए दिखाई देते हैं। निर्दयी राजनीति और राजनीति में उतरकर काम करने वाले लोगों के लिए कुछ दिन इस पर टीका टिप्पणी करने का समय होता है, उसके पश्चात ये स्वयं भी अपनी दुनिया में जाकर कहीं खो जाते हैं। दीपावली के प्रकाश पर्व के अवसर पर और उसके बाद दिल्ली-एनसीआर का वायु गुणवत्ता सूचकांक अक्सर 400 से 500 के पार पहुँच जाता है, जिसे 'गंभीर' या 'आपातकालीन' श्रेणी में रखा जाता है। इतनी बुरी स्थिति में लोगों को जीने के लिए प्राणवायु कितनी शुद्ध मिलती होगी, यह सहज ही कल्पना की जा सकती है। अच्छी बात तो यह होगी कि लोगों को इस बुरी स्थिति से निकालने के लिए कुछ स्थाई सुरक्षा उपाय किये जाएं। परंतु ऐसा होता नहीं है। दिल्ली की सरकार कुछ समय के लिए उछल कूद करती हुई दिखाई देती है, उसके बाद वह भी शांत हो जाती है। जहां तक आम जनता की बात है तो वह इस गैस चैंबर में जीने के लिए अपने आप को या तो अभ्यस्त बना चुकी है या मजबूरी में किसी प्रकार जीवन यापन कर रही है। एसआईआर के भ्रामक बिंदु पर आंदोलन खड़ा करने वाले लोग अर्थात आंदोलनजीवी इस मुद्दे पर कोई सकारात्मक चिंतन प्रस्तुत कर सकें, ऐसा भी कुछ दिखाई नहीं देता। इस संबंध में विशेषज्ञों का मत है कि हवा में तैरने वाले सूक्ष्म कण (PM 2.5) का स्तर विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा निर्धारित सुरक्षित मानकों से 30 से 40 गुना तक अधिक दर्ज किया जाता है। ये बारीक कण



सांस के जरिए सीधे फेफड़ों और रक्तप्रवाह में प्रवेश कर जाते हैं। जिससे ये सीधे ही मानव के स्वास्थ्य को गंभीर रूप से प्रभावित करते हैं। जिसके कारण अस्पतालों में भी बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ लग जाती है। विभिन्न स्वास्थ्य रिपोर्टों के अनुसार, दीपावली के बाद दिल्ली के अस्पतालों में सांस की बीमारियों, अस्थमा के दौरों, आंखों में जलन और छाती में संक्रमण के मामलों में 30% से 40% की भारी बढ़ोतरी देखी जाती है। भीड़ में होने वाली इस वृद्धि से अस्पतालों में पहले से ही दाखिल उन रोगियों के लिए विशेष समस्या खड़ी होती है जो वहां पहले से ही अपना उपचार करा रहे होते हैं। वायु प्रदूषण की इस प्रकार की भयंकर मार से सबसे अधिक प्रभावित बच्चे और वरिष्ठ नागरिकगण होते हैं। इस भयंकर बीमारी का सबसे अधिक प्रभाव हमारी अपनी उम्र पर पड़ रहा है। लोगों की औसत उम्र निरंतर घट रही है। वैश्विक शोध संगठनों की रिपोर्ट बताती है कि वायु प्रदूषण के इसी खतरनाक स्तर के कारण दिल्ली में रहने वाले लोगों की औसत जीवन प्रत्याशा लगभग 10 से 12 वर्ष कम हो रही है। यह स्थिति बहुत ही चिंता उत्पन्न करने वाली है। इस पर न केवल सरकार को अपना ध्यान केंद्रित करना चाहिए बल्कि सारी राजनीति को भी एकमत से एक मंच पर आकर ठोस निर्णय लेना चाहिए। इसे अपनी ओछी राजनीति का माध्यम न मानकर प्रत्येक राजनीतिक दल लोक कल्याण के महत्वपूर्ण उद्देश्य के प्रति अपने समर्पण का एक माध्यम मानना चाहिए अर्थात जनसेवा का एक सबसे अनमोल अवसर। ऐसा भी नहीं है कि एनसीआर में फैलने वाले इस खतरनाक वायु प्रदूषण के लिए केवल दीपावली के पटाखों को कोई जिम्मेदार माना जाए, इसके लिए कुछ अन्य कारण भी जिम्मेदार हैं। दीपावली की आतिशबाजी से भारी मात्रा में सल्फर डाइऑक्साइड, नाइट्रोजन डाइऑक्साइड और जहरीली धातुएं हवा में घुल जाती हैं। इस आतिशबाजी के अतिरिक्त इसी मौसम में पड़ोसी राज्यों (पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश) में धान की कटाई के बाद पराली जलाई जाती है, जिसका धुआं हवाओं के साथ दिल्ली पहुँचता है। पराली का धुंआ एनसीआर की वायु को और भी अधिक जहरीला बना देता है। पराली की यह समस्या मानव निर्मित है। इसे मानव ने स्वयं अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मारते हुए तैयार किया है। हम सभी जानते हैं कि गांव में भी किसान लोग गाय पालन, पशुपालन से लोग दूरी बना रहे हैं। जिसके कारण खेतों में पराली को जलाना पड़ रहा है। पहले इसको समाप्त करने की एक स्वाभाविक प्रक्रिया होती थी, जिसके अंतर्गत किसान पराली को घर ले जाकर पशुओं को खिलाता था। पशुओं से गोबर की खाद तैयार होती थी और वह गोबर की खाद फिर खेत में जाकर पड़ जाती थी। इस प्रकार एक चक्र बना हुआ था। जिसे मशीनी युग में मशीनों से तैयार होने वाले दूध ने तोड़ दिया है। ट्रैक्टर ने बैल आदि को किसान के खेत से और घर से दूर कर दिया है। उसी का यह परिणाम है कि पराली को जलाना किसान की मजबूरी हो गई है। आधुनिकता के नाम पर कुत्ते पालने वाले लोगों ने पशुपालन छोड़ दिया है। विशेष रूप से वह पशु जो उसके जीवन रक्षक होते थे, किसान के जीवन से दूर चले गए हैं। इसके चलते जो अवस्था उत्पन्न हुई है वह मनुष्य के लिए प्राणभक्षक बन गई है। इस वायु प्रदूषण से एनसीआर को बचाने के लिए सबसे बड़ा भगीरथ प्रयास तो यही करना पड़ेगा कि एनसीआर के लोगों को स्वाभाविक और शुद्ध दूध देने के लिए इतनी मात्रा में पशुपालन किया जाए कि सारी पराली उनके भोजन के काम आ जाए अर्थात उसे जलाना न पड़े। पराली के अतिरिक्त अक्टूबर नवंबर के महीने में आने वाली ठंड की सुगबुगाहट भी प्रदूषण को बढ़ाने का एक कारण बनती है। यह एक स्वाभाविक प्राकृतिक प्रक्रिया है। जिससे बचा नहीं जा सकता। विशेषज्ञों का कहना है कि आने वाले समय में यह प्रदूषण एक क्रॉनिक हेल्थ क्राइसिस का रूप ले लेगा। आने वाली पीढ़ी कमजोर फेफड़ों के साथ पैदा होगी और कम उम्र में ही लोग फेफड़ों के कैंसर और दिल की बीमारियों से ग्रसित होने लगेंगे। उस स्थिति से बचने के लिए अभी से तैयारी करनी होगी। विशेष रूप से तब जबकि यह स्पष्ट हो गया है कि प्रदूषण के कारण अंतरराष्ट्रीय कंपनियां और कुशल पेशेवर दिल्ली से दूर बेंगलुरु, हैदराबाद या विदेश पलायन करने लगे हैं। लगातार स्मॉग के कारण पर्यटन उद्योग, निर्माण कार्य और व्यापार पर बुरा असर पड़ता है, जिससे देश को अरबों रुपये का नुकसान उठाना पड़ रहा है। इससे पहले की सब कुछ चौपट हो जाए समय रहते एनसीआर को गैस चैंबर से बाहर लाने की तैयारी युद्ध स्तर पर करनी होगी।

देश | दुनिया से

# नगद ईनाम समारोह में प्रशिक्षकों की उपेक्षा क्यों?

अक्तूबर माह की अंतिम तिथि को हुए हिमाचल प्रदेश खेल विभाग के नगद ईनाम समारोह में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत को पदक जीतने व प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाडियों को उचित व सम्मान के साथ नगद ईनाम दिया गया। साथ ही साथ खेल विभाग में कार्यरत प्रशिक्षकों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशिक्षक या टैक्निकल आफिशियल के रूप में प्रतिनिधित्व करने पर तीन-तीन लाख रुपए का नगद ईनाम सम्मान के साथ दिया गया, मगर वहीं पर खेल विभाग के बाहर कार्य करने वाले प्रशिक्षकों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रशिक्षक के रूप में प्रतिनिधित्व करने पर सम्मानित करने की जगह शिमला बुलाकर उनकी अनदेखी कर अपमान किया, वह बहुत शर्मनाक था। करोड़ों रुपए जीतने वाले खिलाडियों के प्रशिक्षकों को न तो स्टेज पर बुलाया और न ही उन्हें नगद ईनाम दिया गया, जैसा केंद्र सरकार देती है। प्रशिक्षकों के साथ इस तरह की बदतमीजी कर क्या प्रदेश में खेलों का कभी भला हो सकता है? क्या अभी भी हिमाचल में खेलों के लिए वातावरण नहीं बन पाया है, जिसमें खिलाड़ी व प्रशिक्षक का सम्मान हो। हिमाचल प्रदेश सरकार ने अंतरराष्ट्रीय खिलाडियों को उनके द्वारा जीते गए पदकों के अनुसार नगद ईनाम दिया, मगर उनके प्रशिक्षकों को इस बार भी नगद ईनाम नहीं दिया गया, जबकि नई खेल नीति में खिलाड़ी के प्रशिक्षक को भी नगद ईनाम का प्रावधान है। खेल विभाग क्यों प्रशिक्षकों के साथ सौतेला व्यवहार कर रहा है, यह समझ से परे है। सीमा व सावन को शुरुआती दौर में तराशने वाले प्रशिक्षकों केहर सिंह पटियाल व गोपाल ठाकुर का किसी ने नाम तक नहीं लिया। केहर सिंह पटियाला तो




आए ही नहीं, मगर गोपाल ठाकुर अंत तक अपने नाम की घोषणा का इंतजार करते रहे। यही हाल कबड्डी में प्रशिक्षक रतन ठाकुर, मेहर चंद वर्मा व पूजा ठाकुर का भी रहा। वे भी स्टेज पर अपने ट्रेनी को दूर से ही देख पाए। विजेता खिलाडियों का भी अपने प्रशिक्षकों पर ध्यान नहीं गया। यह बहुत शर्मनाक व पीड़ादायी रहा। हैंडबाल के कई राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय खिलाडियों को नगद ईनाम मिला, मगर उनकी प्रशिक्षक स्नेहलता का नाम तक नहीं लिया गया। अंतरराष्ट्रीय कुश्ती प्रशिक्षक जौनी चौधरी का नाम भी स्टेज पर नहीं लिया गया, परन्तु उनके अंतरराष्ट्रीय शिष्य जरूर अपने गुरु को अपने साथ स्टेज पर लेकर गए। किसी भी खिलाड़ी को परशुराम अवार्ड व प्रशिक्षक को गुरु वशिष्ठ अवार्ड क्यों नहीं दिया गया? खिलाडियों को प्रशिक्षकों ने ही तराशा है। क्या वे नगद ईनाम के हकदार नहीं हैं? हिमाचल के कुछ पुराने एशियाई स्तर के खिलाडियों को शाल-टोपी तो जरूर दी, मगर वहां हिमाचल के एकमात्र ओलंपियन आशीष चौधरी को स्टेज पर तब बुलाने लगे, जब वह वहां से जा चुका था। पैरा ओलंपिक पदक विजेता व हाल ही में पैरा एशियन खेलों में दो स्वर्ण पदक विजेता निषाद कुमार को पिछले किसी पदक की ईनामी राशि तो जरूर दी, मगर हाल ही में अर्जित की गई दो स्वर्ण पदकों का नाम तक नहीं लिया गया। क्या एंकर को पता नहीं था? डेढ़ सौ करोड़ की आबादी में पहले तीन स्थानों पर आने वाले राष्ट्रीय पदक विजेताओं के साथ तो बहुत ही बुरा व्यवहार हुआ। एक साथ पूरे जिले के पचास से भी अधिक राष्ट्रीय पदक विजेताओं को सम्मानित करने की जगह जलील करना हर खेल प्रेमी को बहुत बुरा लगा। राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतने के लिए वर्षों की कठिन ट्रेनिंग चाहिए होती है। तब राष्ट्रीय स्तर पर एथलीट पदक जीतता है। हर अभिभावक चाहता है कि उसके राष्ट्रीय पदक विजेता खिलाड़ी व उसके प्रशिक्षक का शाल-टोपी व नगद ईनाम के साथ स्टेज पर सम्मान हो, मगर यहां पर खिलाडियों को दर्जनों की संख्या में केवल स्टेज के ऊपर-नीचे खड़ा कर बिना शाल-टोपी व ईनाम के वापस भेज देना बहुत बड़ा मजाक खिलाडियों के साथ शिमला में किया गया। कुछ राष्ट्रीय पदक विजेता खिलाडियों को समारोह में बुलाया ही नहीं गया। यह क्या मजाक चल रहा है? राष्ट्रीय पदक विजेताओं को हर साल उनके जीते गए पदकों के लिए ईनाम बांट समारोह आयोजित किया जाए, ताकि हर विजेता का समय पर सम्मान हो तथा ईनामी राशि उसके आगामी प्रशिक्षण सीजन में काम आ सके। पिछले कई वर्षों से जब समारोह आयोजित ही नहीं होगा, तो फिर सैकड़ों विजेताओं को एक दिन में सम्मानित इस तरह ही किया जाएगा। आनन फानन में आयोजित हुए इस समारोह में क्या किसी भी खिलाड़ी व प्रशिक्षक को टीए, डीए दिया गया? आज का अभिभावक खेलों में भी अपने बच्चों का कैरियर देख रहा है। क्योंकि खेल आज अपने आप में एक प्रोफैशन है। हिमाचल में खेल व खिलाडियों से मजाक किया जा रहा है और प्रशिक्षकों को तो खेल पटल से ही गायब कर दिया है। देश में ओलंपिक आयोजन की बात हो रही है और हिमाचल में जो अपने दम पर प्रदेश का नाम रोशन कर रहे हैं, उनके साथ भद्दा मजाक चल रहा है। भविष्य में हिमाचल सरकार इस तरह का समारोह करती बार ध्यान रखे कि समारोह में बुलाए किसी विजेता खिलाड़ी या प्रशिक्षक के साथ इस तरह बदतमीजी न हो। अभिभावक अपने बच्चों के लिए खेलों में भी कैरियर तलाश रहा है और इस सबके लिए अच्छी खेल सुविधाओं के साथ साथ उच्च स्तरीय प्रशिक्षक भी लगातार कई वर्षों तक उसके बच्चों को मिलना चाहिए ताकि वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक विजेता बनने का सफर सफलतापूर्वक पूरा कर सकें। इससे प्रदेश में खेल वातावरण बनेगा तो हर खिलाड़ी व खेल प्रशिक्षक प्रेरित होकर उत्कृष्ट प्रदर्शन करेगा।

आप का | नजरीया

# पर्यटन बाजार की खोज

पर्यटन संभावनाओं के अक्स में अब होटल एसोसिएशनें समूचे देश से अपने हिस्से का व्यवसाय खोज रही हैं, तो यह स्थायी रूप से प्रगतिशील कदम माना जाएगा। बेशक पिछले कई दशकों में हिमाचल का पर्यटन निवेश अब अपनी क्षमता के जोखिम से इतना बड़ा नजर आता है कि साल के कई भाग सूखे निकल जाते हैं। कहना न होगा कि टूरिस्ट आगमन पूरे साल की क्षमता में एक तरह का उतार चढ़ाव है। कभी अटल टनल से एक ही दिन में बीस हजार वाहन गुजर जाते हैं, तो कभी मनाली की राहें सूनी पड़ जाती हैं। इसी तरह की उदासियों से रूबरू हिमाचल के कमोबेश सभी टूरिस्ट डेस्टिनेशन अपने-अपने पर्यटन कैलेंडर को मजबूत करना चाहते हैं, लेकिन पर्यटन केवल होटल व्यवसाय नहीं, बल्कि पर्यटन व्यापार है जो विविध गतिविधियों के केंद्र में हुजूम बनाता है। होटल संघों के अलावा हिमाचल के व्यापार मंडलों, टैक्सी आपरेटरों, स्थानीय निकायों तथा रेहड़ी-फड़ी वालों के साथ मिल कर ही पर्यटन बाजार की परिभाषा को सुदृढ़ करने की जरूरत है। प्रदेश के पर्यटन सीजन को बारह महीने बांटने की कोशिश में नए डेस्टिनेशन, नए इवेंट, नए उपचार और नए पार्टनर खोजने होंगे। इसी तरह की एक कोशिश करते हुए धर्मशाला की स्मार्ट सिटी होटल एवं रेस्तरां एसोसिएशन तथा भद्रवाह टूरिज्म एसोसिएशन के बीच एक संयुक्त प्रयास शुरू हुआ है। दोनों एसोसिएशन एक सर्किट के तहत दो डेस्टिनेशन के बीच सामंजस्य, संपूर्णता, आकर्षण, विविधता तथा सहूलियत जोड़ रही हैं, तो यह अभिनव प्रयोग हिमाचल के कई अन्य पड़ोसी राज्यों के साथ भी हो सकता है। यह गठजोड़ हिमाचल पथ परिवहन निगम के साथ पड़ोसी राज्यों की परिवहन व्यवस्था से जुड़ कर उत्तर भारत के कई टूरिस्ट सर्किटों को बुलंदी दे सकता है। मसलन हिमाचल से हरिद्वार के लिए कम से कम सौ रूट संचालित होते हैं, लेकिन दोनों राज्यों के बीच अलग-अलग टूरिस्ट सर्किट बनाने के गंभीर प्रयास नहीं हुए। जो टूरिस्ट देवी दर्शन के लिए हिमाचल के मंदिरों में आता है, हम उसके लिए धार्मिक सर्किट नहीं बना पाए। उदाहरण के लिए ज्वालाजी आने वाले पर्यटक को नादौन की ध्यानूं समाधि आज भी मीलों दूर है। हम हाई एंड टूरिस्ट की बात करते हैं, लेकिन हाई एंड टूरिस्ट सर्किट नहीं बना पाए। यानी कि ट्राइबल, सांस्कृतिक और धरोहर के अलावा साहसिक पर्यटन को सर्किट के हिसाब से हाई एंड टूरिस्ट के काबिल नहीं बना पाए। शिमला आज हाई एंड के बजाय शोरगुल पर्यटन का हिस्सा बन गया, तो हमारी योजनाओं का कसूर है। हिमाचल को अपने सीमांत क्षेत्रों पर नए पर्यटक सर्किट बना कर भीड़ में भटकते पर्यटक को आसरा देना चाहिए। मसलन पौंग और कौल डैम के अलावा भाखड़ा व अन्य झीलों के किनारे पर्यटक मेले लगा कर एक वर्ग को संतुष्ट किया जा सकता है। मंदिरों तक आ रही भीड़ को धार्मिक परिसरों की परिक्रमा में व्यस्त किया जा सकता है, लेकिन मंडी-भरमौर और अन्य प्राचीन मंदिरों को विशेष पर्यटक के अनुरूप मान्यता मिलनी चाहिए। पूरे प्रदेश में पर्यटन कैलेंडर की व्यस्तता को मापते हुए ऑफ सीजन आयोजनों या खेल समारोहों को महत्त्व देना होगा। प्रदेश का अपना एक इवेंट सर्किट होना चाहिए। बहरहाल, धर्मशाला-भद्रवाह के बीच पर्यटन का अगर संयुक्त आधार ढूंढा जा रहा है, तो यही प्रेरणा उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, दिल्ली और राजस्थान को भी सामनांतर खड़ा कर सकती है। हिमाचल को अब अकेले होटलों की तादाद के अलावा पूरे पर्यटन बाजार पर तवज्जो देनी चाहिए। पर्यटन बाजार का विकास सुनिश्चित करते हुए ही अधोसंरचना का निर्माण होना चाहिए। हर डेस्टिनेशन के बाजार, टैक्सी स्टैंड, पार्किंग स्थल, परिवहन और पर्यटक सुविधाओं को नया आकार देने की जरूरत है। डेस्टिनेशन के भीतर पैकेज या दो तीन पर्यटक स्थलों के बीच सर्किट बनाने होंगे।

> बेशक पिछले कई दशकों में हिमाचल का पर्यटन निवेश अब अपनी क्षमता के जोखिम से इतना बड़ा नजर आता है कि साल के कई भाग सूखे निकल जाते हैं। कहना न होगा कि टूरिस्ट आगमन पूरे साल की क्षमता में एक तरह का उतार चढ़ाव है। कभी अटल टनल से एक ही दिन में बीस हजार वाहन गुजर जाते हैं, तो कभी मनाली की राहें सूनी पड़ जाती हैं। इसी तरह की उदासियों से रूबरू हिमाचल के कमोबेश सभी टूरिस्ट डेस्टिनेशन अपने-अपने पर्यटन कैलेंडर को मजबूत करना चाहते हैं, लेकिन पर्यटन केवल होटल व्यवसाय नहीं, बल्कि पर्यटन व्यापार है जो विविध गतिविधियों के केंद्र में हुजूम बनाता है। होटल संघों के अलावा हिमाचल के व्यापार मंडलों, टैक्सी आपरेटरों, स्थानीय निकायों तथा रेहड़ी-फड़ी वालों के साथ मिल कर ही पर्यटन बाजार की परिभाषा को सुदृढ़ करने की जरूरत है। प्रदेश के पर्यटन सीजन को बारह महीने बांटने की कोशिश में नए डेस्टिनेशन, नए इवेंट, नए उपचार और नए पार्टनर खोजने होंगे। इसी तरह की एक कोशिश करते हुए धर्मशाला की स्मार्ट सिटी होटल एवं रेस्तरां एसोसिएशन तथा भद्रवाह टूरिज्म एसोसिएशन के बीच एक संयुक्त प्रयास शुरू हुआ है। दोनों एसोसिएशन एक सर्किट के तहत दो डेस्टिनेशन के बीच सामंजस्य, संपूर्णता, आकर्षण, विविधता तथा सहूलियत जोड़ रही हैं, तो यह अभिनव प्रयोग हिमाचल के कई अन्य पड़ोसी राज्यों के साथ भी हो सकता है। यह गठजोड़ हिमाचल पथ परिवहन निगम के साथ पड़ोसी राज्यों की परिवहन व्यवस्था से जुड़ कर उत्तर भारत के कई टूरिस्ट सर्किटों को बुलंदी दे सकता है।

कुछ | अलग

# कीर्तिशेष महाकवि मौजानंद

मौजानंदजी महाकवि को आज कौन नहीं जानता। साहित्य की गोष्ठी हो या कविता पाठ का कार्यक्रम, मौजानन्दजी अपनी-अपनी मौज में गुल-गुल गाते मिल जाएंगे। कम समय में ही उन्होंने जो ख्याति पायी है, वह बिरलों के भाग्य में ही होती है। साठ साल की आयु से शुरू हुआ लेखन अल्पसमय में ही परिपक्व हो गया है। लोग उन्हें अब तो महाकवि की उपाधि भी मानद् रूप से प्रदान कर चुके हैं। घुटनों तक लम्बे मोजे पहनकर जब वे साहित्य की चर्चा करते हैं तो लोगों के हाथों के तोते उड़ जाते हैं। उनकी धीर गम्भीर मुद्रा में साहित्य खिलता भी खूब है। कविता उनकी रग-रग में रच-बस गयी है। सब कुछ ठीक है, लेकिन एक रंज मुझे उनका पड़ौसी होने का जीवनभर सालता रहेगा। काश! मैं उनके ठीक सामने वाले मकान में नहीं रहा होता, लेकिन मकान मेरा पुश्तैनी है और उसे मैं छोड़ भी नहीं सकता।

दृष्टि | कोण

# राहुल की फीलिंग से निकली दिल्ली रैली

राहुल गांधी ने अंततः दिल्ली में एक रैली निकालने का निर्णय ले लिया था। वे कई दिनों से अपनी पार्टी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को लेकर देश के विभिन्न हिस्सों में घूम रहे थे। बीच में दो तीन किसी अति आवश्यक काम के लिए वियतनाम चले गए थे अन्यथा देश के विभिन्न हिस्सों में घूमने फिरने में ही बिताया। एक बार तो बहुत से लोगों का काफिला लेकर धूमधाम से सर्वोच्च न्यायालय में कुछ जरूरी कागजात जमा करवाने के लिए भी गए थे। इस भ्रमण में उनकी बहन प्रियंका गांधी भी प्रायः साथ रहती हैं। वैसे भी उनको घूमते फिरते देख कर दूसरे बहुत लोग भी जुडने लगते हैं और उनके साथ घूमने लगते हैं। उनके घूमने फिरने और विविध प्रकार के काम करते समय के चित्रों की एक प्रदर्शनी उनके भानजे ने कहीं लगाई भी थी। कभी कभार उनके माता जी भी उनके काफिलों को आशीर्वाद दे देती हैं। वैसे देखा गया है कि राहुल जी को घूमते समय एक विशेष प्रकार की 'फीलिंग' आने लगती है। यह बात वे खुद बताते भी हैं। यह सचमुच बहुत ऊंचे पाएं की बात होती है। लेकिन इस बार उनको उनकी इस फीलिंग ने ही बुरा फंसा दिया। घूमते घूमते उनको फीलिंग आ गई कि अब दिल्ली में एक बहुत बड़ी रैली कर लेनी चाहिए। उन्होंने इस महत्वपूर्ण काम के लिए एक नवंबर 2026 का दिन चुन लिया। लोगों ने बहुत समझाया भी कि इस दिन दिल्ली में ही बहुत भयंकर नरसंहार हुआ था। उसमें अनेकों बेगुनाहों की जान चली गई थी। कहा जाता है वह सब कांग्रेस का ही किया कराया था। यह शोक का दिन है। इस दिन दिल्ली में ही रैली करके जले पर नमक



छिडकने का काम होगा। लोगों में नाराजगी आएगी। अभी घूमते फिरते रहने के कारण कहीं कहीं लोगों को लगने लगा है कि आप अपने बलबूते लीडर बन सकते हैं। पप्पू के खोल से बाहर निकलने की प्रक्रिया शुरू होने लगी थी। यहां तक कि भाजपा का समर्थन करने वाले कुछ पत्रकारों ने भी कहीं कहीं कहना शुरू कर दिया था कि राहुल में कुछ तो है, एक प्रकार की व्याकुलता, एक प्रकार का उत्साह, जिसके चलते वे परिश्रम करें तो लीडर बन सकते हैं। लेकिन वे एक नवंबर पर अड़ गए। दिल्ली के लोगों ने बहुत कहा कि हम आपका साथ दे देंगे, चलिए आप की रैली में भी आ जाएंगे, लेकिन ये त्योहारों के दिन हैं, दिवाली आने वाली है, आप इस रैली नाम के इवेंट को कुछ दिनों के लिए टाल दीजिए। लेकिन राहुल जी की एक खूबी है। जब एक बार फीलिंग आ जाती है तो वे फिर पीछे नहीं हटते। आपके ध्यान में होगा कि एक युग वह भी था कि 'निर्मल बाबा' जिन पर 'किरपा' आनी बंद हो जाती थी, उन पर किरपा आने का रास्ता खोल देते थे। इसके लिए वे छोटे छोटे उपाय ही बताया करते थे। मसलन फलां दुकानदार की दुकान से जलेबी लेकर खाओ, रेलवे स्टेशन पर कुली के कपड़े पहन कर घूमो, तालाब में छलांग लगा कर मछली पकड़ो इत्यादि। इन छोटे छोटे सर्वसुलभ उपायों से उन्होंने बहुत लोगों पर किरपा आने का बंद रास्ता खुलवाया था। राहुल गांधी जी पर तो फीलिंग आनी कभी बन्द ही नहीं हुई थी। लेकिन लगता है पिछले पांच छह महीनों से कुछ ज्यादा ही फीलिंग आने लगी है। इसी से घबरा कर, मुझे लगता है मल्लिकार्जुन खड़गे ने तो जरूर समझाया होगा कि अभी कुछ देर के लिए फीलिंग को रोक लीजिए, रैली बाद में कर लेंगे, अभी मु ी बन्द ही रहने दीजिए। लेकिन इसमें राहुल जी का दोष नहीं है। फीलिंग उनको टिकने नहीं देती। यदि ऐसा न होता तो राहुल जी कह ही नहीं सकते थे कि रैली में दस लाख लोग आएंगे। लेकिन फीलिंग आती है तो वे बोलते हैं। उन्होंने अपने लोगों से कहा, दिल्ली को सजा दो। पूरे देश भर में मुनादी करवा दो कि राहुल गान्धी रैली कर रहे हैं। सज धज कर दिल्ली पहुंचो।

# योगी सरकार आपदा में जान गंवाने वालों के परिवार को देगी अब आठ लाख की आर्थिक मदद

## योगी सरकार ने आपदा राहत के मानकों में किया बड़ा बदलाव, फसलों के नुकसान पर 30 फीसदी तक बढ़ा मुआवजा

**लखनऊ ( हिंस )।** योगी सरकार ने प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित लोगों को राहत देने के लिए बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने राज्य आपदा मोचन निधि (एसडीआरएफ) और राष्ट्रीय आपदा मोचन निधि (एनडीआरएफ) के तहत दी जाने वाली आर्थिक सहायता के मानकों में बदलाव करते हुए मुआवजे की राशि में बढ़ोतरी की है। अब प्राकृतिक आपदा में जान गंवाने वाले व्यक्ति के परिवार को चार लाख रुपए के स्थान पर आठ लाख रुपए की आर्थिक सहायता दी जाएगी। इसके साथ ही फसल नुकसान, पशुधन की क्षति और मकान के नुकसान पर मिलने वाली सहायता राशि में भी बढ़ोतरी की गई है। नए मानक वित्तीय वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक प्रभावी रहेंगे। योगी सरकार का उद्देश्य आपदा प्रभावित परिवारों को तत्काल आर्थिक संबल देने के साथ उनकी आजीविका को दोबारा पटरी पर लाना है। राहत आयुक्त हृषिकेश भास्कर यशोद ने बताया कि प्राकृतिक आपदा में किसी



व्यक्ति की मृत्यु होने पर उसके परिजनों को मिलने वाली सहायता राशि को दोगुना कर दिया गया है। पहले चार लाख रुपए की सहायता दी जाती थी। उसे बढ़ाकर अब आठ लाख रुपए कर दिया गया है। इसी तरह प्राकृतिक आपदा में गाय, भैंस, घोड़े या ऊंट जैसे बड़े पशुओं की मृत्यु होने पर मिलने वाली सहायता राशि 40 हजार से बढ़ाकर 50 हजार रुपए कर दी गई है। बकरी, भेड़ और सूअर जैसे छोटे पशुओं के लिए यह राशि चार हजार से बढ़ाकर 5, 500 रुपए कर दी गई है। वहीं, मुर्गीपालकों को भी राहत देते हुए प्रति मुर्गी सहायता राशि 100 से बढ़ाकर 130 रुपए कर दी गई है। भार ढोने वाले पशुओं की क्षति पर सहायता राशि 20 हजार से बढ़ाकर 25 हजार 400 रुपए की गई है। योगी सरकार ने किसानों को प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले फसल नुकसान की भरपाई के लिए भी सहायता राशि बढ़ाई है। अब सिंचित क्षेत्र में फसल नुकसान पर मिलने वाली सहायता 17 हजार रुपए प्रति हेक्टेयर से बढ़ाकर 22 हजार रुपए कर दी गई है। इसी तरह वर्षा आधारित क्षेत्रों में फसल नुकसान की सहायता राशि आठ हजार 500 रुपए से बढ़ाकर 11 हजार रुपए प्रति हेक्टेयर कर दी गई है। बागवानी और कृषि वानिकी से जुड़ी फसलों के नुकसान पर मिलने वाली सहायता राशि 22 हजार 500 रुपए से बढ़ाकर 30 हजार रुपए प्रति हेक्टेयर की गई है। रेशम उत्पादन से जुड़ी फसलों के लिए सहायता छह हजार से बढ़ाकर सात हजार 800 रुपए प्रति हेक्टेयर और गन्ने की फसल के लिए सात हजार 500 से बढ़ाकर नौ हजार 800 रुपए प्रति हेक्टेयर की गई है। इसके अलावा कृषि भूमि के कटान और भूस्खलन जैसी आपदाओं से होने वाले नुकसान पर भी सहायता राशि के मानकों में बढ़ोतरी की गई है। राहत आयुक्त ने शुक्रवार को जारी एक बयान में बताया कि एक अप्रैल से चार नवंबर-26 तक प्रदेश के 10 लाख दो हजार 684 किसानों की करीब 52 लाख 14 हजार हेक्टेयर फसल को नुकसान पहुंचा है। किसानों को राहत देने के लिए निर्धारित मानकों के तहत सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। वहीं आपदा प्रभावित किसानों को समयबद्ध तरीके से मुआवजा उपलब्ध कराने के लिए जिलों से नुकसान की रिपोर्ट मांगी गई है। इसके लिये सभी जिलाधिकारियों को एक अप्रैल से चार नवंबर तक हुए नुकसान का विवरण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। प्राकृतिक आपदाओं में मकानों और सार्वजनिक संस्थानों को होने वाले नुकसान की भरपाई के लिए भी नए मानक तय किए गए हैं। मैदानी क्षेत्रों में पूरी तरह क्षतिग्रस्त पक्के मकान के लिए अब 1.85 लाख रुपए और पहाड़ी क्षेत्रों में 2.06 लाख रुपए की सहायता का प्रावधान किया गया है। मैदानी क्षेत्रों में पक्के मकान के आंशिक नुकसान पर 93 हजार रुपए और पहाड़ी क्षेत्रों में 1.03 लाख रुपए की सहायता दी जाएगी। पूरी तरह क्षतिग्रस्त प्राथमिक विद्यालयों के लिए 15 लाख 50 हजार रुपए की सहायता निर्धारित की गई है। वहीं, माध्यमिक विद्यालयों, छात्रावासों, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों और पॉलिटेक्निक संस्थानों के नुकसान की भरपाई के लिए 26 लाख रुपए तक की सहायता का प्रावधान किया गया है। स्वास्थ्य केंद्रों और अन्य सार्वजनिक सुविधाओं के पुनर्निर्माण के लिए भी अलग-अलग मानक निर्धारित किए गए हैं। आपदा प्रभावित लोगों को तत्काल राहत उपलब्ध कराने के लिए योगी सरकार ने राहत शिविरों में मिलने वाली सुविधाओं के मानक भी तय किए हैं। सामान्य परिस्थितियों में प्रभावित परिवारों को 30 दिनों तक भोजन, कपड़े, अस्थायी आवास और अन्य जरूरी सुविधाओं के लिए सहायता दी जा सकेगी।

# केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने जवानों के साथ मनाई दीपावली

## स्वदेशी उत्पादों की खरीदारी की



**बीकानेर ( हिंस )।** केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने शुक्रवार को बीकानेर मिलिट्री स्टेशन पहुंचकर देश की सुरक्षा में तैनात जवानों के साथ दीपावली मनाई। उन्होंने जवानों को मिठाई खिलाकर दीपावली की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर मेघवाल ने कहा कि मां भारती की सेवा और सुरक्षा में समर्पित वीर जवानों का साहस, शौर्य, त्याग और राष्ट्र के प्रति अटूट समर्पण सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। कठिन परिस्थितियों में भी देश की सीमाओं की रक्षा के प्रति उनका समर्पण प्रत्येक देशवासी को गौरवान्वित करता है। इस दौरान भाजपा नेता डॉ. सत्यप्रकाश आचार्य, एडवोकेट अशोक प्रजापत और पंकज अग्रवाल सहित अन्य लोग मौजूद रहे। केंद्रीय मंत्री ने अपने बीकानेर प्रवास के दौरान स्थानीय कारीगरों द्वारा निर्मित दीपकों और अन्य स्वदेशी उत्पादों की खरीदारी भी की। उन्होंने अपने परिजनों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संदेश से अवगत कराते हुए त्योहारों पर स्वदेशी वस्तुओं और स्थानीय उत्पादों को प्राथमिकता देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि स्थानीय उत्पादों की खरीदारी से कारीगरों, छोटे व्यापारियों और स्ट्रीट वेंडर्स के परिवारों तक भी दीपावली की खुशियां पहुंचेंगी।

# भाजपा प्रदेश कार्यालय में दीपोत्सव की धूम मदन राठौड़ ने की गणेश पूजा और आतिशबाजी

**जयपुर ( हिंस )।** भाजपा प्रदेश कार्यालय में दीपोत्सव के प्रथम दिन धनतेरस का पर्व हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर प्रदेश कार्यालय को आकर्षक रोशनी और दीपों से सजाया गया। रंग-बिरंगी रोशनी से जगमगाते कार्यालय में दीपावली का उत्साह देखते ही बना। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कार्यालय के प्रवेश द्वार पर स्थित प्रथम पूज्य भगवान गणेश की पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, संगठन महामंत्री अजेय कुमार, प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी, भूपेंद्र सैनी और डॉ. मिथिलेश गौतम सहित अन्य पदाधिकारियों ने कार्यालय में की गई सजावट और रोशनी का निरीक्षण किया। इसके बाद सभी ने आतिशबाजी कर दीपोत्सव की खुशियां साझा कीं। पदाधिकारियों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर दीपावली की शुभकामनाएं भी दीं। इससे पहले प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, संगठन महामंत्री अजेय कुमार सहित प्रदेश पदाधिकारियों ने बगड़िया भवन पहुंचकर स्थानीय उत्पादों की खरीदारी की। उन्होंने मिट्टी के दीपक खरीदकर स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने और स्थानीय कारीगरों के उत्पादों को प्रोत्साहन देने का संदेश दिया। राठौड़ ने कहा कि स्थानीय उत्पादों



की खरीदारी आत्मनिर्भर भारत की भावना को मजबूत करती है। सभी को स्वदेशी और स्थानीय उत्पादों को प्राथमिकता देनी चाहिए। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने दीपावली पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि दीपावली प्रकाश, उल्लास, समृद्धि और सकारात्मकता का पर्व है। यह त्योहार प्रत्येक परिवार के जीवन में सुख, शांति और खुशहाली लेकर आए। मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की कृपा सभी पर बनी रहे तथा राजस्थान विकास और प्रगति के नए आयाम स्थापित करे। उन्होंने प्रदेशवासियों से स्वदेशी एवं स्थानीय उत्पाद अपनाने, पर्यावरण संरक्षण का ध्यान रखने और आपसी प्रेम, भाईचारे व सामाजिक सद्भाव के साथ दीपावली मनाने का आह्वान किया।

# आर्थिक मदद और नौकरी का झांसा देकर धर्म परिवर्तन कराने वाले गिरोह का खुलासा

**जोधपुर ( हिंस )।** जोधपुर ग्रामीण पुलिस ने लालच एवं प्रलोभन देकर धर्म परिवर्तन कराने के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार मामले में अन्य व्यक्तियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। ग्रामीण पुलिस अधीक्षक पंकज यादव ने बताया कि परिवादी प्रशांत वर्मा ने पुलिस थाना बिलाड़ा में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। परिवादी के अनुसार वर्ष 2015-16 में उसका संपर्क ओडिशा निवासी सुजीत हनुमान से हुआ था। आरोप है कि सुजीत ने उसकी नशे की लत छुड़वाने और आर्थिक स्थिति सुधारने का प्रलोभन देकर उसे नियमित रूप से प्रार्थना सभाओं एवं ईसाई धर्म से संबंधित कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए प्रेरित किया। परिवादी ने आरोप लगाया कि उसे ईसाई धर्म स्वीकार करने पर नशे की लत छूटने, आर्थिक स्थिति बेहतर होने और चमत्कारिक लाभ मिलने का भरोसा दिलाया गया। वर्ष 2018-19 में उसे बालोतरा स्थित एक कॉलेज में बाइबल से संबंधित पाठ्यक्रम करवाने के लिए भेजा गया तथा बाइबल सोसायटी ऑफ इंडिया का सदस्य बनाया गया। परिवादी ने चायपत्ती के व्यवसाय का झांसा



देकर गौरा नामक महिला से संपर्क करवाने और विवाह कराने का भी आरोप लगाया है। रिपोर्ट के अनुसार आरोपी उसे व्हाट्सएप एवं अन्य सामाजिक माध्यमों से हिंदू धर्म के लोगों को ईसाई धर्म का प्रचार करने तथा प्रार्थना कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए प्रेरित करने को कहता था। परिवादी को जोधपुर के पाली रोड स्थित एक संस्थान में नौकरी भी दिलवाई गई, जहां उसे 14 हजार रुपए मासिक वेतन मिलता था। परिवादी का आरोप है कि वहां ईसाई धर्म से संबंधित साहित्य वितरित करने और लोगों को धार्मिक गतिविधियों से जोडने का काम किया जाता था। परिवादी ने बताया कि सितंबर 2026 में चाय व्यवसाय का लालच देकर उसे जयपुर निवासी आनंद कराडे की ओर से आयोजित ईसाई धर्म प्रचार कार्यक्रम में शामिल होने के लिए अजमेर स्थित डीसी सेंटर ले जाया गया। वहां चाय व्यवसाय शुरू करने के नाम पर बिना ब्याज 40 हजार रुपए का ऋण देने का प्रलोभन दिया गया। परिवादी के अनुसार कार्यक्रम का उद्देश्य धर्म परिवर्तन करवाना था तथा इस संबंध में किसी अन्य को जानकारी नहीं देने के लिए भी कहा गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक पंकज यादव ने शीघ्र खुलासा करने और संलिप्त व्यक्तियों की पहचान कर कार्रवाई के निर्देश दिए। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामेश्वरलाल के सुपरविजन तथा बिलाड़ा वृत्ताधिकारी मनीष देव विश्वकर्मा के निकट पर्यवेक्षण में थानाधिकारी सवाई सिंह सोढ़ा के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई।

# अटारी-वाघा बॉर्डर से लौट रही लंदन की महिला बनी स्नैचिंग का शिकार, मोबाइल छीना

**अमृतसर ( हिंस )।** अटारी-वाघा बॉर्डर घूमकर वापस लौट रही लंदन निवासी महिला पर्यटक से अमृतसर के राम तलाई इलाके में मोटरसाइकिल सवार अज्ञात झपटमार उसका करीब डेढ़ लाख रुपए की कीमत वाला मोबाइल फोन छीनकर फरार हो गया। पुलिस के अनुसार लंदन की रहने वाली महिला लाली पंजाबी संगीत वीडियो में भी काम कर चुकी है। घटना का खुलासा उस समय हुआ, जब महिला ने अपने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा कर अमृतसर में अपने साथ हुई वारदात की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अटारी-वाघा बॉर्डर से लौटते समय बाइक सवार झपटमार उनका कीमती मोबाइल छीनकर फरार हो गया। रामबाग थाने में पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात आरोपित के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

# हरियाणा : कर्मचारियों व पेंशनरों का महंगाई भत्ता तीन प्रतिशत बढ़ा

**चंडीगढ़ ( हिंस )।** हरियाणा सरकार ने दिवाली पर सरकारी कर्मियों और पेंशनर्स की खुशियों को दोगुना करते हुए तीन प्रतिशत डीए बढ़ोतरी का ऐलान किया है। वित्त विभाग की ओर से आदेश जारी कर दी गई है। आदेश के मुताबिक, सातवें वेतन एवं पेंशन आयोग के तहत वेतन और पेंशन प्राप्त कर रहे कर्मचारियों तथा पेंशनर्स का महंगाई भत्ता और महंगाई राहत 60 प्रतिशत से बढ़ाकर 63 प्रतिशत कर दिया गया है। बढ़ी हुई दरें एक जुलाई 2026 से प्रभावी मानी जाएंगी। इस फैसले से प्रदेश के सरकारी कर्मचारियों के साथ पेंशनर्स और पारिवारिक पेंशन प्राप्त करने वालों को भी लाभ मिलेगा। शुक्रवार को मुख्यमंत्री नायब सैनी ने चंडीगढ़ में पत्रकारों से बातचीत में बताया कि इस बढ़ोतरी से राज्य सरकार के लगभग 2 लाख 78 हजार नियमित कर्मचारियों और करीब 2 लाख 60 हजार पेंशनभोगियों को लाभ मिलेगा। इनके अलावा, बोर्डों, निगमों, स्वायत्त निकायों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों आदि के कर्मचारियों को भी इसी के अनुसार लाभ मिलेगा। इससे वित्त वर्ष 2026-27 के लिए राज्य के खजाने पर 545 करोड़ रुपए का अतिरिक्त वित्तीय बोझ पड़ेगा। वित्त विभाग की ओर से संबंधित विभागों विभागाध्यक्ष, कोषागार एवं लेखा विभाग और अन्य संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। अहम पहलू यह है कि सरकार के इस फैसले से सातवें वेतन आयोग के तहत वेतन और पेंशन प्राप्त कर रहे प्रदेश के कर्मचारियों, पेंशनर्स तथा पारिवारिक पेंशनधारकों को सीधा आर्थिक लाभ मिलेगा।

# धनतेरस पर अजमेर के बाजारों में रौनक, करोड़ों का कारोबार

**अजमेर ( हिंस )।** धनतेरस के साथ ही पांच दिवसीय दीपोत्सव पर्व का आगाज हो गया। शुक्रवार को धनतेरस पर अजमेर के बाजारों में सुबह से ही खरीदारी के लिए लोगों की भीड़ उमड़ी। सोने-चांदी के आभूषणों, बर्तनों, वाहनों, इलेक्ट्रॉनिक सामान और कपड़ों की दुकानों पर दिनभर ग्राहकों की आवाजाही बनी रही। बाजारों में करोड़ों रुपए का कारोबार होने का अनुमान है। दीपावली की तैयारियों के बीच शहर में उत्सव और उल्लास का माहौल नजर आया। शहर के मदार गेट, पुरानी मंडी, डिग्गी बाजार, नया बाजार, कचहरी रोड और स्टेशन रोड सहित प्रमुख बाजारों में दिनभर चहल-पहल रही। व्यापारियों ने दुकानों को आकर्षक रोशनी, फूलों और सजावटी सामान से सजाया है। नगर निगम की ओर से भी प्रमुख चौराहों और बाजारों में सजावट करवाई गई है। इससे शहर दीपावली के रंग में रंगा नजर आ रहा है। धनतेरस पर खरीदारी के लिए वाहन शोरूम,



ज्वेलरी दुकानों, इलेक्ट्रॉनिक प्रतिष्ठानों, मॉल, कपड़ा शोरूम और बर्तन बाजार में विशेष तैयारियां की गई थीं। ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए विभिन्न प्रतिष्ठानों की ओर से छूट और विशेष ऑफर भी दिए जा रहे हैं। ज्वेलरी दुकानों पर सोने-चांदी के सिक्कों, लक्ष्मी-गणेश की मूर्तियों और आभूषणों की मांग रही। वहीं, बर्तन बाजार में भी ग्राहकों की भीड़ नजर आई। इलेक्ट्रॉनिक शोरूम में टीवी, फ्रिज, वॉशिंग मशीन और मोबाइल की खरीदारी हुई। वाहन शोरूम में बुकिंग के साथ वाहनों की डिलीवरी का सिलसिला जारी रहा। बाजारों में स्वदेशी उत्पादों की खरीदारी को लेकर भी लोगों में उत्साह दिखाई दिया। छोटे दुकानदारों के प्रतिष्ठानों पर भी ग्राहक पहुंचे। इसके अलावा मिठाई, ड्राई फ्रूट्स, पटाखों, उपहार सामग्री, सजावटी लाइटों, रंगोली, दीपक और पूजा सामग्री की दुकानों पर भी रौनक रही। बच्चों में पटाखों की खरीदारी को लेकर उत्साह दिखा, जबकि परिवारों ने मिठाइयों और उपहारों की खरीदारी की। धनतेरस पर भगवान धन्वंतरि, माता लक्ष्मी और कुबेर की पूजा का विशेष महत्व है। धार्मिक मान्यता के अनुसार इस दिन खरीदी गई वस्तुओं को शुभ और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। धनतेरस के अगले दिन शनिवार को रूप चौदस मनाई जाएगी। इस दिन लोग सुबह जल्दी उठकर उबटन और स्नान के साथ परंपरागत रूप से पर्व मनाएंगे। इसके अगले दिन रविवार को दीपावली का महापर्व मनाया जाएगा। इस अवसर पर घरों और प्रतिष्ठानों में माता लक्ष्मी की पूजा होगी। घरों को दीपकों, मोमबत्तियों और रंग-बिरंगी झालरों से सजाया जाएगा। शाम को आतिशबाजी और मिठाइयों के आदान-प्रदान के साथ दीपावली की खुशियां मनाई जाएंगी।

# मंडी गोबिंदगढ़ में स्क्रैप गोदाम में धमाका से मालिक की मौत, चार मजदूर गंभीर रूप से झुलसे

**फतेहगढ़ साहिब ( हिंस )।** पंजाब के मंडी गोबिंदगढ़ में गुरुवार रात अमलोह रोड स्थित भल्ला इंजीनियर्स के स्क्रैप गोदाम में पुराने तारकोल से भरे टैंकर को गैस कटर से काटते समय जोरदार विस्फोट हो गया। हादसे में गोदाम के मालिक दलजीत कुमार भल्ला उर्फ डीके भल्ला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक महिला सहित चार मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के अनुसार गोदाम में कबाड़ के रूप में खरीदे गए एक पुराने टैंकर को काटने का काम किया जा रहा था। इसी दौरान अचानक जोरदार धमाका हुआ। शुरुआती आशंका जताई जा रही है कि टैंकर के अंदर मौजूद ज्वलनशील गैस के कारण यह विस्फोट हुआ। धमाके के बाद गोदाम में आग फैल गई और आसपास के इलाके में अफरा-तफरी मच गई। घटना के समय गोदाम मालिक डीके भल्ला टैंकर काटने की प्रक्रिया का वीडियो बना रहे थे। अचानक हुए विस्फोट से उनकी जान चली गई। आसपास काम कर रहे मजदूर गर्म तारकोल और आग की चपेट में आकर बुरी तरह झुलस गए। हादसे में घायल हुए लोगों की पहचान बरजेश (32), दशरथ यादव, उनकी पत्नी पूनम देवी और इंदर कुमार के रूप में हुई है। सभी घायलों को पहले सिविल अस्पताल मंडी गोबिंदगढ़ पहुंचाया गया। उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें आगे के इलाज के लिए चंडीगढ़ और पटियाला रेफर कर दिया। इनमें बरजेश की हालत बेहद नाजुक बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं और काफी मशक्कत के बाद आग पर नियंत्रण पाया।

# पेंशन न मिली तो जीटी रोड पर चक्का जाम करेंगे दिव्यांग : वीरेंद्र कुमार

**कानपुर ( हिंस )।** उत्तर प्रदेश के कानपुर में राष्ट्रीय दिव्यांग पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेन्द्र कुमार ने शुक्रवार को कहा कि अगले 24 घंटे में दिव्यांगजनों के खातों में पेंशन नहीं पहुंची तो कानपुर नगर के दिव्यांग जीटी रोड पर चक्का जाम करेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार पिछले तीन वर्षों से पेंशन बढ़ाने की घोषणाएं कर रही है लेकिन किया नहीं है। दिव्यांगजनों की पेंशन उनके खातों में पिछले आठ महीनों से नहीं पहुंची है। इसके विरोध में आज राष्ट्रीय दिव्यांग पार्टी ने जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण कार्यालय में प्रदर्शन किया। निदेशक दिव्यांगजन के नाम संबोधित ज्ञापन जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी विनय उत्तम को सौंपा। जिला अध्यक्ष राहुल कुमार ने कहा कि मनमानी हठधर्मी नहीं चलेगी। हम अपने अधिकारों के लिए सड़कों पर उतरेंगे। आज के प्रदर्शन में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेन्द्र कुमार, प्रदेश अध्यक्ष महिला मोर्चा अल्पना कुमारी, वैभव दीक्षित, ओम प्रकाश दास, दिलीप कुमार, किशन कुमार अवस्थी, कमल कुमार, सत्य प्रकाश शुक्ला, सरला, सोनी गौतम आदि शामिल थे।

# दीपोत्सव : उप राष्ट्रपति के आगमन से दीप प्रज्ज्वलन तक रामनगरी में मजिस्ट्रेटों को अलग-अलग कमान

**अयोध्या ( हिंस )।** दीपोत्सव के प्रमुख आयोजनों को व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन ने स्थलों के हिसाब से जिम्मेदारियां बांट दी हैं। उप राष्ट्रपति के आगमन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यक्रमों को देखते हुए एयरपोर्ट से श्रीरामजन्मभूमि परिसर, नया घाट, रामकथा पार्क और राम की पैड़ी तक अधिकारियों की तैनाती की है। पांच नवंबर को जारी संशोधित आदेश में आयोजन स्थलों, शोभायात्रा, अतिथि दीर्घाओं और यातायात व्यवस्था की निगरानी के लिए अलग-अलग मजिस्ट्रेट नियुक्त किए गए हैं। आदेश पत्र के अनुसार रामकथा पार्क में मुख्य विकास अधिकारी कृष्ण कुमार सिंह संपूर्ण व्यवस्था की कमान संभालेंगे। मंच, विशिष्ट अतिथि दीर्घा, संत समाज और मीडिया गैलरी की व्यवस्थाओं के लिए अलग अधिकारियों को जिम्मेदारी दी गई है। राम की पैड़ी पर अपर जिलाधिकारी अमित कुमार भट्ट आयोजन की निगरानी करेंगे।



यहां मुख्यमंत्री के मंच, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, संत समाज की दीर्घा और अतिथियों के बैठने की व्यवस्था अलग-अलग अधिकारियों के जिम्मे रहेगी। दीप प्रज्ज्वलन से संबंधित समस्त कार्य अपर जिलाधिकारी नगर एवं मेलाधिकारी दिनेश के नेतृत्व में होंगे। विशिष्ट अतिथियों के आगमन से लेकर दर्शन-पूजन और कार्यक्रम स्थलों तक आवागमन के लिए भी अलग व्यवस्था की गई है। एयरपोर्ट पर अपर जिलाधिकारी कौशल कुमार अतिथियों के आगमन और प्रस्थान की जिम्मेदारी संभालेंगे। अपर नगर आयुक्त भारत और डिप्टी कलेक्टर गजेंद्र सिंह एयरपोर्ट से नया घाट होते हुए श्रीराम जन्मभूमि परिसर तक मार्ग व्यवस्था और शांति व्यवस्था की निगरानी करेंगे। साकेत महाविद्यालय बंधा तिराहे से रामकथा पार्क तक निकलने वाली शोभायात्रा की जिम्मेदारी मुख्य राजस्व अधिकारी गजेंद्र कुमार को दी गई है। उनके साथ जिला पूर्ति अधिकारी बृजेश कुमार मिश्र, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी मोहन त्रिपाठी और अन्य अधिकारी यात्रा के अलग-अलग हिस्सों में व्यवस्थाएं संभालेंगे। दीपोत्सव में श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए यातायात, पार्किंग, बैरिकेडिंग और आवागमन की व्यवस्था महत्वपूर्ण होगी। राम की पैड़ी, सरयू आरती स्थल और प्रमुख घाटों पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए व्यवस्थाओं की निगरानी की जाएगी। नया घाट स्थित सरयू आरती स्थल की संपूर्ण व्यवस्था अपर जिलाधिकारी प्रशासन विशु राजा और उप जिला मजिस्ट्रेट पवन कुमार शर्मा संभालेंगे। वहीं, संपूर्ण यातायात व्यवस्था अपर जिलाधिकारी इंद्राकांत द्विवेदी के जिम्मे रहेगी। जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी ने कहा कि दीपोत्सव में श्रद्धालुओं और अतिथियों की सुविधा तथा सुरक्षा प्राथमिकता है। सभी प्रमुख आयोजन स्थलों पर जिम्मेदारियां निर्धारित की गई हैं। संबंधित विभागों को समन्वय के साथ व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि आयोजन के दौरान किसी को असुविधा न हो।

# भूमिहीन परिवारों को मिला पांच डिसमिल जमीन का मालिकाना हक, विधायक ने सौंपा पर्चा

**पश्चिम चम्पारण ( हिंस )।** दिवाली के अवसर पर वाल्मीकिनगर विधानसभा क्षेत्र के भूमिहीन परिवारों को पांच-पांच डिसमिल जमीन का मालिकाना हक मिला है। विधायक सुरेंद्र प्रसाद कुशवाहा ने लाभुकों को जमीन का पर्चा सौंपा। उन्होंने कहा कि जरूरतमंदों तक सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समय पर पहुंचाना उनकी प्राथमिकता है। भूमिहीनों को जमीन का अधिकार दिलाना उनके सामाजिक सम्मान और सुरक्षा से जुड़ा विषय है। इसी क्रम में रामनगर विधानसभा क्षेत्र के अग्निकांड से प्रभावित 25 महादलित परिवारों को भी जमीन उपलब्ध कराने की पहल की गई है। इन परिवारों के घर आग लगने से जलकर राख हो गए थे। विधायक ने बगहा की एसडीएम चांदनी कुमारी से बातचीत कर पीड़ितों के पुनर्वास का मामला उठाया। एसडीएम चांदनी कुमारी ने आश्वासन दिया कि एक महीने के भीतर सभी 25 परिवारों को जमीन उपलब्ध करा दी जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि



जमीन आवंटित होने से पहले किसी भी पीड़ित परिवार को उनके वर्तमान आश्रय स्थल से विस्थापित नहीं किया जाएगा। इस पहल से अग्नि पीड़ित परिवारों को स्थायी आवास और सुरक्षित भविष्य की उम्मीद जगी है।



# धनतेरस के दिन सर्राफा बाजार में महंगा हुआ सोना, चांदी की भी बढ़ी चमक

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में धनतेरस के दिन शुरुआती कारोबार के दौरान जबरदस्त तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। भाव में उछाल आने के कारण चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना 2,950 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 3,220 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। वहीं चेन्नई में सोने के भाव में 2,850 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 3,110 रुपये प्रति 10 ग्राम की उछाल दर्ज की गई है। दूसरी ओर, लगातार चार दिन तक बिना बदलाव के एक ही भाव पर कारोबार करने के बाद चांदी ने भी तेजी दिखाई है। सर्राफा बाजार में हाजिर चांदी 10,200 रुपये प्रति किलोग्राम तक महंगी हो गई है।

भाव में बदलाव आने के कारण देश के अलग-अलग सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,46,030 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,46,180 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,33,860 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,34,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। दूसरी ओर, चांदी के भाव में भी तेजी आने के कारण यह चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,10,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,46,180 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,34,010 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,46,030 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,33,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,46,080 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,33,910 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,46,030 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,33,860 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,46,030 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,33,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,46,080 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,33,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,46,180 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,34,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,46,080 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,33,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। चंडीगढ़ में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,46,180 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,34,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,46,180 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,34,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोना मजबूती के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

## न्यूज ब्रीफ

### रायल एनफील्ड हिमालयन 750 जल्द होगी लान्च

**नई दिल्ली।** शक्तिशाली और महंगी बाइक निर्माता कंपनी रायल एनफील्ड ने अपनी नई हिमालयन 750 से पर्दा उठा दिया है। इसे नवंबर 2026 के आखिरी सप्ताह में आयोजित होने वाले मोटोवर्स कार्यक्रम के दौरान भारतीय बाजार में लान्च किए जाने की उम्मीद है। यह मोटरसाइकिल मौजूदा हिमालयन 450 से अधिक शक्तिशाली होगी, जिसमें नया 750 सीसी इंजन और लंबी दूरी की यात्रा के अनुकूल डिजाइन व खराब रास्तों पर बेहतर प्रदर्शन के लिए खास सुविधाएं दी गई हैं। रायल एनफील्ड हिमालयन 750 में कंपनी ने अपनी एडवेंचर मोटरसाइकिल श्रृंखला की मजबूत बनावट को बरकरार रखा है। इसमें बड़ा ईंधन टैंक, ऊंची सीट और चौड़ा ढांचा इसे पहले से अधिक दमदार रूप देता है। इसका अगला हिस्सा हिमालयन श्रृंखला की दूसरी मोटरसाइकिलों से मिलता-जुलता है, जबकि पिछले हिस्से में हिमालयन 450 जैसी डिजाइन देखने को मिलती है। इसे दोहरे रंगों के विकल्पों में पेश किया जा सकता है। इस मोटरसाइकिल की सबसे बड़ी खासियत इसका नया 750 सीसी पैरेलल-ट्विन इंजन है। कंपनी ने अभी इसकी अधिकतम शक्ति और टार्क के आधिकारिक आंकड़े जारी नहीं किए हैं, लेकिन जानकारों के अनुसार, यह इंजन 55 हार्सपावर से अधिक की शक्ति और 60 एनएम का अधिकतम टार्क पैदा कर सकता है। इसके साथ छह गियर वाला गियरबाक्स मिलने की उम्मीद है, जो राजमार्गों पर लंबी दूरी तय करने और पहाड़ी रास्तों पर बेहतर प्रदर्शन करने में मदद करेगा।




### सीएनजी गाड़ियां व्यावसायिक उपयोग के लिए बेहतर विकल्प



**नई दिल्ली।** ग्राहकों में हमेशा पेट्रोल, डीजल, सीएनजी और इलेक्ट्रिक विकल्पों में से सर्वश्रेष्ठ चुनने को लेकर असमंजस रहता है। बाजार में आजकल पट्रोल की बढती कीमत के कारण सीएनजी गाड़ियों की मांग सबसे ज्यादा है। विशेषज्ञों का मानना है कि भले ही इनकी शुरुआती कीमत पेट्रोल माडल से कुछ अधिक होती है, लेकिन रोजाना लंबी दूरी तय करने वाले लोग और टैक्सी चालक कम खर्च और बेहतर माइलेज के चलते इन्हें प्राथमिकता देते हैं। मारुति स्विफ्ट और अर्टिगा जैसी सीएनजी गाड़ियां व्यावसायिक उपयोग के लिए एक बेहतर विकल्प मानी जाती हैं। सीएनजी वाहनों की एक खासियत यह भी है कि इनमें पेट्रोल टैंक का विकल्प भी मिलता है, जिससे सीएनजी खत्म होने पर भी सफर जारी रखा जा सकता है, जो इन्हें इलेक्ट्रिक वाहनों से अलग बनाता है। जिन नौकरीपेशा लोगों की रोजाना की यात्रा कम होती है, उनके लिए पेट्रोल कारें एक अच्छा विकल्प हैं, क्योंकि उनकी शुरुआती लागत कम होती है। वहीं, गांव और देहात के लोग, तथा पहाड़ी इलाकों में सफर करने वाले ग्राहक आज भी डीजल गाड़ियों पर अधिक भरोसा करते हैं। इनकी बेहतर ताकत और कठिन रास्तों पर चलने की क्षमता के कारण बोलेरो और स्कार्पियो जैसे वाहन ग्रामीण क्षेत्रों में बेहद लोकप्रिय हैं। हालांकि, विशेषज्ञों का यह भी कहना है कि दिल्ली-एनसीआर जैसे कुछ क्षेत्रों में बीएस-4 डीजल वाहनों पर प्रतिबंध है, लेकिन पहाड़ी इलाकों में चढ़ाई के लिए इनका प्रदर्शन अब भी उपयोगी साबित होता है। इलेक्ट्रिक वाहनों को लेकर अभी भी ग्राहकों में थोड़ा संकोच है, जिसकी मुख्य वजह कई क्षेत्रों में पर्याप्त चार्जिंग स्टेशनों का उपलब्ध न होना है।

### रेनो अपनी पहली 7-सीटर एसयूवी उतारने की कर रही तैयारी



**नई दिल्ली।** 7-सीटर एसयूवी सेगमेंट में बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बीच भारतीय बाजार में रेनो अपनी पहली 7-सीटर एसयूवी उतारने की तैयारी कर रही है। संभावना जताई जा रही है कि यह गाड़ी अगले साल की शुरुआत में पेश की जा सकती है और इसे बोरेल या बिगस्टर नाम से जाना जा सकता है। जानकारों के अनुसार, रेनो की यह नई पेशकश देश की सबसे सस्ती 7-सीटर एसयूवी में से एक हो सकती है, जो मौजूदा स्कार्पियो और सफारी जैसी लोकप्रिय एसयूवी को कड़ी टक्कर देगी। इस एसयूवी का डिजाइन बिगस्टर कान्सेप्ट पर आधारित होगा और इसमें डस्टर की झलक देखने को मिल सकती है। इसमें स्लीक हेडलैम्प्स, वाई-आकार की एलईडी डीआरएल और एक मस्कुलर बम्पर शामिल होगा। टेस्टिंग के दौरान देखी गई तस्वीरों से पता चलता है कि यह डेशिया बिगस्टर से काफी मिलती-जुलती है। डायमेंशन के मामले में यह डस्टर से लंबी होगी, जिसका उद्देश्य तीसरी पंक्ति की सीटों के लिए पर्याप्त जगह बनाना है। केबिन के अंदर, इसमें 10.1-इंच की फ्रीस्टैंडिंग इंफोटेनमेंट स्क्रीन, 10.25-इंच का डिजिटल ड्राइवर डिस्प्ले, इलेक्ट्रिक और वेंटिलेटेड सीटें, पैनोरमिक सनरूफ, रियर एसी वेंट्स और आटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल जैसी आधुनिक सुविधाएं मिलेंगी।

# ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत एशिया में भी बिकवाली का दबाव

नई दिल्ली

**ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान बड़ी गिरावट के साथ बंद हुए थे। डाउ जोन्स फ्यूचर्स भी भारी बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला रुख देखने को मिला, जहां सूचकांकों में उतार-चढ़ाव होता रहा। ग्लोबल मार्केट की इस कमजोरी के बीच एशियाई बाजारों में भी सुबह से हाहाकार मचा हुआ है। एशिया के ज्यादातर प्रमुख बाजार में गिरावट दर्ज की गई है। हालांकि, इन चौतरफा नकारात्मक संकेतों के बीच भारतीय बाजार के लिए शुरुआती संकेत राहत देने वाले नजर आ रहे हैं।**




अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान भारी गिरावट का माहौल रहा। अमेरिकी कांग्रेस में डेमोक्रेट्स का नियंत्रण आने के बाद आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को लेकर कड़े नियम लागू होने के डर से निवेशकों में घबराहट फैल गई, जिसके कारण चिप बनाने वाली कंपनियों के शेयरों में भारी बिकवाली देखी गई। इस दबाव के चलते नैस्डैक कंपोजिट में पिछले 19 महीनों की सबसे बड़ी एक दिवसीय गिरावट दर्ज की गई। सत्र में नैस्डैक कंपोजिट 1,421.51 अंक यानी 5.52 प्रतिशत की भारी कमजोरी के साथ 24,315 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह एसएंडपी 500 इंडेक्स ने भी 334.89 अंक यानी 4.36 प्रतिशत की बड़ी गिरावट दर्ज करते हुए 7,353.73 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके साथ ही डाउ जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज भी 3.44 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 51,523.06 अंक के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, डाउ जोन्स फ्यूचर्स फिलहाल 474.46 अंक यानी 0.92 प्रतिशत टूट कर 51,048.60 अंक के स्तर पर लाल निशान में कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

अमेरिकी बाजार में मचे इस हाहाकार के बीच यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार होता हुआ दिखाई दिया। जर्मनी का डीएएक्स इंडेक्स 112.66 अंक यानी 0.43 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 26,325.01 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह ब्रिटेन के एफटीएसई इंडेक्स ने भी 46.55 अंक यानी 0.43 प्रतिशत की सुस्ती दिखाते हुए 10,782.66 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके विपरीत, फ्रांस का सीएसी इंडेक्स बिकवाली के इस दबाव से उबरने में कामयाब रहा और 27.48 अंक यानी 0.33 प्रतिशत की बढ़त दर्ज करते हुए 8,205.37 अंक के स्तर पर बंद हुआ। ग्लोबल मार्केट से मिल रहे इन नकारात्मक संकेतों के बीच सुबह एशियाई बाजार में भी चौतरफा बिकवाली का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। एशिया के नौ प्रमुख बाजार में से आठ के सूचकांक भारी गिरावट के साथ लाल निशान में पहुंचे हुए हैं, जबकि सिर्फ भारतीय बाजार के लिए शुरुआती संकेत देने वाले गिफ्ट निफ्टी में ही बढ़त देखी जा रही है। गिफ्ट निफ्टी वैश्विक मंदी के इस बड़े झटके के बावजूद सुबह मजबूती के साथ खड़ा नजर आ रहा है। फिलहाल यह सूचकांक 53.50 अंक यानी 0.22 प्रतिशत की बढ़त दिखाते हुए 24,653 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जो घरेलू बाजार के लिए अच्छे संकेत हैं। दूसरी ओर, जापान के शेयर बाजार में सुबह से ही जबरदस्त गिरावट का नजारा दिख रहा है, जहां निक्केई 225 इंडेक्स 3,887.90 अंक यानी 6.37 प्रतिशत की भारी-भरकम मंदी के साथ 57,190 अंक के स्तर पर आ गया है। दक्षिण कोरिया के कोस्पी इंडेक्स में भी बड़ी गिरावट का माहौल बना हुआ है, जहां चौतरफा बिकवाली के दबाव से फिलहाल यह सूचकांक 305.95 अंक यानी 5.68 प्रतिशत की जबरदस्त कमजोरी के साथ 5,077.85 अंक के स्तर पर फिसल गया है। इसी तरह ताईवान स्टाक एक्सचेंज पर भी जबरदस्त दबाव बना हुआ है। इस दबाव की वजह से ताईवान वेटेड इंडेक्स 2,015.08 अंक यानी 4.85 प्रतिशत लुढ़क कर 39,559.64 अंक के स्तर पर आ गया है। इंडोनेशिया के बाजार में भी बिकवाल पूरी तरह हावी नजर आ रहे हैं, जिसके कारण जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 96.98 अंक यानी 1.93 प्रतिशत की मंदी के साथ 4,933.28 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। चीन का शंघाई कंपोजिट इंडेक्स भी लाल निशान में फिसल गया है और फिलहाल यह सूचकांक 42.01 अंक यानी 1.14 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 3,647.90 अंक के स्तर पर बना हुआ है। हान्गकान्ग के शेयर बाजार में भी सुस्ती का रुख हावी है, जहां हैंगसेंग इंडेक्स फिलहाल 274.98 अंक यानी 1.12 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,522 अंक के स्तर पर आ गया है। इसके अलावा थाईलैंड का सेट कंपोजिट इंडेक्स 16.88 अंक यानी 1.13 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,481.11 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि सिंगापुर का स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स भी हल्के दबाव के बीच 7.20 अंक यानी 0.14 प्रतिशत की सांकेतिक सुस्ती दिखाते हुए 5,172.26 अंक के स्तर पर बना हुआ है।

# रात में 3 और दिन में 5 रुपए में तय की जाए ईवी चार्जिंग यूनिट: गडकरी




नई दिल्ली

**पेट्रोल कारों से हजारों की बचत का दावा, वैकल्पिक ईंधनों पर भी सरकार का जोर**

पेट्रोल और डीजल की लगातार बढ़ती कीमतों के बीच इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) को अपनाने की रफ्तार तेज करने के लिए केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने एक बड़ा प्रस्ताव दिया है। उन्होंने सुझाव दिया है कि इलेक्ट्रिक वाहनों की चार्जिंग के लिए रात में 3 रुपये प्रति यूनिट और दिन में 5 रुपये प्रति यूनिट बिजली की दर तय की जाए।

इस कदम का उद्देश्य इलेक्ट्रिक वाहनों को आम जनता के लिए और अधिक किफायती बनाना और उनकी पहुंच बढ़ाना है। इस प्रस्ताव से इलेक्ट्रिक वाहन चलाना लोगों के लिए बेहद किफायती हो जाएगा। गडकरी के अनुमान के अनुसार यदि एक इलेक्ट्रिक कार एक यूनिट बिजली में 5 किलोमीटर चलती है, तो 1,000 किलोमीटर की दूरी तय करने में उसे मात्र 200 यूनिट बिजली की आवश्यकता होगी। रात में 3 रुपये प्रति यूनिट की दर से यह खर्च केवल 600 रुपये बैठेगा।

इसकी तुलना में, 15 किलोमीटर प्रति लीटर का माइलेज देने वाली पेट्रोल कार से इतनी ही दूरी तय करने पर मुंबई के अनुमानित पेट्रोल दरों के अनुसार करीब 7,414 रुपये खर्च होंगे। यह आंकड़ा स्पष्ट करता है कि इलेक्ट्रिक कार से लगभग 6,814 रुपये की भारी बचत हो सकती है।

मंत्री ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री को भी इसी तरह के अलग-अलग दरों का सुझाव दिया है, जिसमें दिन के समय सौर ऊर्जा का उपयोग करने और रात में सस्ती दरों पर बिजली उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया है। सरकार की इलेक्ट्रिक वाहन नीति को बढ़ावा देने में लिथियम-आयन बैटरी की गिरती कीमतें भी अहम भूमिका निभा रही हैं, जो पहले 150 डालर प्रति किलोवाट घंटा थी और अब घटकर करीब 50 डालर रह गई हैं। इलेक्ट्रिक वाहनों के अलावा, सरकार इथेनाल और हाइड्रोजन जैसे वैकल्पिक ईंधनों को भी तेजी से बढ़ावा दे रही है।

गडकरी ने बताया कि 100 प्रतिशत बायोइथेनाल से चलने वाली टोयोटा इनोवा का उपयोग करने का खर्च पेट्रोल के 25 रुपये प्रति लीटर के बराबर आता है।

### टीवीएस ने लान्च की अपाचे आरटीआर 125 बाइक



**नई दिल्ली।** दोपहिया वाहन निर्माता टीवीएस मोटर कंपनी ने अपनी नई 125 सीसी नेकेड मोटरसाइकिल, अपाचे आरटीआर 125 लान्च की है। इसमें फ्लैट हैंडलबार और नकल गार्ड्स के साथ स्प्लिट सीट सेटअप भी शामिल है, जो इसे मौजूदा सेगमेंट में सबसे दमदार और आक्रामक लुक वाली बाइक्स में से एक बनाता है। यह बाइक अपने शार्प बाडीवर्क, आक्रामक फ्रंट फेस और स्पोर्टी डिजाइन के साथ 125 सीसी सेगमेंट में अपनी अलग पहचान बनाती है। कंपनी ने मुख्य रूप से इसे यूरोपीय बाजारों के लिए तैयार किया है, हालांकि भविष्य में भारत में इसके लान्च की संभावना को भी पूरी तरह से खारिज नहीं किया गया है। यह स्पोर्टी बाइक 125 सीसी के फोर-वाल्व, लिक्विड-कूल्ड, डीओएचसी इंजन से लैस है, जो 14.7 बीएचपी की दमदार शक्ति 9,000 आरपीएम पर और 12 न्यूटन मीटर का टार्क 7,000 आरपीएम पर उत्पन्न करता है। इसे 6-स्पीड गियरबाक्स, असिस्ट एंड स्लिपर क्लच, स्टील ट्रेलीस फ्रेम और कास्ट स्विंगआर्म के साथ जोड़ा गया है, जिससे युवा राइडर्स को बेहतर परफार्मेंस और हैंडलिंग मिलती है।

# टाटा ट्रस्ट में घमासान: मेहली मिस्त्री ने न्यासी पद से हटाने को दी चुनौती, नोएल टाटा छोड़ेंगे टाइटन का बोर्ड

नई दिल्ली

टाटा समूह के दिवंगत चेयरमैन रतन टाटा के करीबी सहयोगी रहे मेहली मिस्त्री ने उन्हें न्यासी (ट्रस्टी) पद से हटाए जाने के फैसले को चैरिटी कमिश्नर के समक्ष चुनौती दी है। पिछले साल 23 अक्टूबर को मेहली को सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट (एसडीटीटी) और बाई हीराबाई जमशेदजी टाटा नवसारी चैरिटेबल इंस्टीट्यूशन के ट्रस्टी पद से हटा दिया गया था। हितों के टकराव का मामला उठाया: एसडीटीटी और सर रतन टाटा ट्रस्ट (एसआरटीटी) ने ट्रस्ट के संचालन के तौर-तरीकों और हितों के टकराव से जुड़े मामलों को चुनौती देने के मेहली के कानूनी अधिकार पर भी सवाल उठाए थे।

### मूल डीड में कार्यकाल की सीमा नहीं

मिस्त्री ने जवाबी हलफनामों में न्यासों के खिलाफ अपनी आपत्तियां दोहराते हुए कहा कि मूल डीड में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है, जो ट्रस्टी का कार्यकाल तीन साल तक सीमित करता हो। उन्होंने सवाल उठाया कि चेयरमैन नोएल टाटा को जो लाभ मिला, वह उन्हें क्यों नहीं दिया गया।

### तीन ट्रस्टियों ने प्रस्ताव का समर्थन नहीं किया

मिस्त्री ने दावा किया कि नोएल टाटा, वेणु श्रीनिवासन और विजय सिंह ने उन्हें ट्रस्टी पद से हटाने संबंधी प्रस्ताव को मंजूरी नहीं दी थी, जबकि जिमी एन. टाटा ने इस पर कोई जवाब नहीं दिया था।




### टाइटन के निदेशक पद से इस्तीफा देंगे नोएल

12 नवंबर से प्रभावी होगा फैसला: टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल एन. टाटा 12 नवंबर, 2026 से आभूषण और घड़ी निर्माता कंपनी टाइटन कंपनी लिमिटेड के निदेशक और वाइस चेयरमैन पद से सेवानिवृत्त हो जाएंगे। यह कदम टाटा समूह के संचालन संबंधी दिशानिर्देशों के तहत उठाया गया है। टाइटन ने एक नियामक फाइलिंग में यह जानकारी दी। 69 वर्षीय नोएल टाटा पहले ही टाटा समूह की कई अन्य कंपनियों के बोर्ड से हट चुके हैं।

# बदली अमेरिकी कांग्रेस, अब भारत के पास बेहतर व्यापार समझौते का सुनहरा मौका

नई दिल्ली

**अमेरिका में हुए मध्यावधि चुनावों के नतीजों ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के समीकरणों में एक नया मोड़ ला दिया है। विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी द्वारा प्रतिनिधि सभा पर नियंत्रण हासिल करने से भारत के लिए अधिक संतुलित व्यापार समझौते की बातचीत की गुंजाइश बन सकती है। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने कार्यकाल में तत्काल सफलता के लिए भारत पर त्वरित समझौते हेतु दबाव बढ़ा सकते हैं, जिससे स्थिति और जटिल हो गई है।**

### भारत के लिए अधिक संतुलित व्यापार समझौते की बातचीत की बन सकती है गुंजाइश

डेमोक्रेट्स का प्रतिनिधि सभा पर नियंत्रण राष्ट्रपति ट्रंप की व्यापार नीतियों पर अमेरिकी संसद की निगरानी बढ़ाएगा और एकतरफा शुल्क लगाने की उनकी क्षमता को सीमित करेगा। हालांकि, यह अमेरिका की व्यापक संरक्षणवादी नीति में तत्काल बदलाव नहीं लाएगा। विशेषज्ञ बताते हैं कि ट्रंप धारा 232 और 301 जैसी मौजूदा शक्तियों के साथ-साथ कार्यकारी आदेशों का उपयोग करके एकतरफा व्यापार दबाव बनाना जारी रखेंगे।

रूस, चीन और ईरान पर विदेश नीति में अपेक्षित सफलता न मिलने के बाद, ट्रंप को एक त्वरित जीत की आवश्यकता है। ऐसे में वे अमेरिकी कृषि और औद्योगिक उत्पादों के लिए भारतीय बाजार तक पहुंच सुनिश्चित करने हेतु भारत पर जल्द व्यापार समझौते के लिए दबाव बढ़ा सकते हैं। दूसरी ओर, विशेषज्ञों का मानना है कि बदलती कांग्रेस संरचना और डेमोक्रेट्स द्वारा एकतरफा शुल्कों का विरोध करने के कारण भारत के पास अब एकतरफा व्यापार समझौते के खिलाफ सख्त रुख अपनाने का बेहतर अवसर है।



वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल पहले ही कह चुके हैं कि भारत केवल तभी समझौता करेगा जब उसे अपने प्रतिस्पर्धी देशों के मुकाबले शुल्क में बढ़त मिलेगी। विश्लेषकों के अनुसार, भारत को स्पष्ट और लागू किए जा सकने वाले पारस्परिक रियायतों, विश्व व्यापार संगठन के नियमों के अनुरूप समझौते और अपनी ऊर्जा सुरक्षा व विकास प्राथमिकताओं की रक्षा करने की पूरी स्वतंत्रता पर जोर देना चाहिए।



# आईएसएल में खराब शुरुआत के बाद मैनोलो मार्केज ने छोड़ा मुंबई सिटी एफसी का साथ

मुंबई

**इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2026-27 सत्र में खराब शुरुआत के बाद मुंबई सिटी एफसी और पूर्व भारतीय कोच मैनोलो मार्केज ने आपसी सहमति से अलग होने का फैसला किया है। क्लब ने इसकी आधिकारिक घोषणा की। मार्केज इससे पहले हैदराबाद एफसी और भारतीय राष्ट्रीय फुटबाल टीम के मुख्य कोच रह चुके हैं।**

मुंबई सिटी ने इस सत्र में अपने अभियान की शुरुआत चर्चिल ब्रदर्स के खिलाफ हार के साथ की थी। इसके बाद घरेलू मैदान पर स्पोर्टिंग क्लब दिल्ली ने उसे चौंका दिया। टीम अपने अन्य दो मुकाबलों में केरल ब्लास्टर्स और पंजाब एफसी के खिलाफ ड्रा खेलने में सफल रही।

क्लब के फुटबाल निदेशक सुजय शर्मा ने एक आधिकारिक बयान में कहा, इस सत्र में आईएसएल के प्रत्येक क्लब की तरह हम भी भारतीय फुटबाल के एक नए दौर से गुजर रहे हैं। कई मायनों में यह भारतीय फुटबाल के शीर्ष स्तर के लिए एक नई शुरुआत है।

उन्होंने आगे कहा, हम मैनोलो को भारतीय फुटबाल में उनके अनुभव और उपलब्धियों को देखते हुए क्लब में लेकर आए थे। अब हमारा पूरा ध्यान पहली टीम को समर्थन देने और मौजूदा सत्र के अपने लक्ष्यों को हासिल करने पर है। टीम और कोचिंग व्यवस्था से जुड़ी आगे की जानकारी उचित समय पर क्लब के आधिकारिक माध्यमों से साझा की जाएगी।

मार्केज ने 2022 में हैदराबाद एफसी को पहली और अब तक की एकमात्र आईएसएल खिताबी जीत दिलाई थी। इसके बाद उन्होंने एफसी गोवा को 2025 और 2025-26 सत्र में लगातार दो सुपर कप खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई। हालांकि, मुंबई सिटी के साथ उनका कार्यकाल उम्मीद के मुताबिक शुरू नहीं हुआ।

चर्चिल ब्रदर्स के खिलाफ शुरुआती मुकाबले में हार के बाद मार्केज ने टीम की तैयारी के लिए पर्याप्त प्री-सीजन मैच नहीं मिलने पर नाराजगी जताई थी। मैच के बाद प्रसारकों से बातचीत में स्पेनिश कोच ने कहा था, हमारा प्री-सीजन मजाक था। क्लब एक भी मजबूत मुकाबले का आयोजन नहीं कर पाया। हमने जो भी मैच खेले, वे सभी एक तरह से झूठ थे। किसी मजबूत टीम के खिलाफ यह हमारा पहला मुकाबला था और दुर्भाग्य से हम हार गए।

मुंबई सिटी से अलग होने के साथ ही भारतीय फुटबाल में मार्केज का लगातार छह वर्षों से चला आ रहा कोचिंग कार्यकाल भी समाप्त हो गया है। इस दौरान उन्होंने क्लब स्तर पर कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल कीं और कुछ समय के लिए भारतीय राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच की जिम्मेदारी भी संभाली। भारतीय टीम के साथ उनके संक्षिप्त कार्यकाल में ब्लू टाइगर्स ने एक अंतरराष्ट्रीय मैत्री मुकाबले में मालदीव को हराया था। हालांकि, प्रतिस्पर्धी मुकाबलों में जीत नहीं मिलने के कारण अंततः उन्होंने आपसी सहमति से भारतीय टीम का पद छोड़ दिया था।

## न्यूज ब्रीफ

### युवा ओलंपिक में तन्वी पत्री ने जीता रजत पदक, फाइनल में चीन की झांग यी शिन से हारीं

डकार। भारत की तन्वी पत्री को युवा ओलंपिक खेल 2026 की बैडमिंटन महिला एकल स्पर्धा के फाइनल में रजत पदक से संतोष करना पड़ा।




खिताबी मुकाबले में उन्हें चीन की मौजूदा विश्व जूनियर चैंपियन झांग यी शिन के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। तन्वी ने पहले गेम में शुरुआती लय हासिल करने में थोड़ा समय लिया, लेकिन इसके बाद लगातार सात अंक जीतकर 3-5 से 10-5 की बढ़त बना ली। उनके पंच टास और नेट पर शानदार नियंत्रण ने झांग को दबाव में रखा। भारतीय खिलाड़ी ने 25 मिनट में पहला गेम अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में तन्वी ने 4-0 की बढ़त के साथ अच्छी शुरुआत की। हालांकि, कोर्ट के पीछे से आने वाले हवा के रुख के कारण उनके विलयर शाट्स पर नियंत्रण प्रभावित हुआ। मध्यांतर के बाद झांग ने मुकाबले पर पकड़ मजबूत की और दूसरा गेम जीतकर मुकाबले को निर्णायक गेम में पहुंचा दिया। निर्णायक गेम में झांग ने अपने क्रास-कोर्ट ड्राप शाट्स के दम पर शुरुआत से ही बढ़त बना ली और स्कोर 19-10 तक पहुंचा दिया। तन्वी ने हार नहीं मानी और लगातार अंक जुटाते हुए अंतर 19-15 कर दिया। हालांकि, भारतीय खिलाड़ी के एक क्रास-कोर्ट स्मैश के बाहर जाने से झांग को पांच मैच प्वाइंट मिल गए। तन्वी ने शानदार संघर्ष करते हुए पांचों मैच प्वाइंट बचा लिए और स्वर्ण पदक जीतने के लिए तीन मौके भी बनाए। लेकिन झांग के अधिक अनुभव ने अंततः निर्णायक भूमिका निभाई और उन्होंने खिताब अपने नाम कर लिया। इस रजत पदक के साथ तन्वी युवा ओलंपिक में बैडमिंटन पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बन गईं।

### जयपाल मालवीय ने विश्व चैंपियनशिप में जीता रजत, भारत को मिला पहला ओलंपिक कोटा

दोहा। भारतीय निशानेबाज जयपाल मालवीय ने आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप में पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा का रजत पदक जीतकर देश को लास एंजिलिस ओलंपिक-2028 का पहला कोटा दिलाया। उन्होंने लुसैल शूटिंग काम्प्लेक्स में शानदार प्रदर्शन करते हुए 24 शाट के फाइनल में 242.2 अंक हासिल किए और दूसरा स्थान प्राप्त किया। इस स्पर्धा में ओलंपिक के तीन कोटा दांव पर थे। चीन के हू काई ने 243.9 अंकों के साथ स्वर्ण पदक और पहला कोटा हासिल किया। चेक गणराज्य के जिद्रिच डुबोवी 220.9 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहे और उन्होंने तीसरा ओलंपिक कोटा अपने नाम किया। जयपाल के रजत पदक के साथ भारत को दूसरा कोटा मिला। जयपाल ने फाइनल की शुरुआत से ही पदक की दौड़ में अपनी जगह बनाए रखी। उन्होंने पहली सीरीज में 50.5 और दूसरी सीरीज के बाद कुल 100 अंक हासिल किए। एलिमिनेशन दौर में भी उनका निशाना लगातार सटीक रहा। उन्होंने 10.8 और 10.7 जैसे शानदार शाट लगाए। अंतिम चरण में दबाव के बावजूद संयम बनाए रखते हुए उन्होंने डुबोवी को पीछे छोड़ा और रजत पदक पक्का किया। इससे पहले दिन के सत्र में भारतीय महिला 10 मीटर एयर पिस्टल टीम ने भी रजत पदक जीतकर देश को दोहरी खुशी दी। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर, सुरुचि इंदर सिंह और सायन्यम की तिकड़ी ने कुल 1738 अंक और 61 इनर-10 के साथ दूसरा स्थान हासिल किया।



### सिराज की उपेक्षा से उठे सवाल , कहीं 2027 एकदिवसीय विश्वकप की योजनाओं से तो बाहर नहीं हुए

आकलैंड। तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को न्यूजीलैंड के खिलाफ आकलैंड में खेले गए पहले एकदिवसीय मुकाबले के लिए भारतीय टीम में जगह नहीं मिलने से जहां प्रशंसकों को हैरानी हुई वहीं इससे कुछ सवाल भी उठने लगे हैं। जसप्रीत बुमराह के इस सीरीज में नहीं खेलने से सिराज ही सबसे अनुभवी गेंदबाज हैं। फिर भी उन्हें अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिलने से आशंका हो रही है कि कहीं उन्हें अगले एकदिवसीय विश्वकप के लिए टीम योजनाओं से बाहर तो नहीं रखा जा रहा। ये भी सवाल उठ रहा है कि क्या टीम प्रबंधन अब भविष्य की योजनाओं में नए तेज गेंदबाजों को प्राथमिकता दे रहा है और सिराज की अहमियत कम होती जा रही है यह स्थिति एक ऐसे खिलाड़ी के लिए है जो पिछले कई वर्षों से भारतीय तेज गेंदबाजी आक्रमण का हिस्सा रहा है। गौरतल है कि सिराज ने तीनों प्रारूपों में भारत का प्रतिनिधित्व किया है और 2023 एकदिवसीय विश्व कप में भी टीम के सदस्य थे, जहां उन्होंने अपनी सटीक गेंदबाजी और विकेट लेने की क्षमता से अहम योगदान दिया था। इसके बावजूद, उन्हें हाल के एकदिवसीय मुकाबलों में नियमित अवसर नहीं मिल रहे हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले मैच में उनकी जगह आकिब नबी, अंशुल कंबोज, गुरनूर बरार और अर्शदीप सिंह जैसे अनकैप्ड युवा गेंदबाजों को मौका दिया गया, जिसने उनकी भूमिका और टीम में उनकी स्थिति पर सवालिया निशान लगने लगे हैं।



# प्रीमियर लीग में कोई मुकाबला आसान नहीं, एक चूक भी पड़ सकती है भारी : चेल्सी कोच शाबी अलोंसो

नई दिल्ली

**चेल्सी ने इंग्लिश प्रीमियर लीग के मौजूदा सत्र में अच्छी शुरुआत की है। टीम नौ मुकाबलों में 16 अंक लेकर अंक तालिका में चौथे स्थान पर है। चेल्सी के मुख्य कोच शाबी अलोंसो ने जियोस्टार को दिए एक साक्षात्कार में लीग की प्रतिस्पर्धा, टीम की रक्षात्मक कमजोरियों और कोल पामर की सर्वश्रेष्ठ पोजीशन को लेकर अपने विचार साझा किए।**

अलोंसो ने कहा कि प्रीमियर लीग बेहद चुनौतीपूर्ण प्रतियोगिता है और यहां कोई भी मुकाबला आसान नहीं होता। उन्होंने कहा, चेल्सी से जुड़ने से पहले मुझे इस लीग की चुनौती का अंदाजा था, लेकिन यहां आने के बाद सभी टीमों और खिलाड़ियों का स्तर देखने को मिला। हर मुकाबला एक नई परीक्षा होता है। आप हर सप्ताह ऐसी टीम के खिलाफ खेलते हैं, जो या तो खिताब की दौड़ में होती है या फिर लीग में बने रहने के लिए संघर्ष कर रही होती है। इस लीग में एक पल के लिए भी ध्यान नहीं हटा सकते, क्योंकि यहां की गुणवत्ता आपकी छोटी सी चूक की सजा देगी।

उन्होंने कहा कि इस चुनौती के कारण टीम को हर मुकाबले के लिए पूरी एकाग्रता के साथ तैयारी करनी पड़ती है। कोचिंग स्टाफ को प्रत्येक प्रतिद्वंद्वी का बारीकी से विश्लेषण करना होता है और खिलाड़ियों को मानसिक तथा शारीरिक रूप से तैयार रखना पड़ता है। कार्यक्रम व्यस्त जरूर है, लेकिन यही इस प्रतियोगिता की चुनौती भी है। चेल्सी के पास अच्छी गुणवत्ता और गहराई वाला दल है, जिसका पूरे सत्र में सही इस्तेमाल करना होगा।

#### रक्षात्मक प्रदर्शन में सुधार की जरूरत

टीम की रक्षात्मक कमजोरियों पर अलोंसो ने कहा कि अधिक गोल गंवाने के पीछे कोई एक कारण नहीं है, लेकिन यह ऐसा क्षेत्र है जिसमें टीम निश्चित रूप से सुधार करना चाहती है। उन्होंने कहा, हम इस दिशा में काम कर रहे हैं और टीम लगातार विकसित हो रही है। हमें मुकाबलों में बेहतर प्रदर्शन करना होगा और कम गोल गंवाना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। हमने मैदान पर अपनी संरचना और गेंद के बिना खिलाड़ियों की पोजीशनिंग पर काम किया है।

उन्होंने कहा कि टीम ने कई गोल छोटी-छोटी गलतियों के कारण गंवाए हैं, न कि इसलिए कि विरोधी टीम ने उसकी रक्षापंक्ति को पूरी तरह भेद दिया। यह सकारात्मक बात है, क्योंकि इन गलतियों को सुधारा जा सकता है। टीम को एक इकाई के रूप में अधिक संगठित होना होगा, व्यक्तिगत मुकाबलों में बेहतर प्रदर्शन करना होगा और अंतिम क्षेत्र में सही फैसले लेने होंगे।

अलोंसो ने कहा कि रक्षात्मक जिम्मेदारी केवल चार डिफेंडरों की नहीं होती। इसकी शुरुआत अग्रिम पंक्ति से होती है, जहां खिलाड़ियों को दबाव बनाने और पीछे लौटकर मदद करने की जरूरत होती है। हर मैच में गोल गंवाने से बचना शायद संभव न हो, लेकिन कम गोल गंवाना निश्चित रूप से संभव है। पूरी टीम के बेहतर तालमेल से क्लीन शीट हासिल करने में मदद मिलेगी।

#### आक्रमण में आजादी के साथ अनुशासन भी जरूरी

अलोंसो ने कहा कि आक्रमण करने वाले खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने की आजादी मिलनी चाहिए, लेकिन इसके साथ अनुशासन भी जरूरी है। उन्होंने कहा, यह सिर्फ आक्रमण की आजादी देने का मामला नहीं है। खिलाड़ियों को यह समझना होगा कि टीम को किस समय क्या चाहिए। जब आक्रमण करने वाले खिलाड़ी अपने खेल का आनंद लेते हैं, तो टीम बेहतर प्रदर्शन करती है और जीत की संभावना भी बढ़ती है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि उन्हें बिना किसी योजना के खेलने की छूट हो।

उन्होंने कोल पामर, मार्गन रोजर्स, जोआओ पेड्रो और एस्टेवाओ को टीम के लिए महत्वपूर्ण खिलाड़ी बताया। उनके मुताबिक कुछ खिलाड़ी टीम को स्थिरता देते हैं, जबकि कुछ खिलाड़ी अपने कौशल से मैच में अंतर पैदा करते हैं। टीम को इन दोनों पहलुओं के बीच संतुलन बनाकर रखना होगा।

#### पामर के लिए केंद्रीय आक्रामक मिडफील्डर की भूमिका उपयुक्त

कोल पामर की सर्वश्रेष्ठ पोजीशन के बारे में अलोंसो ने कहा कि उनके लिए पामर की सबसे अच्छी भूमिका केंद्रीय आक्रामक मिडफील्डर की है। उन्होंने कहा, जब कोल को अग्रिम पंक्ति और विरोधी टीम की रक्षापंक्ति के बीच गेंद मिलती है, तो वह आखिरी पास देने, डिफेंडरों को छकाने, गोल करने और सही समय पर दौड़ लगाने में सक्षम होते हैं। विरोधी टीम को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाने की उनकी क्षमता इसी क्षेत्र में नजर आती है।

अलोंसो ने कहा कि पामर को सही जगह पर गेंद पहुंचाना जरूरी है। मिडफील्डरों और डिफेंडरों को तेजी से उन क्षेत्रों में उन्हें गेंद देनी होगी, जहां वह अपने कौशल का इस्तेमाल कर सकें। उन्होंने कहा कि पामर केवल गोल करने और मौके बनाने में ही नहीं, बल्कि गेंद के बिना भी मेहनत करते हैं। वह जगह बंद करने और खेल को जोड़ने में टीम की मदद करते हैं, जो संतुलन के लिए महत्वपूर्ण है।

#### रविवार को सुंदरलैंड से भिड़ेगी चेल्सी

चेल्सी की टीम रविवार, 8 नवंबर को प्रीमियर लीग में सुंदरलैंड का सामना करेगी। यह मुकाबला भारतीय समयानुसार शाम 7:30 बजे से जियोहाटस्टार और स्टार स्पोर्ट्स पर सीधा प्रसारित होगा।

# हार्दिक अगले एक सत्र तक आईपीएल में कप्तान न करें : रायुडू




मुम्बई

आलराउंडर हार्दिक पांड्या के आईपीएल 2027 में मुम्बई इंडियंस छोड़कर चेन्नई सुपरकिंग्स या पंजाब जाने की अटकलों के बीच ही पूर्व भारतीय बल्लेबाज अंबाती रायुडू ने कहा है हार्दिक जिस भी टीमें में जायें ध्यान रखें कि अगले एक सत्र तक कप्तानी से दूर रहें। रायुडू के अनुसार हार्दिक के लिए सुपर किंग्स या पंजाब किंग्स में जाना बेहतर विकल्प रहेगा पर उन्हें कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) में नहीं जाना चाहिये। इसका कारण है कि केकेआर को अभी कप्तान की जरूरत है और पांड्या अगर वहां जाते हैं तो उन्हें कप्तानी संभालनी पड़ेगी जिससे उनपर अनावश्यक बोझ आ जाएगा। अभी जिस स्थिति में वह है उसमें टीम की जिम्मेदारी संभालना हार्दिक के लिए आसान नहीं होगा। इसके विपरीत, रायुडू का मानना है कि चेन्नई या पंजाब में हार्दिक पर कप्तान का भार नहीं रहेगा जिससे वह अपने खेल पर ही ध्यान दे सकेंगे।

रायुडू ने पिछले आईपीएल सत्र में मुंबई इंडियंस के ड्रेसिंग रूम में हार्दिक की कमजोर स्थिति को लेकर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि हार्दिक वहां अपने को एक कोने में धकेला हुआ महसूस कर रहे थे। इस तरह की असहजता का असर खिलाड़ी के व्यवहार और मैदान पर उसके प्रदर्शन पर भी पड़ सकता है। साथ ही कहा कि जब ड्रेसिंग रूम का माहौल सही नहीं होता, तो खिलाड़ी कई बार ऐसे तरीके से प्रतिक्रिया दे सकता है, जैसा वह स्वयं भी नहीं चाहता। रायुडू ने संकेत दिया कि हार्दिक के लिए मुंबई में कई चीजें सही नहीं रहीं, जिसके लिए उनकी अपनी गलतियां भी हो सकती हैं या कुछ अन्य कारण भी।वहीं रायुडू ने साफ किया कि अगर हार्दिक पांड्या मुंबई इंडियंस के साथ बने रहते हैं, तब भी उन्हें कप्तानी की भूमिका नहीं निभानी चाहिए।

उनका सुझाव है कि हार्दिक को केवल अपने खेल पर ध्यान देना चाहिए, समय का आनंद लेना चाहिए और मुंबई के लिए एक मैच विजेता के तौर पर प्रदर्शन करना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि अगर हार्दिक किसी दूसरी टीम में भी जाते हैं, तो कम से कम एक सत्र के लिए उन्हें कप्तानी से दूर रहना चाहिए ताकि वे नए माहौल में सहज हो सकें और अपने खेल को निखार सकें।हालांकि, इन चर्चाओं और रायशुमारी के बीच हार्दिक के ट्रेड को लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। गौरतलब है कि हार्दिक पांड्या आईपीएल 2026 के बाद से कोई प्रतिस्पर्धी मुकाबला नहीं खेले हैं।

### 12 नवंबर से हरियाणा में होगी अंतरराष्ट्रीय गोल्फ चैंपियनशिप



**नई दिल्ली।** भारत में अब गोल्फ की एक बड़ी अंतरराष्ट्रीय चैम्पियनशिप का आयोजन होने जा रहा है। जिससे इस खेल के प्रशंसकों को अब दुनियाभर के दिग्गज खिलाड़ियों को देखने का अवसर मिलेगा। हरियाणा के नूंह में स्थित तरुधन वैली में 12 नवंबर से इंडिया इंटरनेशनल पिच एंड पट ओपन गोल्फ-2026 का आयोजन होगा। इस प्रतियोगिता में 14 देशों के 56 विदेशी खिलाड़ियों के साथ ही 16 भारतीय खिलाड़ियों सहित कुल 72 गोल्फर भाग लेंगे। भारत के 16 खिलाड़ी इसमें उतरेंगे इस आयोजन को पिच एंड पट की वैश्विक संस्था फेडरेशन आफ इंटरनेशनल पिच एंड पट एसोसिएशंस (एफआईपीपीए) की मान्यता मिली है, जिससे इसका अंतरराष्ट्रीय महत्व और बढ़ गया है। इस टूर्नामेंट में भारतीय खिलाड़ियों को भी विदेशी गोल्फरों के साथ प्रतिस्पर्धा करने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अच्छा अवसर मिलेगा। 14 देशों के खिलाड़ियों के शामिल होने से देश में इस खेल की लोकप्रियता भी बढ़ेगी। इसी को देखते हुए इंडियन पिच एंड पट एसोसिएशन (आईपीपीए) के अध्यक्ष मुनीष अरोड़ा ने कहा कि 14 देशों के खिलाड़ियों की भागीदारी भारत में पिच एंड पट की बढ़ती लोकप्रियता को दिखाती है।

# कोकीन सेवन के मामले में क्रिस लिन पर लगा था एक महीने का प्रतिबंध, पुनर्वास कार्यक्रम भी पूरा किया

नई दिल्ली

आस्ट्रेलिया के टी20 बल्लेबाज क्रिस लिन को इंग्लैंड में जुलाई में खेले गए टी20 ब्लास्ट फाइनल्स डे के बाद कोकीन सेवन के मामले में एक महीने के निलंबन का सामना करना पड़ा था। इंग्लैंड के क्रिकेट नियामक ने पुष्टि की है कि 36 वर्षीय लिन ने इसके बाद नशामुक्ति और पुनर्वास कार्यक्रम भी पूरा कर लिया है। ईएसपीएनक्रिकइन्फो की रिपोर्ट के अनुसार, लिन ने प्रतिबंध की अवधि पूरी कर ली है।

लिन का 18 जुलाई को नियमित डोपिंग परीक्षण किया गया था। इसी दिन नार्थम्पटनशायर ने फाइनल्स डे के मुकाबले जीतकर तीसरी बार टी20 ब्लास्ट का खिताब अपने नाम किया था। लिन ने उस दिन खेले गए दो मुकाबलों में 39 और चार रन बनाए थे।

इसके बाद उनका मूत्र नमूना जांच के लिए फ्रांस की एक प्रयोगशाला में भेजा गया, जहां उसमें बेंजोइलएक्गोनिन पाया गया। यह कोकीन के सेवन के बाद शरीर में बनने वाला एक मेटाबोलाइट है।

टी20 ब्लास्ट के तुरंत बाद लिन लंका प्रीमियर लीग में खेलने के लिए श्रीलंका रवाना हो गए थे। हालांकि, गाल ग्लैडिएटर्स के लिए केवल एक मैच खेलने के बाद 29 जुलाई को पैर में अज्ञात



चोट के कारण उन्हें टूर्नामेंट से बाहर कर दिया गया। इसके दो दिन बाद क्रिकेट नियामक ने उन्हें उनके नमूने में प्रतिकूल विश्लेषणात्मक परिणाम मिलने की जानकारी दी और अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया। करीब तीन सप्ताह बाद लिन ने कोकीन सेवन की बात स्वीकार कर ली। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह घटना किसी खेल प्रतियोगिता के दौरान नहीं हुई थी और इसका उनके क्रिकेट प्रदर्शन से कोई संबंध नहीं था। लिन ने बताया कि उन्होंने 15 जुलाई 2026 की शाम से 16 जुलाई की सुबह तक कई घंटों के दौरान इस पदार्थ का सेवन किया था। इससे पहले उसी शाम नार्थम्पटनशायर की ग्लास्टरशायर के खिलाफ क्वार्टर फाइनल जीत के दौरान डुआन जानसन की कम ऊंचाई वाली फुलटास गेंद पैर पर लगने के बाद वह रिटायर्ड हर्ट हो गए थे।

क्रिकेट नियामक ने शुरुआत में इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड के डोपिंग रोधी नियमों के दो प्रावधानों के तहत लिन पर आरोप लगाए थे। हालांकि, बाद में एक आरोप हटा दिया गया, क्योंकि उनके मूत्र नमूने में कोकीन की मात्रा विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी के नियमों के तहत आरोप लगाने के लिए निर्धारित न्यूनतम सीमा से कम पाई गई।

नियामक ने शुरुआत में तीन महीने के प्रतिबंध पर विचार किया था, लेकिन लिन द्वारा नशे के दुरुपयोग से निपटने के लिए उपचार कार्यक्रम पूरा करने की पुष्टि के बाद इसे घटाकर एक महीने कर दिया गया। उनका पुनर्वास कार्यक्रम 30 अगस्त को पूरा माना गया, जो उनके अस्थायी निलंबन की शुरुआत के एक महीने बाद की तारीख थी।

प्रतिबंध पूरा होने के बाद से लिन ने पेशेवर क्रिकेट में हिस्सा नहीं लिया है। वह आगामी बिग बैश लीग सत्र के लिए किसी अनुबंध की आधिकारिक पुष्टि भी नहीं कर पाए हैं। हालांकि, आस्ट्रेलियाई मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने मेलबर्न रेनेगेड्स के साथ जुड़ने पर सहमति जताई है।

# आस्ट्रेलियाई पुरुष क्रिकेट टीम के सलाहकार कोच बने माइक हसी

सिडनी

आस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज माइक हसी इस महीने इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज से राष्ट्रीय टीम के साथ सलाहकार कोच के रूप में जुड़ेंगे। क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने शुक्रवार को इसकी घोषणा की। हसी अगले साल होने वाली एशेज सीरीज और दक्षिणी अफ्रीका में आयोजित होने वाले एकदिवसीय विश्व कप के लिए भी टीम के सलाहकार कोच की भूमिका निभाएंगे।

51 वर्षीय हसी को वर्ष 2028 में होने वाले दो बड़े आयोजनों- लास एंजिल्स ओलंपिक और आस्ट्रेलिया-न्यूजीलैंड में प्रस्तावित टी20 विश्व कप के लिए राष्ट्रीय टीम का टी20 सलाहकार भी नियुक्त किया गया है। इस भूमिका में वह अभियान की रणनीति तैयार करने, विरोधी टीमों की जानकारी जुटाने, खिलाड़ियों की प्रतिभा पहचानने और प्रदर्शन से जुड़े मामलों में विशेषज्ञ सलाह देंगे।

हसी लगभग तुरंत अपनी जिम्मेदारी संभालेंगे। वह इंग्लैंड के खिलाफ इस महीने के अंत में शुरू होने वाली पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज के साथ इस घरेलू सत्र में न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में भी आस्ट्रेलियाई टीम को कोचिंग सहयोग देंगे। वह पिछले कुछ वर्षों में भी आस्ट्रेलियाई टीम के साथ इसी तरह की जिम्मेदारियां निभा चुके हैं। पिछले तीन वर्षों में इंग्लैंड, भारत और पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले पर्थ में टीम के अभ्यास सत्र में भी वह शामिल हुए थे।

वर्ष 2016 में क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद हसी ने कोचिंग के क्षेत्र में व्यापक अनुभव हासिल किया है। वह आस्ट्रेलिया और इंग्लैंड की राष्ट्रीय टीमों के कोचिंग स्टाफ का हिस्सा रह चुके हैं। वर्ष 2022 में आस्ट्रेलिया में आयोजित टी20 विश्व कप जीतने वाली इंग्लैंड की टीम में वह मैथ्यू माट के कोचिंग पैनल के सदस्य थे। इसके अलावा वह स्टीफन फ्लेमिंग के मार्गदर्शन में चेन्नई सुपर किंग्स के लंबे समय तक बल्लेबाजी कोच रहे और इस वर्ष द हंड्रेड में वेल्श फायर के मुख्य कोच की भूमिका निभाई।



हसी ने कहा कि आस्ट्रेलियाई टीम के साथ अधिक औपचारिक और महत्वपूर्ण भूमिका में जुड़ना उनके लिए खुशी की बात है। उन्होंने कहा, इस टीम ने हाल के वर्षों में काफी उपलब्धियां हासिल की हैं। मुझे उम्मीद है कि आने वाले रोमांचक और चुनौतीपूर्ण दौर में मैं कोचिंग स्टाफ और खिलाड़ियों के लिए उपयोगी योगदान दे सकूंगा।

आस्ट्रेलिया के मुख्य कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने हसी की नियुक्ति का स्वागत करते हुए कहा कि वह पहले भी टीम के कोचिंग स्टाफ के महत्वपूर्ण सदस्य रहे हैं। उनका अनुभव और कौशल मौजूदा कोचों तथा खिलाड़ियों के लिए काफी उपयोगी होगा। मैकडोनाल्ड ने कहा कि कई प्रारूपों, प्रतियोगिताओं और देशों में खिलाड़ी तथा कोच के रूप में हसी की विशेषज्ञता के साथ उनके व्यक्तिगत गुण भी टीम के लिए अहम हैं।

क्रिकेट आस्ट्रेलिया के राष्ट्रीय टीमों के महाप्रबंधक बेन ओलिवर ने बताया कि टी20 सलाहकार के तौर पर हसी अभियान की रणनीति, विरोधी टीमों के विश्लेषण, खिलाड़ियों की तलाश और प्रदर्शन से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर अपनी विशेषज्ञता देंगे।

हसी ने 2005 से 2013 के बीच आस्ट्रेलिया के लिए तीनों प्रारूपों में कुल 302 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले। वह 2007 में एकदिवसीय विश्व कप जीतने वाली आस्ट्रेलियाई टीम और 2006-07 में इंग्लैंड के खिलाफ एशेज सीरीज में 5-0 की जीत दर्ज करने वाली टीम का हिस्सा थे। उन्होंने 79 टेस्ट मैचों में 51 से अधिक की औसत से रन बनाए। टी20 विश्व कप 2010 के सेमीफाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ उनकी 24 गेंदों में नाबाद 60 रन की पारी आज भी यादगार मानी जाती है। उनकी इस तूफानी पारी की बदौलत आस्ट्रेलिया ने मुश्किल स्थिति से वापसी करते हुए मुकाबला जीत लिया था।

**आस्ट्रेलिया-इंग्लैंड एकदिवसीय सीरीज का कार्यक्रम**

- पहला एकदिवसीय मैच : 13 नवंबर, पर्थ स्टेडियम।
- दूसरा एकदिवसीय मैच : 15 नवंबर, एडिलेड ओवल।
- तीसरा एकदिवसीय मैच : 18 नवंबर, बेलेरिव ओवल, होबार्ट

# सिर्फ श्रीराम की वापसी नहीं दीवाली के दिन घटी थीं 6 घटनाएं

दीवाली का नाम सुनते ही मन में बस एक तस्वीर उमड़ती है प्रभु श्री राम की रावण पर विजय पाने के बाद अयोध्या वापसी की। बहुत से लोगों के लिए, इस पर्व का मतलब है देवी लक्ष्मी का स्वागत करना, भगवान गणेश की पूजा करना, उपहारों का आदान-प्रदान करना और पटाखों की गूंज में सराबोर हो जाना है। वहीं शायद ही कुछ लोग ये जानते होंगे कि दीवाली का पर्व एक ऐसा अवसर है जो सिर्फ श्री राम के आगमन की खुशी में नहीं मनाया जाता है बल्कि इसके पीछे अन्य कई कथाएं भी छुपी हैं, जो इस अवसर को और ज्यादा महत्वपूर्ण बनाती हैं। भगवान राम की अयोध्या वापसी की प्रचलित कथा के अलावा, दीपोत्सव से जुड़ी कई ऐसी कहानियां भी हैं जो इस त्योहार के गहरे अर्थ को उजागर करती हैं। आइए आपको बताते हैं उनके बारे में यहां विस्तार से। अगर आप किसी से पूछें कि




दीवाली क्यों मनाई जाती है, तो सबसे आम जवाब यही मिलेगा कि यह चौदह साल के वनवास के बाद भगवान राम की अयोध्या वापसी और रावण पर उनकी जीत का प्रतीक है। रामायण के अनुसार, अयोध्या के लोगों ने उनके वापस आने की खुशी में मिट्टी के दीये जलाकर राम, सीता और लक्ष्मण का स्वागत किया था। ये दीपक खुशी, उम्मीद और बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक थे। दीवाली से जुड़ी कहानियों में से एक ऐसी कथा है जिसके बारे में कम ही लोग जानते हैं, वह है नरकासुर की पराजय की कहानी है। नरकासुर एक शक्तिशाली असुर था, जिसने स्वर्गलोक में काफी उपद्रव मचाया था और 16 हजार से भी ज्यादा महिलाओं को बंदी बना लिया था। हिंदू परंपराओं के अनुसार, भगवान कृष्ण ने सत्यभामा के साथ मिलकर नरकासुर को पराजित किया और उसकी कैद में फंसी महिलाओं को मुक्त कराया। इस विजय को *नरक चतुर्दशी* के रूप में मनाया जाता है, जो कई क्षेत्रों में मुख्य दीवाली से एक दिन पहले मनाई जाती है। इस दिन को छोटी दीवाली भी कहा जाता है। सिखों के लिए दीवाली का विशेष महत्व है, क्योंकि इसी दिन *बंदी छोड़ दिवस* मनाया जाता है, जिसका अर्थ है *मुक्ति का दिन।* यह दिन सिखों के छठे गुरु, गुरु हरगोबिंद साहिब की ग्वालियर के किले से रिहाई की याद दिलाता है। जहां उन्हें मुगल काल के दौरान कैद कर लिया गया था। सिख परंपरा के अनुसार, उन्होंने 52 कैद राजाओं को भी मुक्त कराया था। आज भी अमृतसर में उनकी वापसी के उपलक्ष्य में स्वर्ण मंदिर में जश्न मनाया जाता है और इस मौके पर पूरे मंदिर को रोशनी से सजाया जाता है। दीपावली का संबंध धन, वैभव और सुख-समृद्धि की देवी मां लक्ष्मी से भी है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, देवताओं और असुरों ने जब अमृत प्राप्त करने के लिए क्षीरसागर का मंथन किया, तब समुद्र मंथन से कई दिव्य रत्न निकले। इन्हीं में एक थीं माता लक्ष्मी। पौराणिक कथाओं के अनुसार, समुद्र मंथन के दौरान मां लक्ष्मी कमल पर विराजमान होकर प्रकट हुईं। उनके प्राकट्य से चारों ओर दिव्यता और खुशहाली का वातावरण छा गया। इसके बाद मां लक्ष्मी ने भगवान विष्णु को अपने पति के रूप में स्वीकार किया। इसी मान्यता है कि माता लक्ष्मी जिस दिन प्रकट हुईं थी, उसी दिन को दीपावली मनाई जाने लगी। दीपावली का महत्व केवल हिंदू धर्म तक सीमित नहीं है। जैन धर्म में भी इस पर्व का विशेष स्थान है। जैन मान्यताओं के अनुसार, 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर ने कार्तिक अमावस्या यानी कि दीपावली के दिन ही बिहार के पावापुरी में निर्वाण प्राप्त किया था। भगवान महावीर के निर्वाण के बाद उनके अनुयायियों ने उनके ज्ञान और उपदेशों की स्मृति में दीप जलाए थे। ऐसा कहा जाता है कि उनके जाने से जो आध्यात्मिक अंधकार छाया, उसे दूर करने के लिए लोगों ने दीपों से वातावरण को रोशन किया। उसी समय से जैन धर्म में दीपावली का चलन शुरू हुआ। दीपावली से जुड़ी एक अन्य महत्वपूर्ण पौराणिक कथा भगवान विष्णु के वामन अवतार और राजा बलि की है। राजा बलि अपने दान और पराक्रम के लिए प्रसिद्ध थे। उन्होंने अपने तप और शक्ति से तीनों लोकों पर अधिकार कर लिया था। इससे देवता चिंतित हो गए और उन्होंने भगवान विष्णु से सहायता मांगी। तब भगवान विष्णु ने वामन अवतार धारण करके उनसे तीन पग भूमि मांगी। बलि से वामन जी को तीन पग जमीन देने का वचन दिया। उस समय वामन जी ने पहले पग में पूरी पृथ्वी और दूसरे पग में स्वर्गलोक नाप लिया। तीसरे पग के लिए कोई स्थान नहीं बचा, तो राजा बलि ने अपना सिर आगे कर दिया। भगवान ने उनके सिर पर तीसरा पग रखकर उन्हें पाताल लोक भेज दिया। धार्मिक परंपराओं में राजा बलि के लौटने और बलि प्रतिपदा का संबंध दीपावली के अगले दिन से जोड़ा जाता है। कुछ परंपराओं में यह मान्यता भी है कि राजा बलि को वर्ष में एक बार अपनी प्रजा से मिलने का अवसर मिलता है और इसी खुशी में दीवाली का पर्व मनाया जाता है। दीपावली के पर्व से जुड़ी ये कुछ ऐसी कहानियां हैं जिनके बारे में बहुत कम लोग जानते हैं। श्री राम की अयोध्या वापसी हो या नरकासुर का संहार, दीपावली का पर्व अपने आप में विशेष अहमियत रखता है।

## दिवाली पूजा में मां लक्ष्मी को क्यों चढ़ाते हैं खील-बताशे

दिवाली रोशनी, उत्साह और खुशियों का त्योहार है। इस दौरान दीयों की रोशनी में और मिठाइयों की स्वाद एक अलग ही मजा होता है। दीपावली का पर्व मां लक्ष्मी के स्वागत और सुख-समृद्धि की कामना का त्योहार है। हर कोई इस दिन घरों में विधि-विधान से माता लक्ष्मी जी की पूजा भगवान गणेश के साथ करते हैं और उन्हें प्रसन्न करने के लिए अलग-अलग तरह के भोग बनाते हैं। वहीं,



पूजा की थाली में दीपक, फूल, मिठाई और फूल के साथ खील-बताशे भी विशेष रुप से सजाए जाते हैं और मां लक्ष्मी को खील बताशों का भोग लगाएं। काफी समय से दिवाली पर खील-बताशे खरीदने और उन्हें पूजा में चढ़ाने की परंपरा सदियों से चली आ रही है, लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि आखिर माता लक्ष्मी की पूजा में खील-बताशे ही क्यों चढ़ाए जाते हैं? आइए आपको इससे संबंधिक मान्यताओं के बारे में बताते हैं। असल में खील और बताशे एक पारंपरिक मिठाई है, जो कि सदियों से दिवाली के पर्व का मुख्य हिस्सा बन जाता है। इसमें मुख्य रुप से दो चीजें होती है खीर यानी कि धान का लावा और बताशे यानी चीनी से तैयार की जाने वाले एक पारंपरिक मिठाई है।

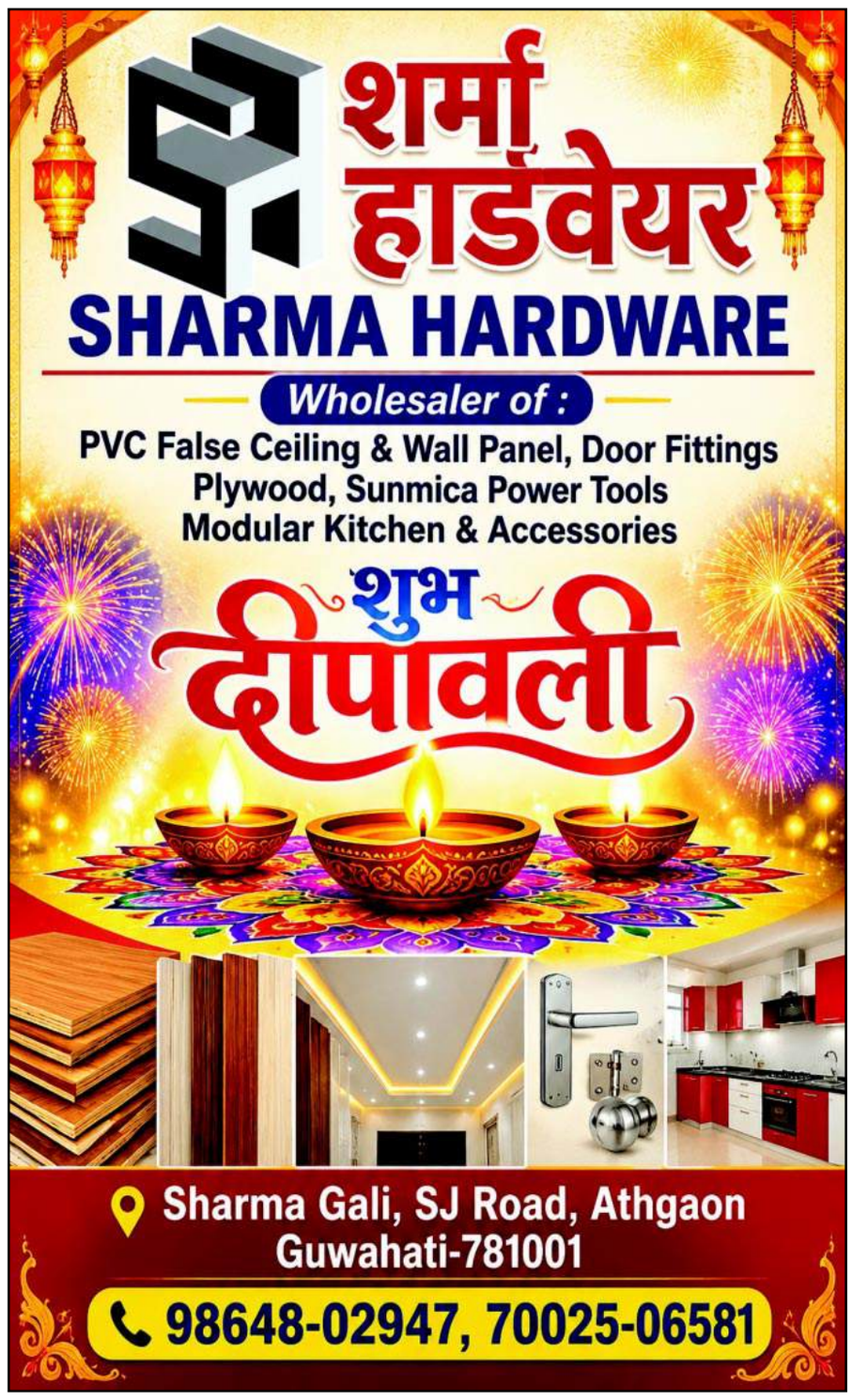
## मां लक्ष्मी और गणेश जी की आराधना कल



हर साल कार्तिक माह की अमावस्या तिथि को दीपावली का पर्व मनाया जाता है। हिंदू धर्म में दिवाली का पर्व सबसे बड़ा त्योहार माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक इस तिथि पर भगवान श्रीराम 14 साल का वनवास पूरा करके मां सीता और लक्ष्मण जी के साथ अयोध्या वापस आए थे। श्रीराम के अयोध्या वापस आने की खुशी में अयोध्यावासियों ने दीप जलाकर उत्सव मनाया था। वहीं दिवाली की रात धन की देवी मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा-अर्चना की जाती है। धार्मिक मान्यता है कि दीपावली पर अमावस्या तिथि और प्रदोष काल में मां लक्ष्मी की पूजा करने से उनका आशीर्वाद मिलता है और घर में उनका वास होता है। हालांकि इस बार दीपावली की डेट को लेकर लोगों के मन में कंफ्यूजन है। तो आइए जानते हैं दिवाली की डेट, लक्ष्मी पूजन का मुहूर्त और पूजन विधि के बारे में...

**तिथि और मुहूर्त :** वैदिक पंचांग के मुताबिक कार्तिक माह की अमावस्या तिथि की शुरूआत 08 नवंबर की सुबह 11:27 मिनट से हो रही है। वहीं अगले दिन यानी की 09 नवंबर 2026 की रात 12:31 मिनट पर इस तिथि की समाप्ति होगी। ऐसे में उदयातिथि और प्रदोष काल के आधार पर 08 नवंबर 2026 को दिवाली का पर्व मनाया जाएगा। वहीं इस दिन लक्ष्मी पूजा का मुहूर्त शाम 05: 54 से 07:50 बजे है और प्रदोष काल शाम 05:31 से 08:09 बजे तक है।

**पूजन विधि :** सबसे पहले पूजा स्थल की अच्छे से सफाई करें और फिर ईशान कोण दिशा में लकड़ी की चौकी पर लाल या पीला कपड़ा बिछाएं। अब इस पर अक्षत रखें और भगवान गणेश व मां लक्ष्मी की मूर्ति को स्थापित करें। इसके बाद चौकी के पास तांबे या पीतल के कलश में शुद्ध जल और गंगाजल भरकर रखें। कलश के अंदर सुपारी, एक सिक्का, अक्षत और रोली आदि डालें। फिर कलश के मुख पर आम के पत्ते रखकर उस पर दीपक रखें। अब हाथ में थोड़ा सा जल लेकर अपने ऊपर और सभी पूजन सामग्री के ऊपर छिड़काव करें और इस दौरान *ॐ अपवित्र: पवित्रो वा सर्वावस्थां गतोऽपि वा। य: स्मरेत्पुण्डरीकाक्षं स बाह्याभ्यन्तर: शुचि: ॥* मंत्र का जाप करें। फिर आचमन करने के बाद दाहिने हाथ में फल, अक्षत, फूल और जल लेकर मां लक्ष्मी और श्रीगणेश से सुख-समृद्धि की प्रार्थना करें।










प्रकाशक राकेश शर्मा एवं मुद्रक आशीष लाहा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, फाटाशील, 2 नं., कादाबाड़ी मस्जिद के पास, ए.के. देब रोड, गड़चुक, कामरूप मेट्रोपॉलिटन, असम-781035 से मुद्रित एवं **हाउस नं. 26, बिशिनु पथ, बाई 2, रुक्मिणी गांव, कामरूप मेट्रो पॉलिटन, असम-781022 से प्रकाशित।**
**संपादक : राकेश शर्मा,** मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 ( संपादकीय )** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **( सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन )**